ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

फिलहाल कैबिनेट में कोई बदलाव नहीं सत्ता हस्तांतरण नहीं: शिवकुमार @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 12 अक्टूबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-280

केरल हाईकोर्ट का अहम निर्णय, वक्फ बोर्ड को लगी कड़ी फटकार

एक फैसले से बच गया 600 परिवारों का आशियाना

तिरुअनंतपुरम, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)।

केरल हाईकोर्ट ने मुनंबम वक्फ भूमि विवाद पर सुनवाई करते हुए राज्य वक्फ बोर्ड को कड़ी फटकार लगाई है। अदालत ने कहा कि अगर बिना सही प्रक्रिया के किसी सम्पत्ति को वक्फ घोषित करने की इजाजत दी गई, तो कल को कोई ताजमहल, लालकिला, विधानसभा भवन या यहां तक कि खुद हाईकोर्ट की इमारत को भी वक्फ सम्पत्ति बता सकता है। यह फैसला मुख्य न्यायाधीश एसए धर्माधिकारी और न्यायमूर्ति श्याम कुमार वीएम की खंडपीठ ने सुनाया। हाईकोर्ट ने कहा कि मनमाने तरीके से सम्पत्तियों को वक्फ घोषित करना संविधान के अनुच्छेद 300-ए (सम्पत्ति के अधिकार), अनुच्छेद 19 (व्यवसाय की स्वतंत्रता) और अनुच्छेद 21 (जीवन और आजीविका का अधिकार) का उल्लंघन है। अदालत ने कहा कि कोई भी न्यायालय ऐसी काल्पनिक और अनुचित शक्ति को मंजूरी नहीं दे सकता।

मामला मुनंबम की उस जमीन से जुड़ा है जिसे 1950 में सिद्दीक सैद नामक व्यक्ति ने फारूक कॉलेज को दान में दी थी। उस समय यह जमीन करीब 404 एकड़ थी लेकिन समुद्री कटाव के कारण अब यह लगभग 135 एकड़ रह गई है। कॉलेज ने इस जमीन पर बसे लोगों को बाद में प्लॉट बेच दिए थे और सभी दस्तावेज़ों में इसे

हाईकोर्ट ने पूछा, ताजमहल व लाल किला भी हड़प लोगे क्या?

मनमाने तरीके से सम्पत्तियों को वक्फ घोषित करना गैरकानूनी

सामान्य दान की सम्पत्ति बताया गया था, वक्फ नहीं। हालांकि, लगभग 69 साल बाद, 2019 में केरल वक्फ बोर्ड ने अचानक इस जमीन को वक्फ सम्पत्ति घोषित कर दिया और पुराने सौदों को अवैध बता दिया। इससे करीब 600 परिवार प्रभावित हुए, जिन्होंने इसका विरोध किया।

राज्य सरकार ने नवंबर 2024 में न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) सीएन रामचंद्रन नायर की अध्यक्षता में एक जांच आयोग बनाया था, जिसे वक्फ संरक्षण समिति ने अदालत में चुनौती दी। मार्च 2025 में एकल पीठ ने आयोग को रद्द कर दिया, जिसके बाद सरकार ने डिवीजन बेंच में अपील की। डिवीजन बेंच ने कहा कि यह भूमि दानपत्र के तहत दी गई थी, न कि वक्फ डीड के तहत। वक्फ बोर्ड ने केवल दस्तावेज के शीर्षक में वक्फ शब्द देखकर इसे वक्फ सम्पत्ति घोषित कर दिया, जबकि कानूनी शर्तें पूरी नहीं थीं। अदालत ने इसे दुर्भावनापूर्ण और स्वार्थपूर्ण कार्रवाई बताया और कहा कि बोर्ड ने यह कदम भूमि की बढ़ी हुई कीमत को देखकर उठाया है। अंत में अदालत ने स्पष्ट किया कि वक्फ घोषित करने की प्रक्रिया नागरिकों के अधिकारों को सीधे प्रभावित करती है, इसलिए अदालत इसकी वैधता की जांच करने के लिए पूरी तरह सक्षम है।

केरल हाईकोर्ट ने कहा कि केरल वक्फ बोर्ड का 2019 में मुनंबम की विवादित जमीन को वक्फ सम्पत्ति घोषित करने का फैसला गलत था। मोहम्मद सिद्दीक सैट द्वारा 1950 में फारूक कॉलेज मैनेजमेंट कमेटी के पक्ष में बनाया गया एंडोमेंट डीड वक्फ डीड नहीं था, बल्कि एक साधारण गिफ्ट डीड था। कोर्ट ने कहा कि इस दस्तावेज में कहीं भी यह नहीं दिखाया गया कि सम्पत्ति को हमेशा के लिए अल्लाह के नाम पर समर्पित किया गया था। इसलिए इसे वक्फ सम्पत्ति नहीं कहा जा सकता। हाईकोर्ट ने यह फैसला सुनाते हुए राज्य सरकार की दो याचिकाओं को स्वीकार कर लिया और सिंगल बेंच के पुराने आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें सरकार द्वारा गठित जांच आयोग को अवैध बताया गया था।

हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि वक्फ की परिभाषा में स्थायी समर्पण (परमानेंट डेडिकेशन) का होना आवश्यक है। इसका मतलब यह होता है कि कोई व्यक्ति अपनी सम्पत्ति का स्वामित्व पूरी तरह से और हमेशा के लिए ▶10पर

प्रधानमंत्री ने किसानों के लिए दी 42,000 करोड़ की नई योजनाएं

यह मेरे लिए गौरव का क्षण है : मोदी

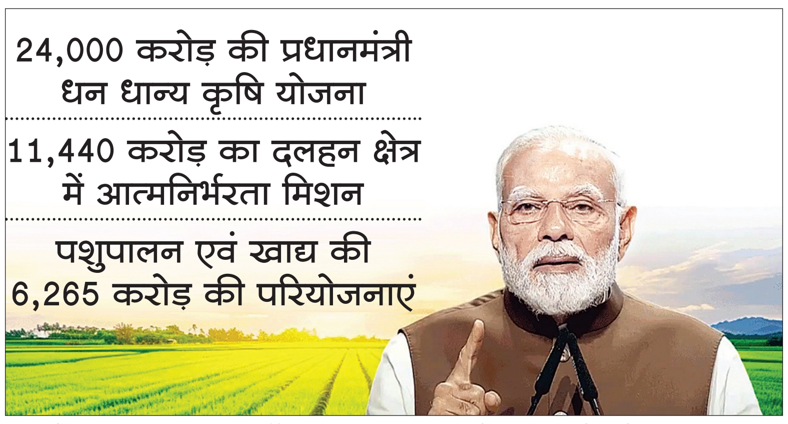

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएअ-ारआई) में आयोजित विशेष कृषि कार्यक्रम में देशभर के किसानों से संवाद करते हुए कुल 35,440 करोड़ रुपए की दो प्रमुख कृषि योजनाओं का शुभारंभ किया। इन दो प्रमुख कृषि योजनाओं में 24,000 करोड़ रुपए की प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना और 11,440 करोड़ रुपए के दलहन क्षेत्र में आत्मनिर्भरता मिशन शामिल है।

इन योजनाओं का उद्देश्य फसल विविधीकरण, भंडारण क्षमता बढ़ाना, सिंचाई सुविधाओं में सुधार और दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करना है। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य प्रसंस्करण से जुड़ी 5,450 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन किया और 815 करोड़ रुपए की नई परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इनमें देशभर में कोल्ड चेन, आईवीएफ लैब, मछली चारा संयंत्र और डेयरी से जुड़ी परियोजनाएं शामिल हैं। कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी किसानों को प्रमाण पत्र भी वितरित किया और विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित दलहन किसानों से सीधा संवाद किया।

प्रधानमंत्री ने भारत रत्न जयप्रकाश नारायण और भारत रत्न नानाजी देशमुख की जयंती पर उन्हें याद किया और दोनों व्यक्तित्वों को ग्रामीण भारत की आवाज कहा। पीएम मोदी ने कहा, अपने किसान, पशुपालक और मछुआरा भाई-बहनों के कल्याण के लिए हम दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। इसी दिशा में आज दिल्ली से हजारों करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास मेरे लिए गर्व का क्षण है। खेती और किसानी हमेशा हमारी विकास यात्रा का हिस्सा रही है। बहुत जरूरी होता है कि बदलते समय के साथ खेती-किसानी को सरकार का सहयोग मिलता रहे। लेकिन दुर्भाग्य से पहले की सरकारों ने खेती-किसानी को अपने हाल पर छोड़ दिया था। इसलिए भारत की कृषि व्यवस्था लगातार कमजोर होती जा रही थी। 21वीं सदी के भारत को तेज विकास के लिए अपनी कृषि व्यवस्था में भी सुधार करना आवश्यक था और इसकी शुरुआत 2014 के बाद से हुई।

कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए कुल 42,000 करोड़ की नई योजनाएं शुरू करने का उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाना, खेती की उत्पादकता सुधारना और देश में आत्मनिर्भर कृषि को बढ़ावा देना है। प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना के तहत 24,000 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इस योजना का उद्देश्य खेती को अधिक उत्पादक और टिकाऊ बनाना, नई फसलें अपनाने के लिए किसानों को प्रोत्साहित करना और गांवों में स्टोरेज फैसिलिटी को बेहतर बनाना है। योजना के अंतर्गत 100 जिलों में सिंचाई प्रणाली को मजबूत किया जाएगा ताकि किसानों को पानी की समस्या का सामना न करना पड़े। साथ ही, किसानों को आसान शर्तों पर लोन उपलब्ध कराए जाएंगे ताकि वे आधुनिक खेती तकनीक अपनाकर अपनी आय बढ़ा सकें। वहीं, दलहन आत्मनिर्भरता मिशन पर 11,440 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इस मिशन का लक्ष्य देश को दाल उत्पादन में पूरी तरह आत्मनिर्भर बनाना है। इसके तहत दालों की पैदावार बढ़ाने, खेती के क्षेत्र को विस्तार देने और खरीद से लेकर प्रोसेसिंग तक की वैल्यू चेन को मजबूत करने पर जोर दिया जाएगा। किसानों को नई तकनीक, बेहतर बीज और प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा ताकि वे उत्पादन और गुणवत्ता दोनों में सुधार कर सकें।

इन योजनाओं के अलावा प्रधानमंत्री मोदी ने कृषि, डेयरी, मछली पालन और फूड प्रो-सेसिंग से जुड़ी 5,450 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन किया और 815 करोड़ रुपए की ▶10पर

देश में बढ़ते जनसंख्या असंतुलन पर बोले अमित शाह

घुसपैठियों को करेंगे डिटेक्ट डिलीट और डिपोर्ट

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घुसपैठ के मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि 1951 से 2011 तक हिंदू और मुस्लिम आबादी की वृद्धि दर में असमानता का मुख्य कारण घुसपैठ है। उन्होंने कुछ राजनीतिक दलों पर वोट बैंक की राजनीति के लिए घुसपैठियों को आश्रय देने का आरोप लगाया। अमित शाह ने यह भी चेताया कि यदि घुसपैठ पर रोक नहीं लगी तो देश धर्मशाला बन जाएगा। गृह मंत्री ने शरणार्थियों और घुसपैठियों के बीच अंतर स्पष्ट किया और दोहराया कि भाजपा डिटेक्ट, डिलीट और डिपोर्ट के सूत्र पर काम करेगी। साथ ही, उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि देश में रह रहे मुस्लिमों के अधिकारों पर कोई सवाल नहीं उठाया जाएगा।

गृह मंत्री अमित शाह ने जनगणना के आंकड़े प्रस्तुत किए। उन्होंने बताया कि 1951 से 2011 तक हिंदू आबादी का प्रतिशत 84.1 प्रतिशत से घटकर 79 प्रतिशत हो गया। वहीं, मुस्लिम आबादी का प्रतिशत 9.8 प्रतिशत से बढ़कर 14.2 प्रतिशत हो गया। 2001-2011 के दौरान हिंदू जनसंख्या में वृद्धि दर 16.8 प्रतिशत थी। इसके मुकाबले मुस्लिम आबादी की वृद्धि दर 24.6 प्रतिशत रही। गृह मंत्री ने साफ तौर पर कहा कि जनसंख्या वृद्धि दर में यह असमानता घुसपैठ के कारण है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घुसपैठ पर कड़ी टिप्पणी करते हुए कुछ राजनीतिक दलों पर वोट बैंक की राजनीति के लिए घुसपैठियों को आश्रय देने का आरोप लगाया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि घुसपैठ नहीं रुकी तो देश धर्मशाला बन जाएगा, इसलिए इस पर

रोक लगाना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक है। अमित शाह ने स्पष्ट किया कि गुजरात और राजस्थान जैसी सीमाएं होने के बावजूद घुसपैठ न होना बताता है कि यह राजनीतिक संरक्षण का विषय है।

अमित शाह ने शरणार्थी और घुसपैठियों में अंतर बताया। उन्होंने कहा कि धार्मिक प्रताड़ना से बचने वाले लोग शरणार्थी हैं, जिनका भारत हमेशा स्वागत करेगा, खासकर पड़ोसी देशों के प्रताड़ित हिंदुओं को स्वीकार किया जाएगा। इसके विपरीत, आर्थिक कारणों से अवैध रूप से आने वाले लोग घुसपैठिए हैं, जिन पर सख्ती से अंकुश लगेगा। उन्होंने झारखंड में जनजातीय आबादी की गिरावट का कारण भी बांग्लादेश से घुसपैठ को बताया। साथ ही, अवैध प्रवासन के अध्ययन के लिए हाई-पावर्ड डेमोग्राफिक मिशन की घोषणा का उल्लेख किया। यह मिशन अवैध प्रवासन के रुझानों, उसके धार्मिक और सामाजिक जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों, जनसंख्या में हो रहे असंतुलन और असामान्य बसावट के पैटर्न का गहन अध्ययन करेगा। इसके साथ ही यह सीमा प्रबंधन पर इन परिवर्तनों के असर का भी मूल्यांकन करेगा। उन्होंने कहा कि यह मिशन राष्ट्र की स्थिरता और सांस्कृतिक पहचान की रक्षा की दिशा में एक निर्णायक कदम है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक दलों ने वोट बैंक के लिए घुसपैठ को प्रोत्साहन दिया, जबकि भाजपा सरकार देश की सुरक्षा और जनसांख्यिकीय संतुलन की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। गृह मंत्री ने भाजपा के पुराने संकल्प डिटेक्ट, डिलीट और डिपोर्ट को दोहराया। इसका अर्थ है घुसपैठियों को पहचानना, मतदाता सूची से हटाना, और देश से निर्वासित करना। उन्होंने कहा कि विवादों की परवाह किए बिना देश की संस्कृति और लोकतंत्र की रक्षा करना भाजपा की प्राथमिकता है। अमित शाह ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत में रह रहे मुस्लिमों के अधिकारों पर कोई प्रश्न नहीं उठाया जाएगा और मतदाता सूची शुद्धिकरण (एसआईआर) प्रक्रिया का भी समर्थन किया

अमित शाह ने घुसपैठ को बड़ा संकट बताते हुए केंद्र सरकार की सख्त नीति को दोहराया। ▶10पर

करगिल युद्ध में फेंके गए बम अब भी फट रहे

26 साल बाद भी सता रहा बमों का खौफ

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 11 अक्टूबर।

करीब 26 साल पहले हुए करगिल युद्ध के दौरान पाकिस्तान द्वारा बरसाए गए बमों से बचने के लिए करगिलवासियों ने कस्बा खाली कर दिया था। तबके फेंके गए बमों में से जो बम फटे नहीं वे अब भी करगिलवासियों को दर्द दे रहे हैं। इस साल अभी तक तोप के 17 गोलों को बरामद कर नष्ट किया जा चुका है। पिछले साल 103 और वर्ष 2023 में 45 बमों को नष्ट किया गया था। सेना ने शुक्रवार को लद्दाख के करगिल जिले में नगरपालिका समिति के ठोस अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्र के पास बमों सहित सात बिना फटे आयुधों को निष्क्रिय किया। करगिल के जिला मजिस्ट्रेट राकेश कुमार के निर्देश पर कार्रवाई करते हुए सेना के बैलिस्टिक विशेषज्ञों की टीम ने कुर्बाथांग क्षेत्र में जीवित आयुधों को सफलतापूर्वक निष्क्रिय कर दिया। नगरपालिका समिति के अधिकारियों ने अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्र के पास एक बिना फटा आयुध पाया था। रिपोर्ट मिलते ही जिला मजिस्ट्रेट ने तुरंत 121 ब्रिगेड के स्टेशन कमांडर को सूचना दी और इस सेना ने त्वरित कार्रवाई की। करगिल में 16 अप्रैल 2023 को ऐसे ही एक बम के विस्फोट से 13 साल के एक बच्चे की मौत हो गई थी और दो जख्मी हो गए थे। इस घटना के बाद भी इन अनफटे बमों का डर कम नहीं हुआ, क्योंकि दो दिनों में ऐसे सात जिंदा अनफटे बमों की बरामदगी ने 26 साल के बाद फिर से दहशत फैला दी है। ▶10पर

हाईकोर्ट ने तेलंगाना सरकार को दिया झटका

ट्रिपल टेस्ट ढांचे में ही होंगे निकाय चुनाव

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)।

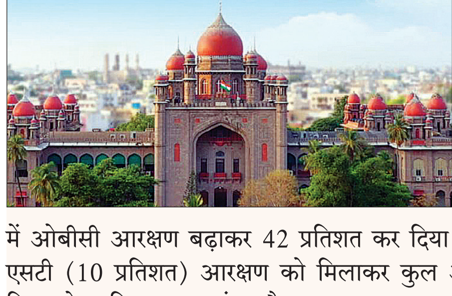

तेलंगाना उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि स्थानीय निकाय चुनाव सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित त्रिस्तरीय परीक्षण के ढांचे के भीतर होना चाहिए। राज्य सरकार के लिए यह बड़ा झटका माना जा रहा है कि क्योंकि राज्य सरकार ने तेलंगाना में ओबीसी आरक्षण बढ़ाकर 42 प्रतिशत कर दिया है, जिससे एससी (15 प्रतिशत) और एसटी (10 प्रतिशत) आरक्षण को मिलाकर कुल आरक्षण 67 प्रतिशत हो जाता है, जो ट्रिपल टेस्ट नियम का उल्लंघन है।

हालांकि, उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार के उस सरकारी आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है, जिसमें 42 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण के साथ 8 अक्टूबर को स्थानीय निकाय चुनाव कराने का आदेश जारी किया गया था। उच्च न्यायालय ने कहा कि राज्य चुनाव आयोग आनुपातिक सीटों को खुली श्रेणी की सीटों के रूप में अधिसूचित करेगा और चुनाव कराएगा। याचिकाकर्ताओं का नेतृत्व कर रहे वरिष्ठ वकील के विवेक रेड्डी ने तर्क दिया कि राज्य सरकार का आदेश राजनीतिक आरक्षण के लिए सर्वोच्च न्यायालय द्वारा लगाई गई 50 प्रतिशत की सीमा से अधिक है। सरकारी आदेश सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित त्रिस्तरीय परीक्षण का भी उल्लंघन करता है। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने स्थानीय निकाय चुनाव में अन्य पिछड़ा वर्ग को आरक्षण देने के लिए ट्रिपल टेस्ट का एक ढांचा बनाया है। इसके तहत राज्यों को ओबीसी वर्ग के आंकड़ों को जुटाने के लिए ▶10पर

ओड़ीशा की मेडिकल छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म

ममता राज में फिर हुआ बलात्कारकांड

दुर्गापुर (प. बंगाल), 11 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल में बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। ओड़ीशा की रहने वाली मेडिकल छात्रा के साथ दुर्गापुरा में हैवानियत की दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। रात के अंधेरे में मेडिकल कॉलेज के पास छात्रा को दरिंदगी का शिकार बनाया गया है। आरजी कर अस्पताल की लोमहर्षक घटना के बाद हुई इस दूसरी घटना से पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था पूरी तरह से सवालों के घेरे में आ गई है। दुर्गापुर में एक निजी मेडिकल कॉलेज की छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया गया है। इस घटना ने एक बार फिर बंगाल में महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पश्चिम बर्धमान जिले में ओड़ीशा की रहने वाली एक मेडिकल कॉलेज छात्रा के साथ अज्ञात लोगों ने कथित तौर पर दुष्कर्म किया। वारदात शुक्रवार रात दुर्गापुर स्थित निजी मेडिकल कॉलेज परिसर के पास हुई। बताया जा रहा है कि द्वितीय वर्ष की छात्रा अपनी एक सहेली के साथ रात के खाने के लिए बाहर गई थी। छात्रा के साथ रात के अंधेरे में कॉलेज के पास सुनसान जगह पर दुष्कर्म किया गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि ओड़ीशा के जलेश्वर की रहने वाली मेडिकल छात्रा का पास के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। उन्होंने कहा कि मेडिकल छात्रा के परिवार के सदस्यों द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि छात्रा शुक्रवार रात करीब 8.30 बजे अपनी सहेली के साथ कैंपस से बाहर गई थी। अधिकारी ने कहा, जब तीन अज्ञात लोग वहां पहुंचे तो उसकी सहेली उसे अकेला छोड़कर भाग गई। उन लोगों ने उसका फोन छीन लिया और उसे कैंपस के बाहर सुनसान इलाके में ले गए, ▶10पर

वी प्रेन्योर्स महिलाओं की आत्मनिर्भरता और नेतृत्व क्षमता का सशक्त उदाहरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो महिला विंग, बेंगलूरु साउथ के जेबीएन स्वयं वीप्रेन्योर्स ने अपना रेफरल मीट गुरुवार को जीतो कार्यालय, चामराजपेट में आयोजित किया। इस बैठक में 30 सदस्य और 3 नए आगंतुक शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत नवकार मंत्र से हुई, जिसने पूरे माहौल को सकारात्मक और एकाग्र बना दिया।

सभी सदस्यों ने 30 सेकंड की संक्षिप्त प्रस्तुति में अपने-अपने व्यवसाय का परिचय दिया। इनमें चन्दा पोमानी की अनोखी और आकर्षक प्रस्तुति विशेष रूप से सराही गई।

सचिव सलोनी जैन ने सभी का हार्दिक स्वागत किया और अपने उद्यम रीनेल पैलेट की प्रेरक यात्रा पर मुख्य प्रस्तुति दी। उनकी स्पष्टता और आत्मविश्वास से भरे शब्दों ने नई उद्यमियों के लिए दिशा-निर्देश का कार्य किया। रेफरल हेड राजुल धोका ने व्यवसायिक अवसरों और नेटवर्किंग रणनीतियों पर सारगर्भित चर्चा कर यह दर्शाया कि सहयोग और पारस्परिक विश्वास से किस प्रकार नया व्यापार खड़ा किया जा सकता है। रेफरल हेड निशा कोठारी ने सदस्यों से आग्रह किया कि हर बैठक को केवल व्यवसाय तक सीमित न रखें, बल्कि इसे सीखने और प्रेरणा लेने का अवसर मानें। जीतो महिला विंग की चेयरपर्सन ने अपने उद्बोधन में कहा कि वी प्रेन्योर्स केवल व्यावसायिक मंच नहीं, बल्कि महिलाओं की आत्मनिर्भरता और नेतृत्व क्षमता का सशक्त उदाहरण है। निधि पालरेचा ने अपने विचार रखते हुए कहा कि हर सदस्य का छोटा प्रयास भी सामूहिक रूप से बड़ी उपलब्धि का रूप ले सकता है। उन्होंने विशेष रूप से अध्याय प्रमुखों के सतत मार्गदर्शन की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनका परिश्रम और समर्पण ही है जिसकी वजह से वीप्रेन्योर्स आज इतने ऊँचे मुकाम पर पहुँचे हैं। बैठक में सदस्यों ने अपने उत्पादों और सेवाओं का प्रदर्शन भी किया। विनीता जैन के खाद्य उत्पादों को बेहतरीन प्रतिक्रिया मिली, वहीं मीतू और संगीता की सजावटी वस्तुएँ तथा तृप्ति जैन, सीमा जैन और अनुराधा बैद द्वारा तैयार दिवाली हैम्पर्स ने विशेष आकर्षण पाया। रेशु बैद ने उदारतापूर्वक प्रत्येक महिला सदस्य को एक निःशुल्क सत्र देने की घोषणा की, जिससे सहयोग और नई साझेदारियों के द्वार खुले। इस बीच उपहार प्रायोजक सलोनी जैन द्वारा निशा कोठारी, विनीता और चन्दा को सम्मानित किया गया।

बैठक के अंत में साझा किए गए आँकड़ों के अनुसार कुल 15 रेफरल्स का आदान-प्रदान हुआ, जिससे लगभग 2,06,000 का व्यवसाय सृजित हुआ। इसके साथ ही अध्याय का कुल कारोबार बढ़कर 59,93,655 तक पहुँच गया। कार्यक्रम का समापन आभार ज्ञापन के साथ हुआ। सदस्यों ने इसे केवल एक बैठक नहीं बल्कि प्रेरणा का मंच माना, जहाँ दोस्ती, सहयोग और व्यावसायिकता तीनों का सुंदर संगम दिखाई दिया। यह मीटिंग वीप्रेन्योर्स समुदाय की बढ़ती ताकत, नेतृत्व क्षमता और सहयोगात्मक भावना का जीवंत उदाहरण बनी।

जब सूर्य निकलता है तब अंधेरा छिप जाता है: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में जैन भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी श्री इंदुप्रभा ने जयमल चारित्र का विवेचन करते हुए कहा कि जब सूर्य निकलता है तब अंधेरा छिप जाता है। उसी तरह जब मुनि जयमल ठाना 21 बीकानेर पहुंचे तो यह सूचना दीवान साहब तक पहुंची। श्राविका रामकंवर बाई ने अभिग्रह ले लिया कि जब तक मुनि जयमल जी का नगर में प्रवेश नहीं होता है तब तक वे अन्न जल ग्रहण नही करेंगी। स्वयं राजा गजसिंह जी ने अपने पदाधिकारी जयसिंह और विजयसिंह के साथ यतियों ने हड़कंप मचाया और मुनि जयमल जी का नगर प्रवेश कराया।

यतियों ने हार नहीं मानी और चर्चा के लिए चुनौती दे दी। कई दिनों तक चली चर्चा में मुनि जयमल जी की विजय हुई और यतियों ने सत्य धर्म और तत्व को अपनाया। मुनि जयमल जी के बीकानेर प्रवास के दौरान 5 दीक्षा भी हुई। इस संदर्भ में साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि आज संप्रदाय वाद इतना जहरीला हो गया है कि अन्य संप्रदाय के साधु संतों को स्थान और अन्न पानी का भी संकट हो जाता है। कई जगह अपमान परिषह भी आता है। लोग उपकारी को भूल जाते हैं और मात्र स्वयं के श्रद्धेय के अलावा दूसरों को हाथ तक नही जोड़ते हैं। प्रवचन के प्रारंभ में साध्वी श्री वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि गुण गाने से गुण के प्रति आकर्षण बढ़ता है और दोष दृष्टि वालों में गलतियां बढ़ती जाती हैं। श्रेष्ठ और कुलीन व्यक्ति नारी को मात्र मां बहन बेटी की नजर से देखता है। पर नारी धन पद और मन को हर लेती है। नारी का विचार आना भी पाप है। हमें भी अपनी बेटियों में लज्जा और शील के संस्कार देने चाहिए। प्रतिक्रमण प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले सुनीता बोरुंदिया, आशा बाई बोहरा, पूनम रांका, निर्मला सुराणा, कविता मुथा और प्रियंका कोठारी को पुरस्कृत किया गया। संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन करते हुए बताया कि रविवार से उत्तराध्ययन सूत्र का वाचन और विवेचन प्रारंभ होगा। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। साध्वी श्री शशिप्रभा ने मंगल पाठ प्रदान किया।

श्री कांठा प्रांत जैन संघ बेंगलूरु का गठन

सर्वसम्मति से श्रीपाल खीवेंसरा अध्यक्ष नियुक्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजस्थान के पाली मारवाड़ जिले की 52 गांव पट्टी के बेंगलूरु में निवासित 600 परिवारों को एक माला में पिरोते हुए श्री कांठा प्रांत जैन संघ बेंगलूरु का गठन किया गया। पिछले कुछ दिनों से गतिमान संघ गठन प्रक्रिया के अंतर्गत बेंगलूरु में निवासित कांठा प्रांतीय बंधुओं को 13 जोन के प्रतिनिधियों के चुनाव करवाये गये। श्रीरामपुरम स्थानक में सीए शांतिलाल सुराणा की अध्यक्षता एवं पारसमल बोहरा की सह अध्यक्षता में आयोजित जोन प्रतिनिधियों की बैठक में पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई जिसमे श्रीपाल खीवेंसरा को सर्वसम्मति से संघ का अध्यक्ष चुना गया।

नव नियुक्त अध्यक्ष श्रीपाल खीवेंसरा ने संघ के कार्यों का एजेंडा रखते हुए स्वजन उत्थान, बिजनेस नेटवर्किंग, तात्कालिक सेवा, वूमेन एम्पावरमेंट, एजुकेशनल असिस्टेंस, आवास अनुदान, मेट्रीमोनी जैसी बुनियादी जरूरतों को प्राथमिकता दी। उन्होंने हमारा संकल्प-विकसित कांठा प्रांत का नारा देते हुए कांठा समाज को सुदृढ़ बनाने का संकल्प दोहराया। सभा अध्यक्ष सीए शांतिलाल सुराणा एवं सह अध्यक्ष पारसमल बोहरा ने कांठा प्रांत के रीति रिवाजों, व्यवहार एवं पुरानी परंपराओं को याद किया तथा संघ उत्थान में सभी के सहयोग की कामना की। संघ सलाहकार के रूप में शांतिलाल सुराणा, शांतिलाल खीवेंसरा, प्यारेलाल टपरावत, पारसमल बोहरा, अमरचंद गुंदेचा, भंवरलाल बोहरा व गणेशमल गुगलिया अपनी सेवाए प्रदान करेंगे। कांठा संघ के अध्यक्ष श्रीपाल खीवेंसरा ने पदाधिकारियों की नियुक्ति करते हुए राजेन्द्र कोटरिया, अशोक गुगलिया, उत्तमचंद कोठारी, मिश्रीमल कटारिया व रमेश बोहरा को उपाध्यक्ष, हंसराज मुणोत को महामंत्री, सिद्धार्थ बोहरा को प्रचार-प्रसार मंत्री, सुरेश भंडारी, किशोर बोहरा, मनसुख गांधी, महेन्द्र एस कटारिया, उत्तमचंद भलगट व प्रकाश चनौदिया को सह मंत्री, प्रकाश गुगलिया को सोशल मीडिया, ताराचंद जी. गुगलिया को कोषाध्यक्ष, महेन्द्र मुथा व प्रकाश ए भलगट को सहकोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी। साथ ही सोहनलाल एम गुगलिया, प्रकाश गांधी व प्रकाश टपरावत को कार्यकारिणी सदस्य के रूप में सम्मिलित किया। सभा में जोन प्रतिनिधियों ने संघ उत्थान हेतु अपने सुझाव रखे। सभा का संचालन महामंत्री हंसराज मुणोत ने किया तथा आभार प्रचार-प्रसार मंत्री सिद्धार्थ बोहरा ने व्यक्त किया।

आत्मा में रमण करने वाला सच्चा श्रमण: साध्वी उपासना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, राजाजीनगर में विराजित साध्वी निर्मलाजी के सान्निध्य में साध्वी उपासना ने उत्तराध्ययन सूत्र आराधना के सोलहवें (ब्रह्मचर्य समाधि स्थान) और सत्रहवें (पापक्षमण) अध्ययन का प्रभावशाली विवेचन किया। साध्वी उपासना ने कहा कि ब्रह्मचर्य का अर्थ है ब्रह्म अर्थात आत्मा और चर्य अर्थात रमण। जो आत्मा में रमण करता है, वही सच्चा ब्रह्मचारी है।

शरीर में रमण करने वाला कभी आत्मा की समाधि प्राप्त नहीं कर सकता।

जिसने आत्मरूप खेत में ब्रह्मचर्य की खेती बोई, वह दस व्रतों के माध्यम से तप का विशाल वृक्ष बन जाता है। सभी तपों में सर्वोत्तम तप है ब्रह्मचर्य तप। जब साधक आत्मा में रमण करते-करते उसी में स्थिर हो जाता है, वही ब्रह्म समाधि स्थान है। सत्रहवाँ अध्ययन पापक्षमण का विवेचन करते हुए साध्वी ने कहा कि श्रमण शब्द का अर्थ है श्र अर्थात् श्रमशील, 'म' अर्थात् मननशील, और 'ण' अर्थात् नमनशील।

जो आत्मा में रमण करता है, संसार को त्यागता है, विपरीत परिस्थितियों में भी समभाव रखता है वही सच्चा श्रमण है। जो साधना से विचलित होता है, रसों में आसक्त रहता है, आत्मा का पोषण नहीं करता, प्रमादी, आलसी, गुरु का अनादर करने वाला या संघ-धर्म परिवर्तन करने वाला होता है वही पाप श्रमण कहलाता है। साध्वी ने संदेश दिया कि सच्चा श्रमण वही है जो आत्मा को साधता है, अपने भीतर के दोषों का क्षमण करता है और ब्रह्मचर्य मार्ग पर अडिग रहता है। साध्वी ऋषिता ने उत्तराध्ययन सूत्र का वाचन किया तथा साध्वी उपमा ने मधुर स्तवन प्रस्तुत किया। अंत में साध्वी निर्मला जी ने मंगलपाठ देकर आराधना का समापन कराया।

त्रिशला महिला मंडल अध्यक्ष सुशीलाबाई बोहरा एवं मंत्री रेखा पोखरना ने बताया कि उत्तराध्ययन सूत्र के प्रथम अध्ययन विनयश्रुत के कंठस्थ अभ्यास हेतु प्रत्येक बुधवार एवं शनिवार को प्रवचन पश्चात कक्षा आयोजित की जाएगी। आभार उपाध्यक्ष रोशन नाहर एवं ज्ञानचंद लोढ़ा ने व्यक्त किया तथा संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल द्वारा किया गया।

किसी चीज का अति नहीं करना चाहिए: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि प्रभु महावीर के निर्वाण उत्सव के प्रसंग पर अंतिम वाणी का श्रवण चल रहा है। अगर आनंद मंगल चाहिए तो महावीर भगवान को मनाना चाहिए। जीवन में जो भी चाहिए वह प्रभु के वाणी को सुन कर प्राप्त किया जा सकता है। प्रभु अनन्त ज्ञान गुणधारी है। प्रभु के दर्शन कर मानव सुख प्राप्त कर सकता है। प्रभु की मीठी वाणी अनंत सुखों को दे सकती है। जो आनंद उनकी भक्ति में है वह कहीं भी नहीं हैं। प्रभु की वाणी भव्य प्राणियों के लिए सहारा है। यह संतों की पूंजी है। संसारी लोगों की पूंजी पैसा है। लेकिन संतों की पूंजी भगवान की वाणी होती है। इस वाणी से मानव जीवन को बदला जा सकता है। यह वाणी सुनने का मौका मिला है तो ऐसे ही गंवाना नहीं चाहिए। यह अमृत वाणी सुनने का सभी को मौका नहीं मिलता है। अगर हमें मिला है तो इसको ऐसे ही सुन कर जीवन बेकार नहीं करना चाहिए। ऐसी वाणी अमृत के समान है। बहुत ही भाग्यशालियों को मिलता है। अनन्त पुण्यवाणी से मौका मिलता है। सातवें अध्याय में कपिल केवड़ी का उल्लेख है। जो मनुष्य को पहले मजा बाद में सजा से सावधान करता है। मनुष्य को शांति से जो मिले वह खा कर पेट भर लेना चाहिए। स्वाद लेकर इंद्रियों का भोग करने वाला बहुत पछताता है। अपने कर्मों की वजह से मानव पाया हुआ भी खो देता है। इसलिए मानव को कर्मों के उदय से डर कर अच्छा कार्य करना चाहिए। आज के समय में लोग राम नाम जपते हुए पराया धन कमाने के चक्कर में लगे हुए है। ऐसा करके मानव अपने कर्मों को भारी कर रहा है। पराया धन को अपना नहीं समझना चाहिए। सत्य के मार्ग से आई हुई लक्ष्मी कहीं नहीं जाती हैं। संसारी जीव थोड़े से लाभ के लिए बहुत बड़ा लाभ छोड़ रहे हैं। सामान्य चीज में अटक कर बड़ा लाभ नहीं खोना चाहिए। गुरुदेव ने कहा कि किसी चीज की अति बहुत खराब होती है। दूध पीने से शरीर अच्छा रहता है। लेकिन वही दूध ज्यादा हो जाए तो वह फायदेमंद नहीं होता है। लालच बहुत बुरी बला होती हैं। लालच की पूर्ति कभी संभव नहीं होती है। लालच जीवन को बर्बाद कर देता है। मानव जीवन को सुंदर बनाने के लिए लालच और कषाय को खत्म करना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही मानव भव मोक्ष मार्ग को प्राप्त कर सकता है। सभा का संचालन महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने किया।

ब्रह्म मुहूर्त में उठना हमारे जीवन के लिए बहुत लाभकारी: साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि रात्रि के अंतिम प्रहर को ब्रह्म मुहूर्त कहते हैं। हमारे ऋषि मुनियों ने इस मुहूर्त का विशेष महत्व बताया है। उनके अनुसार यह समय निद्रा त्याग के लिए सर्वोत्तम है। ब्रह्म मुहूर्त में उठने से सौंदर्य, बल, विद्या, बुद्धि और स्वास्थ्य की प्राप्ति होती है। सूर्योदय से चार घड़ी (लगभग डेढ़ घण्टे) पूर्व ब्रह्म मुहूर्त में ही जग जाना चाहिये। इस समय सोना शास्त्र निषिद्ध है। ब्रह्म का मतलब परम तत्व या परमात्मा। मुहूर्त यानी अनुकूल समय। रात्रि का अंतिम प्रहर अर्थात प्रात: 4 से 5.30 बजे का समय ब्रह्म मुहूर्त कहा गया है।

अमृत वेला, जिसके द्वारा इस समय का महत्व स्वयं ही साबित हो जाता है। ईश्वर भक्ति के लिए यह महत्व स्वयं ही साबित हो जाता है। ईश्वर भक्ति के लिए यह सर्वश्रेष्ठ समय है। इस समय उठने से मनुष्य को सौंदर्य, लक्ष्मी, बुद्धि, स्वास्थ्य आदि की प्राप्ति होती है। उसका मन शांत और तन पवित्र होता है। ब्रह्म मुहूर्त में उठना हमारे जीवन के लिए बहुत लाभकारी है।

इससे हमारा शरीर स्वस्थ होता है और दिनभर स्फूर्ति बनी रहती है। स्वस्थ रहने और सफल होने का यह ऐसा फार्मूला है जिसमें खर्च कुछ नहीं होता। केवल आलस्य छोड़ने की जरूरत है। ब्रह्म मुहूर्त और प्रकृति का गहरा नाता है। इस समय में पशु-पक्षी जाग जाते हैं। उनका मधुर कलरव शुरू हो जाता है।

कमल का फूल भी खिल उठता है। मुर्गे बांग देने लगते हैं। एक तरह से प्रकृति भी ब्रह्म मुहूर्त में चैतन्य हो जाती है। यह प्रतीक है उठने, जागने का। प्रकृति हमें संदेश देती है ब्रह्म मुहूर्त में उठने के लिए। इसलिए मिलती है सफलता व समृद्धि आयुर्वेद के अनुसार ब्रह्म मुहूर्त में उठकर टहलने से शरीर में संजीवनी शक्ति का संचार होता है। यही कारण है कि इस समय बहने वाली वायु को अमृततुल्य कहा गया है। इसके अलावा यह समय अध्ययन के लिए भी सर्वोत्तम बताया गया है क्योंकि रात को आराम करने के बाद सुबह जब हम उठते हैं तो शरीर तथा मस्तिष्क में भी स्फूर्ति व ताजगी बनी रहती है। प्रमुख मंदिरों के पट भी ब्रह्म मुहूर्त में खोल दिए जाते हैं। धार्मिक, पौराणिक व व्यावहारिक पहलुओं और लाभ को जानकर हर रोज इस शुभ घड़ी में जागना शुरू करें तो बेहतर नतीजे मिलेंगे।

अंबालाल शाह ने बताया कि साध्वीवृंद के दर्शनार्थ चैन्नई से सुमन कुमार, समता, श्रेणिक कुमार, मोतीलाल सकलेचा परिवार सहित और बेंगलूरु से नरेन्द्र कुमार भंडारी, कमलाबाई भंडारी पधारे। संघ की ओर से सभी का बहुमान किया गया। राजु भंडारी ने बताया कि 13 अक्टूबर को सौभाग्य एकासणा का सामूहिक आयोजन आयोजित किया गया है।

गौरांग बोरो को राष्ट्रीय रेलवे हिंदी प्रतियोगिता में मिला उत्कृष्टता प्रमाण पत्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलूरु मंडल के रेलवे सुरक्षा बल निरीक्षक गौरांग बोरो को रेलवे बोर्ड द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय हिंदी भाषण प्रतियोगिता में उत्कृष्टता प्रमाण पत्र और नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 7 से 9 अक्टूबर तक उत्तर प्रदेश के रायबरेली स्थित आधुनिक रेल कोच फैक्टरी में आयोजित की गई थी। यह पुरस्कार 9 अक्टूबर को आधुनिक रेल कोच फैक्टरी के महाप्रबंधक द्वारा प्रदान किया गया।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** श्री अन्नम्मा देवी युवक संघ कमला नगर द्वारा आयोजित अन्नम्मा देवी उत्सव कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की। उन्होंने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा माता-पिता की आज्ञा का पालन करें एवं अच्छाई के रास्ते पर चलें। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।*

फिलहाल कैबिनेट में कोई बदलाव नहीं सत्ता हस्तांतरण नहीं: डी.के. शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि फिलहाल कैबिनेट फेरबदल या सत्ता के बंटवारे पर कोई चर्चा नहीं हो रही है। कुछ लोग बहुत ज्यादा जल्दबाजी में हैं। ऐसे लोग बेवजह अफवाहें फैला रहे हैं। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि ग्रेटर बेंगलूरु, जिला पंचायत और तालुक पंचायत के चुनाव नजदीक आ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों को इसकी तैयारियों के बारे में निर्देश देने के लिए एक भोज का आयोजन किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसके अलावा और कुछ नहीं है। फिलहाल, कैबिनेट फेरबदल या सत्ता हस्तांतरण की कोई संभावना नहीं है। लालबाग में नागरिकों से

बात करते हुए, कुछ लोगों ने कहा कि डी.के. शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनना चाहिए। मैंने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। मैंने उन्हें राजनीति पर बात न करने की हिदायत दी है। उन्होंने इस बात पर नाराजगी जताई कि जब मैं यहाँ लोगों से बात कर रहा था, तब मेरे बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया और गलत तरीके से प्रसारित किया गया। मैंने यह नहीं कहा कि मुख्यमंत्री बनने का समय नजदीक है, कुछ मीडिया खबरों को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहे हैं और विवाद पैदा कर रहे हैं। जब मैं जनता से मिलने आया, तो कुछ लोगों ने मुझसे पूछा कि क्या मुझे मुख्यमंत्री बनना चाहिए और क्या वह समय निकट आ रहा है। लेकिन कुछ मीडिया संस्थान इस बात को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहे हैं कि मैंने खुद कहा था कि मुख्यमंत्री बनने का समय निकट आ रहा है।

उन्होंने चेतावनी दी कि इस तरह से खबरों को तोड़-मरोड़ कर पेश न किया जाए। मुझे मुख्यमंत्री पद संभालने की कोई जल्दी नहीं है। मैं यहाँ जनता की सेवा करने आया हूँ। राजनीति करने नहीं। मैं दिन-रात जनता की सेवा में लगा हूँ। अगर आप इस तरह से खबरों को तोड़-मरोड़ कर पेश करेंगे, तो मैं आपका साथ नहीं दूँगा। मैं आपको कार्यक्रमों में नहीं बुलाऊँगा और न ही मीडिया कॉन्फ्रेंस आयोजित करूँगा।

मैंने यह बयान कहाँ दिया? मीडिया को राजनीति नहीं करनी चाहिए। मैंने ऐसा नहीं कहा, मुझे इसकी जरूरत नहीं है। मुझे अपना लक्ष्य पता है। ईश्वर ने मुझे अवसर दिया है, मुझे पता है कि वह मुझे कब मुख्यमंत्री बनने का अवसर देंगे।

अगर मीडिया इसी तरह गलत जानकारी देता रहा, तो मुझे पता है कि मैं मीडिया छोड़कर राजनीति करूँगा। मैं राज्य के लोगों की सेवा करने और बेंगलूरु के नागरिकों को सुशासन प्रदान करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा हूँ। लेकिन कुछ मीडिया संस्थान अपना अच्छा काम छोड़कर विवाद पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। इसी तरह, अगर मेरे बारे में झूठी खबरें फैलाई गईं और गुमराह करने की कोशिश की गई, तो मुझे मानहानि का मुकदमा दायर करना पड़ेगा।

नितिन गडकरी दिसंबर में बनेंगे प्रधानमंत्री: संतोष लाड

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्रम मंत्री संतोष लाड ने एक विस्फोटक बयान दिया है कि दिसंबर में राजनीतिक क्रांति होगी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बदलेंगे और नितिन गडकरी नए प्रधानमंत्री बनेंगे। उन्होंने क्राइस्ट यूनिवर्सिटी की एसोसिएट डीन असिस्टेंट डॉ. स्वप्ना एस. की अध्यक्षता में गठित मासिक धर्म नीति समिति के सदस्यों से चर्चा और उन्हें बधाई देने के बाद पत्रकारों से बात की। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री ने मंत्रियों को डिनर पार्टी में आमंत्रित किया है, यह कोई खास बात नहीं है। हमारे राज्य में नवंबर क्रांति जैसी कोई चीज नहीं होती। लेकिन उन्होंने कहा कि नितिन गडकरी केंद्र में प्रधानमंत्री बनेंगे। मैं भाजपा के अंदरूनी विमर्श की बात कर रहा हूँ। ऐसा माहौल है जहाँ न तो भाजपा नेताओं और न

ही मीडिया को मोदी के खिलाफ बोलने की इजाजत है। इसलिए उन्होंने कहा कि दिसंबर तक बदलाव होगा। प्रधानमंत्री अपने पद की जिम्मेदारी भूल रहे हैं। जब वह विदेश जाते हैं, तो एक बात कहते हैं। जब वह विधानसभा चुनाव प्रचार करने जाते हैं, तो अलग बोलते हैं। क्या यही प्रधानमंत्री का काम है? उन्होंने चेतावनी दी कि अगर राज्य सरकार द्वारा बनाई गई मासिक धर्म अवकाश नीति के कारण निजी कंपनियां महिला कर्मचारियों को प्रवेश से वंचित करती हैं, तो सरकार हस्तक्षेप करेगी। यह एक प्रगतिशील विधेयक है। सभी ने इसका स्वागत किया है। अभी तक किसी ने कोई आपत्ति नहीं जताई है। उन्होंने कहा कि जब ऐसी स्थिति आएगी तो हम इसकी समीक्षा करेंगे।

हसनम्बा में दर्शन के लिए उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

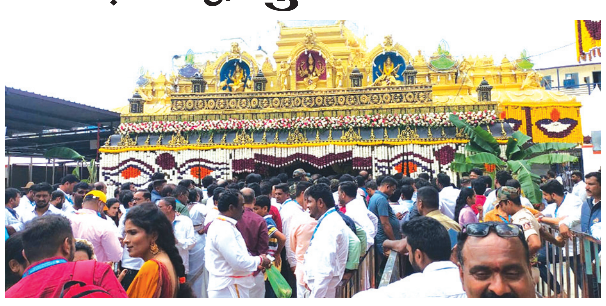

पहले दिन 50 लाख हुए एकत्रित

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो। हसनम्बा देवी के सार्वजनिक दर्शन के दूसरे दिन शनिवार को भारी भीड़ देखी गई। देवी के दर्शन के लिए भक्त सुबह 4 बजे से ही कतारों में खड़े हो गए थे। वीआईपी और वीवीआईपी पास न होने के कारण, बोर्ड पास और शिष्टाचार के लिए समय निर्धारित होने के कारण भक्तों को देवी के दर्शन जल्दी मिल रहे हैं।

जिला प्रभारी मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए मौके पर डेरा डालकर स्थिति पर नजर रख रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को जनता को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश भी दिए हैं। बारिश में भी वे मंदिर के पास खड़े रहे और व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने श्रद्धालुओं को बिना किसी परेशानी के देवी के दर्शन करने की अनुमति दी।

चूंकि शनिवार और रविवार है, इसलिए मंदिर में अपेक्षा से अधिक लोग आ रहे हैं, इसलिए उन्होंने श्रद्धालुओं को निर्देश दिए हैं कि वे कहीं भी कोई गलती न करें। शहर की अधिष्ठात्री देवी हसनम्बा देवी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ रहा है और एक ही दिन में 50 लाख रुपये एकत्रित हो गए हैं। राज्य और बाहरी राज्यों से भक्तगण वर्ष में एक बार देवी के दर्शन के लिए आते हैं, चाहे बारिश हो, हवा हो या ठंड, सार्वजनिक दर्शन के पहले दिन टिकट और लड्डू की बिक्री से 50 लाख रुपये एकत्रित हुए हैं।

रिश्तेदार के घर से सोने-चाँदी के गहने चुराने वाला गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। हेब्बागोडी पुलिस ने एक ऐसे युवक को गिरफ्तार किया है जिसने अपनी प्रेमिका को पैसे और गहने देने के लिए अपने रिश्तेदार के घर से 52.71 लाख रुपये के सोने-चाँदी के गहने चुराकर नाटक रचा था। गिरफ्तार आरोपी गट्टीहल्ली निवासी श्रेयस (22) है।

वह एक चिकन की दुकान में काम करता था। श्रेयस अक्सर अपने गाँव के हरीश नाम के एक रिश्तेदार के घर आता-जाता रहता था। पिछले महीने की 14 तारीख को हरीश की माँ घर का ताला लगाकर अगली गली में रहने वाले एक रिश्तेदार के घर चली गईं। उसी मौके पर घर आए श्रेयस ने ताला तोड़कर 3.46 लाख रुपये नकद और 416 ग्राम सोना चुरा लिया। उसने चोरी के कुछ गहने अपनी प्रेमिका, जो बन्नेरघट्टा में रहती है, को दे दिए और बाकी गहने परप्पना अग्रहारा स्थित मुथूट फाइनेंस में जमा कर दिए। उसने यह नकदी सूर्या सिटी स्थित अपने बैंक खाते में जमा कर दी थी।

बाद में, हरीश ने पुलिस में शिकायत की कि किसी ने हार चुरा लिया है और तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी जाए। मौके पर पहुँची पुलिस ने मामला दर्ज कर जाँच की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।

अंततः तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर श्रेयस को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। चोरी का मामला प्रकाश में आया। बाद में, पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया और रिश्तेदार के घर से चुराए गए पैसे और गहने बरामद करने में सफल रही। इसी प्रकार हेब्बागोडी पुलिस स्टेशन ने एक हार चोर को गिरफ्तार किया है जो झील के पास टहल रही एक महिला का हार छीनकर भाग गया था। उसके पास से 9 लाख रुपये मूल्य का 86 ग्राम वजन का हार बरामद किया गया है। गोल्लहल्ली निवासी नितिन गिरफ्तार आरोपी है। उसने 12 सितंबर को एक अपार्टमेंट में रहने वाली एक महिला के गले से हार छीन लिया था, जब वह मारुगोंडनहल्ली में झील के पास टहल रही थी। इस संबंध में हेब्बागोडी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने विभिन्न कोणों से जाँच करते हुए, मुखबिर से ठोस जानकारी एकत्र की और आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ करने पर उसने हार चोरी करना कबूल किया।

1.3 करोड़ श्रमिकों के लिए 15 लाख रुपये के स्वास्थ्य कवर के लिए 1 रुपये ईंधन उपकर का प्रस्ताव

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के श्रम मंत्री संतोष लाड ने घोषणा की है कि वह मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से पेट्रोल और डीजल पर 1 रुपये प्रति लीटर का उपकर लगाने का आग्रह करेंगे, जिसका उद्देश्य असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए एक समर्पित स्वास्थ्य देखभाल कोष बनाना है। सभी दलों के विधायकों से इस पहल का समर्थन करने की अपील करते हुए लाड ने कहा कि प्रस्तावित ईंधन उपकर से श्रम विभाग को सालाना लगभग 2,500 करोड़ रुपये का राजस्व मिल सकता है। लाड ने कहा इससे हमें एक स्वास्थ्य कार्ड जारी करने में मदद मिलेगी जो 1.3 करोड़ श्रमिकों और उनके परिवारों के लिए 15 लाख रुपये तक के अस्पताल के बिल को कवर करेगा। इस पहल को संगठित क्षेत्र से बाहर के लोगों के लिए देश में अपनी तरह की पहली योजना बताते हुए उन्होंने बताया कि पिछली सरकारें कार्यबल के इस वर्ग को पर्याप्त स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करने में विफल रही हैं। उन्होंने कहा कि यदि मंजूरी मिल जाती है, तो स्वास्थ्य कार्ड योजना अगले तीन से चार महीनों के भीतर शुरू की जा सकती है।

लाड ने असंगठित श्रमिकों के बीच आकस्मिक मृत्यु के लिए मुआवजे के मानदंडों को संशोधित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया, यह देखते हुए कि 1 लाख रुपये की मौजूदा राहत राशि अल्प है और इसमें तत्काल सुधार की आवश्यकता है। गिग इकॉनमी श्रमिकों के कल्याण पर बोलते हुए, लाड ने कहा कि राज्य ने पहले ही कर्नाटक प्लेटफॉर्म-आधारित गिग वर्कर्स (सामाजिक सुरक्षा और कल्याण) विधेयक पारित कर दिया है, और वर्तमान में इसके कार्यान्वयन के लिए नियम बनाने की प्रक्रिया में है। उन्होंने कहा एक बार अधिसूचित होने के बाद, सरकार गिग श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा लाभों को वित्तपोषित करने के लिए 1-2 प्रतिशत प्लेटफॉर्म-लेन-देन शुल्क एकत्र करेगी। इसके अतिरिक्त, लाड ने कर्नाटक सिने और सांस्कृतिक कार्यकर्ता (कल्याण) अधिनियम, 2024 के हालिया पारित होने पर प्रकाश डाला, जो मेकअप कलाकारों, स्टंट कलाकारों, दैनिक वेतन भोगी और स्पॉट बॉय सहित फिल्म और सांस्कृतिक क्षेत्रों में काम करने वालों के लिए कल्याण कवरेज का विस्तार करना चाहता है।

बिहार नतीजों के बाद कैबिनेट फेरबदल पर होगी चर्चा: मंत्री

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो। कृषि मंत्री चेलुवरायस्वामी ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे 14 नवंबर को घोषित किए जाएँगे, जिसके बाद मुख्यमंत्री और पार्टी मंत्रिमंडल फेरबदल पर चर्चा कर इस पर फैसला लेंगे। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि 138 कांग्रेस विधायक मंत्री बनने की ख्वाहिश रखते हैं। लेकिन केवल 34 को ही मौका मिला है। पंचायतों में 10 महीने में सत्ता बदल जाती है, तो क्या ढाई साल बाद सरकार बदलने की माँग करना गलत है? मंत्रिमंडल फेरबदल के दौरान 34 लोगों में से किसे हटाया जाएगा, यह अभी तय नहीं है। 10 लोगों को हटाया जाएगा या 33 लोगों को, यह

पार्टी का मामला है। उन्होंने कहा कि फिलहाल ऐसा कोई मुद्दा नहीं है। जिलों में मंत्रियों द्वारा किस तरह के विकास कार्य किए जा रहे हैं? मंत्रियों के लिए एक रात्रिभोज का आयोजन किया गया है ताकि जिला प्रभारी मंत्री के रूप में उनके द्वारा निभाई जा रही जिम्मेदारियों पर चर्चा की जा सके। इसे अलग तरह से पेश नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि निवर्तमान मंत्री को रात्रिभोज में खुश किया जाएगा, जो कि महज एक अफवाह है। इस मानसून में हुई बारिश से काफी नुकसान हुआ है। कावेरी नदी बेसिन में कृषि और बागवानी को भी नुकसान हुआ है। बारिश रुकने के बाद, संयुक्त सर्वेक्षण के माध्यम से मुआवजे की एक निश्चित राशि निर्धारित की जाएगी और तत्काल मुआवजा दिया जाएगा। पहले शुष्क खेती के लिए 8,500 रुपये और सिंचाई के लिए 22,500 रुपये प्रति हेक्टेयर मुआवजा दिया जाता था, जिसे बढ़ा दिया गया है। किसानों से बातचीत के बाद, उनकी मांग के अनुसार, शुष्क खेती के लिए 17,000 रुपये, सिंचाई के लिए 21,500 रुपये और बहु-मॉडल मूल्य के लिए 31,000 रुपये का मुआवजा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक महीने के भीतर किसानों के खातों में मुआवजा राशि का भुगतान कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कृषि मूल्य बीमा मुआवजा भी प्रदान किया जाएगा।

सिद्धरामैया, आपने बिहार चुनाव में कितने करोड़ दिए: आर. अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने सरकार से सवाल किया है कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने बिहार चुनाव में कितने करोड़ रुपये राहुल गांधी को दान करने का वादा किया है। इस संबंध में एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने पूछा क्या हमें और सबूत चाहिए कि राज्य की कांग्रेस सरकार लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की एटीएम सरकार है?

कांग्रेस विधायक वीरेंद्र पप्पी ने पैसा देने की पेशकश की है। बिहार चुनाव के लिए आलाकमान को 300 करोड़ रुपये दिए जा रहे हैं, तो सोचिए कि सीएम, डीसीएम और मंत्री अपनी कुर्सी बचाने के लिए और किन तरीकों से आलाकमान को रिश्वत दे रहे हैं।

एक तरफ, वे कैसीनो, जुआ, सट्टा खिलाते हैं और गरीबों के घर बर्बाद करते हैं और किनारे पर बैठकर पैसा कमाते हैं। वे उस पैसे से टिकट लेते हैं, चुनाव लड़ते हैं, आलाकमान को रिश्वत देते हैं और मंत्री पद हासिल करते हैं। फिर वे मंत्री पदों का इस्तेमाल और लूटने के लिए करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि कर्नाटक में कांग्रेस सरकार ने यही दुष्चक्र रचा है। तेलंगाना चुनाव और लोकसभा चुनाव के लिए हजारों करोड़ रुपये लूटे गए हैं, जिसमें वाल्मीकि निगम का पैसा भी शामिल है। अब,

मुझे नहीं पता कि बिहार चुनाव में कन्नड़ लोगों के टैक्स का और कितना पैसा लूटा जाएगा। क्या इस तरह के पैसे से चुनाव कराने वाले कांग्रेस नेताओं में चुनाव प्रक्रिया और चुनाव आयोग के बारे में बात करने की कोई नैतिकता है? उन्हें शर्म आनी चाहिए। एक अन्य पोस्ट में, अशोक ने बिगड़ती कानून-व्यवस्था की भी आलोचना की और कहा सुरक्षा कहाँ है? कर्नाटक को गुंडा राज्य बनाने वाले गृह मंत्री परमेश्वर ने कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगाड़ दी है और गुंडों को सत्ता सौंप दी है। बेंगलूरु जैसी राजधानी में महिलाओं पर हमले, बलात्कार और दुर्व्यवहार हो रहे हैं, लेकिन बिना कोई कार्रवाई किए गुंडों को संरक्षण देने के कांग्रेस सरकार के रवैये से गली के बच्चे भड़क रहे हैं और महिलाओं पर हमला कर रहे हैं। उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सिलिकॉन सिटी को अपराध नगरी में बदलने वाली कांग्रेस सरकार बेंगलूरु की छवि खराब कर रही है।

बस की चपेट में आकर छात्रा की मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। महालक्ष्मी लेआउट के पहले सिग्नल के पास शनिवार को एक बीएमटीसी बस की चपेट में आने से चौथी कक्षा की एक छात्रा की मौत हो गई। मृतक भुवना (9) बोविपल्या निवासी है। पंचजन्य स्कूल की चौथी कक्षा की छात्रा स्कूल से छुट्टी होने के बाद घर लौट रही थी, तभी दोपहर लगभग 12.20 बजे पहले सिग्नल के पास

बीएमटीसी बस ने उसे टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल लड़की को स्थानीय लोगों ने संभाला और बाद में उसे पास के पोर्टिस अस्पताल ले जाया गया। हालाँकि, सिर में गंभीर चोटों के कारण उसकी मौत हो गई। घटना के बाद, बीएमटीसी चालक वाहन छोड़कर भाग गया। स्थानीय लोगों ने घटना को देखकर आक्रोश व्यक्त किया। उसके साथ मौजूद उसकी कुछ सहपाठियों की यह दृश्य देखकर आँखों में आँसू आ गए। खबर मिलने पर, मल्लेश्वरम यातायात पुलिस मौके पर पहुँची, घटनास्थल का निरीक्षण किया, मामला दर्ज किया और आगे की जाँच शुरू की।

हसनम्बा जात्रा महोत्सव के लिए केएसआरटीसी का विशेष बस टूर पैकेज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। हसनम्बा जात्रा महोत्सव के लिए श्रद्धालुओं और पर्यटकों को पर्यटन स्थलों से परिचित कराने के लिए, कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) ने बेंगलूरु और मैसूरु सहित विभिन्न स्थानों से एक टूर पैकेज की व्यवस्था की है। यह टूर पैकेज वोल्वो, अश्वमेध और कर्नाटक परिवहन द्वारा तैयार किया गया है और यह सुविधा 22 अक्टूबर तक उपलब्ध रहेगी।

बेंगलूरु से, वोल्वो बस द्वारा हासन पहुँचकर हसनम्बादेवी, सिद्धेश्वर मंदिर, देवीगेरे कल्याणी, केंचम्मा होसकोटे मंदिर के दर्शन किए जा सकते हैं। कुल 470 किलोमीटर की यात्रा के बाद, बस सुबह 6 बजे केम्पेगौड़ा बस स्टैंड पहुंचेगी। वयस्कों (हसनम्बादेवी के 1000 रुपये के टिकट दर्शन सुविधा सहित) के लिए 2500 रुपये, बच्चों के लिए 1000 रुपये के टिकट दर्शन सुविधा सहित 2200 रुपये की कीमत तय कर दी गई है। अश्वमेध बस, जो अब इसी मार्ग पर चलेगी, का किराया 200 रुपये होगा। सार्वजनिक परिवहन बस से, आप हासन और अलूर होते हुए हसनम्बा मंदिर, सिद्धेश्वर मंदिर, देवीगेरे कल्याणी, केंचम्मा होसकोटे मंदिर जा सकते हैं, जिसकी कुल यात्रा 90 किलोमीटर है। जिले के पर्यटन स्थलों जैसे बेलूर चन्नकेश मंदिर, यागाचा जलाशय, पुष्पगिरि, होयसलेश्वर मंदिर, श्रवणबेलगोला, विंध्यगिरि पहाड़ी, चंद्रगिरि पहाड़ी, मालेकल्लू तिरुपति, जेनुकल्लु सिद्धेश्वर, हेमवती जलाशय, गोरूर जलाशय और अन्य पर्यटन स्थलों के लिए बस सुविधा प्रदान की गई है। यात्री 7760990518, 7760990519, 7760990523 पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा संगठन की वेबसाइट के माध्यम से भी जानकारी प्राप्त कर की जा सकती है।

शिवकुमार ने लालबाग पार्क का दौरा किया और जनता की समस्याएं सुनीं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सुरंग सड़क से लालबाग और कब्बन पार्क सहित महत्वपूर्ण पार्कों को नुकसान पहुँचने की आपत्ति के मद्देनजर, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, जो बेंगलूरु के शहरी विकास मंत्री भी हैं, ने शनिवार को जनता से बातचीत की।

शिवकुमार, जो सुबह लालबाग पार्क गए थे, ने वहाँ झील में सैर-सपाटे में भाग लिया। पार्क में घूमने वाले लोग डी.के. शिवकुमार के साथ शामिल हुए। इस अवसर पर, उपमुख्यमंत्री ने कई लोगों से चर्चा की और स्थानीय समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर कुछ लोगों ने डी.के. शिवकुमार को एक निवेदन सौंपा। उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों से उन पर विचार करने को कहा। इस अवसर पर कुछ महिलाओं ने डी.के. शिवकुमार के कार्यों की सराहना की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि बेंगलूरु के लिए अच्छी चीजें होंगी। सॉफ्टवेयर इंजीनियर

यशस्विनी अपनी सास और पति के साथ सैर पर निकलीं। इस दौरान, उन्होंने डी.के. शिवकुमार से बातचीत भी की।

उन्होंने कहा कि वह एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं और हर दिन दक्षिण बेंगलूरु से उत्तर बेंगलूरु आते-जाते हैं। व्यस्त समय में, प्रत्येक सिग्नल पर 25 से 30 मिनट का समय बर्बाद होता है। इसे ठीक किया जाए। उन्होंने बसों और मेट्रो जैसी सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में सुधार की अपील की। कुछ अन्य लोगों ने डी.के. शिवकुमार से मुलाकात की और उन्हें बताया कि सुरंग मार्ग के लिए लालबाग की 6 एकड़ जमीन ली जा रही है। उन्होंने उनसे लालबाग की एक इंच भी जमीन न लेने का अनुरोध किया।

डी.के. शिवकुमार ने इस मुद्दे को उठाने का वादा किया। इस बीच, मौजूद पूर्व बीबीएमपी सदस्य उदय कुमार ने कहा कि सुरंग मार्ग लालबाग तक कभी नहीं आएगा और इस बारे में अनावश्यक प्रचार किया जा रहा है। अधिकारियों ने लालबाग झील के किनारे अपशिष्ट उपचार संयंत्र के बढ़ते बिजली बिल के बारे में बताया। डी.के. शिवकुमार को देखकर जनता रोमांचित हो गई। कई लोगों ने डी.के. शिवकुमार के साथ तस्वीरें और सेल्फी लीं। डी.के. शिवकुमार ने खुद अपना मोबाइल फोन निकाला और उनमें से कुछ के साथ सेल्फी ली। कुछ महिलाओं ने शिकायत की कि लालबाग में 270 से ज्यादा कुत्ते हैं। जिसके बाद शिवकुमार ने कहा हम कुत्तों को मार नहीं सकते, पशु कल्याण संघ की ओर से हंगामा हो रहा है। डी.के. शिवकुमार ने लाचारी जताते हुए कहा कि उन्हें पकड़कर जंगल में छोड़ने पर विचार किया जाएगा। एक महिला ने कचरा निपटान में आ रही समस्याओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि हम जैसी कामकाजी महिलाओं को कचरा निपटान में समस्या आ रही है। जब कचरा उठाने वाले आते हैं तो हम वहाँ नहीं होते। हम काम पर गए हैं। जिसके बाद शिवकुमार ने कहा इस समस्या से बचने के लिए, हम कचरा डालने के लिए एक सामान्य जगह की पहचान करेंगे। सुझाव देने वाले सभी लोगों के नाम और मोबाइल नंबर एकत्र किए गए। डी.के. शिवकुमार ने कहा कि हम अच्छी सलाह देने वालों से दोबारा संपर्क करेंगे और अधिक जानकारी प्राप्त करेंगे। विधायक रिजवान हर्षद, वरिष्ठ अधिकारी तुषार गिरिनाथ, जीबीए के मुख्य आयुक्त महेश राव और अन्य उपस्थित थे।

सरकार ने कंबाला को ग्रामीण खेल के रूप में आधिकारिक राज्य मान्यता प्रदान की

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

परंपरा और आधुनिक शासन व्यवस्था के समन्वय से एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए, कर्नाटक सरकार ने तटीय क्षेत्र की सदियों पुरानी भैंसा दौड़, कम्बाला को आधिकारिक तौर पर राज्य द्वारा मान्यता प्राप्त खेल के रूप में मान्यता दे दी है। यह मान्यता कर्नाटक खेल प्राधिकरण के अंतर्गत कर्नाटक राज्य कम्बाला संघ के गठन के साथ आई है, जिससे कम्बाला को राज्य स्तरीय प्रचार के लिए औपचारिक वैधता, संरचना और अवसर प्राप्त हुए हैं। खेल विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस कदम का स्वागत करते हुए कहा यह केवल एक खेल को मान्यता नहीं है, यह हमारे सांस्कृतिक गौरव का प्रमाण है। इस कदम से स्थानीय भागीदारी को बढ़ावा मिलने और तुलुनाडु के कृषि प्रधान अतीत में गहराई से निहित विरासत को संरक्षित करने की उम्मीद है। संघ को तीन साल की अवधि के लिए या अगले आदेश तक आधिकारिक दर्जा दिया गया है। सरकारी दिशानिर्देशों के अनुसार,

संघ को हर साल 30 जून तक कई अनिवार्य दस्तावेज जमा करने होते हैं। इनमें एक विस्तृत प्रशासनिक गतिविधि रिपोर्ट, लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण, वार्षिक आम और कार्यकारी समिति की बैठकों के रिकॉर्ड और कार्यक्रमों का कैलेंडर शामिल हैं। इसके अलावा, अनुपालन बनाए रखने के लिए कर्नाटक सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1960 के तहत एक नवीनीकृत प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा। नए मान्यता प्राप्त निकाय की उद्घाटन बैठक 15 अक्टूबर को बेंगलूरु में युवा सशक्तिकरण एवं खेल विभाग के प्रमुख सचिव की अध्यक्षता में होगी। इस बैठक का मुख्य एजेंडा संघ के मसौदा उपनियमों को मंजूरी देना है, जो राज्य भर में कम्बाला के आयोजन और विनियमन की नींव रखेगा। संघ के एक करीबी सूत्र ने बताया यह औपचारिक ढाँचा हमें कम्बाला को स्थानीय मैदानों से आगे बढ़ाकर कर्नाटक के खेल कैलेंडर की मुख्यधारा में लाने का अवसर प्रदान करता है। सूत्र ने आगे कहा यह बेहतर बुनियादी ढाँचे, प्रशिक्षण और संभवतः राष्ट्रीय ध्यान के द्वार खोलता है। इसकी अगुवाई बेलापु देवीप्रसाद शेट्टी कर रहे हैं, जिन्हें कर्नाटक राज्य कम्बाला संघ का पहला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

डीके सांसद कैप्टन बृजेश चौटा ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत का प्रतिनिधित्व किया

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण कन्नड़ (डीके) सांसद कैप्टन बृजेश चौटा अमेरिका के न्यूयॉर्क में चल रहे संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 80वें सत्र में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इस वैश्विक मंच पर बोलते हुए, उन्होंने सतत विकास के प्रति भारत की प्रगति और प्रतिबद्धता की ओर ध्यान आकर्षित किया। पीपी चौधरी के नेतृत्व में भारतीय प्रतिनिधिमंडल में विभिन्न राजनीतिक दलों के सांसद शामिल हैं और यह प्रतिनिधिमंडल 8 से 14 अक्टूबर तक न्यूयॉर्क में आयोजित यूएनजीए सत्र में भाग ले रहा है। कर्नाटक का प्रतिनिधित्व करते हुए, चौटा इस प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं। सत्र के दौरान, चौटा ने '2030 तक पाँच वर्ष - सतत विकास के लिए बहुपक्षीय

समाधान' विषय पर भारत की राष्ट्रीय स्थिति प्रस्तुत की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने के लिए मजबूत बहुपक्षीय सहयोग और स्थिर संसाधन ढाँचे की आवश्यकता है।

उन्होंने आगे कहा कि भारत कम विकसित और स्थलरुद्ध विकासशील देशों को अपना समर्थन देना जारी रखेगा, साथ ही दक्षिण-दक्षिण सहयोग को बढ़ावा देकर वैश्विक साझेदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

आईटी पार्क तटीय विकास के लिए क्रांतिकारी बदलाव साबित होगा: मंत्री दिनेश गुंडू राव

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण कन्नड़ जिले के प्रभारी मंत्री दिनेश गुंडू राव ने घोषणा की कि आगामी मेंगलूरु आईटी पार्क तटीय क्षेत्र में पर्यटन और विकास को बढ़ावा देने में एक क्रांतिकारी बदलाव साबित होगा। शुक्रवार को मुडा (मेंगलूरु शहरी विकास प्राधिकरण) और मेंगलूरु नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए, मंत्री ने कहा कि पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सोमेश्वर से शशिहित्लु तक 24 मीटर चौड़ी तटीय सड़क विकसित करने के लिए एक मास्टर प्लान तैयार किया गया है। पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए इस सड़क को समुद्र तट और जलमार्ग के रूप में विकसित किया जाएगा। मास्टर प्लान में शामिल होने के बाद, यह पर्यटन को महत्वपूर्ण बढ़ावा देगा।

कनेक्टिविटी में सुधार और शहरी पहुँच का विस्तार करने के लिए कन्नूर क्षेत्र में एक और जलमार्ग सड़क का भी प्रस्ताव रखा गया है। अगले दो महीनों के भीतर जनता की आपत्तियों की समीक्षा के बाद योजना को आगे बढ़ाया जाएगा। मंत्री ने आगे बताया कि मुडा के अधिकार क्षेत्र में कोनाजे, कुंजथबैल और चेल्यारु में आवासीय लेआउट विकसित किए जा रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को कोनाजे परियोजना को नवंबर तक पूरा करने का निर्देश दिया, क्योंकि अभी तक केवल 20 प्रतिशत प्लॉट ही बुक हुए हैं। परियोजना पूरी होने के बाद, चेल्यारू जैसे अन्य लेआउट को पूरा करने के लिए धन जुटाने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि भूमि अधिग्रहण की उच्च लागत के कारण कुंजथबैल लेआउट में समस्याएँ बनी हुई हैं। गुंडू राव ने बताया, हमें वित्तीय नुकसान से बचने के लिए एक स्पष्ट निर्णय लेना होगा, क्योंकि परियोजना वर्तमान में अव्यावहारिक प्रतीत होती है। चेल्यारू परियोजना के लिए धन की आवश्यकता है, जो कोनाजे लेआउट के राजस्व से प्राप्त किया जा सकता है। मेंगलूरु नगर निगम की प्रगति के बारे में, मंत्री ने कहा कि बैठक के दौरान केवल प्रारंभिक जानकारी ही उपलब्ध थी, और नवंबर में अनुवर्ती समीक्षा की जाएगी। गुंडू राव ने मुडा अधिकारियों को आवेदनों के निपटान में जनता की सुविधा और दक्षता सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा अधिकारियों को भूमि परिवर्तन, अनापत्ति प्रमाण पत्र और अनुमोदन के आवेदनों का निपटारा निर्धारित समय के भीतर करना चाहिए। नागरिकों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। शहरी नियोजन के तहत कई निरीक्षणों के बजाय, उन्हें एक ही प्रक्रिया में समेकित किया जाना चाहिए। अनुमोदन में देरी करने वाले किसी भी अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि सरकार का ध्यान मेंगलूरु और मैसूरु को प्रमुख पर्यटन और निवेश स्थल बनाने पर है। मंत्री ने कहा मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के नेतृत्व में, कैबिनेट ने पीपीपी मॉडल के तहत 135 करोड़ रुपये के मेंगलूरु आईटी पार्क को मंजूरी दी है। आईटी मंत्री प्रियांक खड़गे द्वारा समर्थित यह प्रमुख पहल एक पारदर्शी और निवेशक-अनुकूल वातावरण तैयार करेगी। वाणिज्यिक स्थान की मांग बढ़ रही है, और यह परियोजना तटीय क्षेत्र के पर्यटन और निवेश परिदृश्य को बदल देगी।

विशेष अभियान के तहत बंगारपेट स्टेशन पर अमृत संवाद आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

देशभर में स्वच्छता के लिए विशेष अभियान चलाया गया है। दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलूरु डिवीजन ने 2 अक्टूबर से इस अभियान को शुरू किया है जो 31 अक्टूबर तक जारी रहेगा। अभियान के हिस्से के रूप में, विभिन्न गतिविधियाँ जैसे गहन स्वच्छता अभियान, श्रमदान, स्वच्छता और स्वच्छता के लिए खानपान स्टालों का निरीक्षण, व्यक्तिगत स्वच्छता के बारे में खानपान कर्मचारियों को जागरूक करना, एकल-उपयोग प्लास्टिक के हानिकारक प्रभावों पर यात्रियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम, जैव-शौचालय का उचित उपयोग, कचरे का पृथक्करण एवं अन्य स्वच्छता संबंधी पहल

संचालित की जा रही है। अभियान के तहत बंगारपेट रेलवे स्टेशन पर अमृत संवाद आयोजित किया गया। मंडल रेल प्रबंधक आशुतोष कुमार सिंह ने यात्रियों को संबोधित किया और उन्हें विभिन्न बुनियादी ढांचे के विकास कार्यों, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशन पुनर्विकास, यात्री सुविधाओं में वृद्धि और जनता की सुविधा के लिए की गई विभिन्न डिजिटल पहलों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने यात्रियों से बातचीत की और रेलवे सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए उनकी प्रतिक्रिया और सुझाव मांगे। इस मौके पर परीक्षित मोहनपुरिया, अपर मंडल रेल प्रबंधक, कृष्ण चैतन्य, वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

125 लोगों ने नि:शुल्क नेत्र शिविर में लिया लाभ

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले के बन्नूर कस्बा स्थित रोटरी स्कूल में कोयम्बत्तूर के अरविंद नेत्र चिकित्सालय के डॉ. साईं तेजा, डॉ. चंद्रावदन, शिविर संयोजक विजयगंथ बी. के सहयोग से समाजसेविका गवरीदेवी, कानसिंह राजपुरोहित की ओर से नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन रखा गया। शिविर में मैसूरु, बेंगलूरु और मांड्या जिलों के आसपास के गाँवों के 125 लोगों ने नेत्र जांच करवाई। चिकित्सकिय परामर्श के बाद

51 लोगों को चिन्हित कर आंखों के ऑपरेशन हेतु अरविंद नेत्र चिकित्सालय भेगा गया। इस अवसर पर समाजसेवी महेंद्रसिंह राजपुरोहित, संतोष कंवर, राजेश सिंह, विराट सिंह, वन्य कंवर, सिद्ध राजू, वडगली गौड़ा, नंजुंड स्वामी, कालप्पा, मूर्ति, सुचित्रा और सुमा आदि लोग उपस्थित रहे।

बेलंदूर में निर्माण स्थल पर दो मजदूरों की मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेलंदूर में एक निर्माणाधीन बहुमंजिला आवासीय इमारत से दो मजदूरों की फिसलकर मौत हो गई। मृतकों की पहचान पश्चिम बंगाल के सोनपुर निवासी आमिर हुसैन (33) और मुमताज अली मोल्ला (28) के रूप में हुई है। दोनों मजदूर पिछले एक महीने से अन्य लोगों के साथ डीएनआर अरिस्टा निर्माण स्थल पर काम कर रहे थे। शिकायत के आधार पर, बेलंदूर पुलिस ने इंपीरियल बिल्ड टेक प्राइवेट लिमिटेड के अधिकारियों और साइट इंजीनियरों के खिलाफ लापरवाही के कारण मौत का मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि कंपनी और अन्य साइट इंजीनियरों ने सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं कराए, जिसके कारण ये दुखद मौतें हुईं। उन्होंने आगे बताया कि वहाँ कोई सुरक्षा जाल नहीं था और दोनों मजदूर बिना किसी सुरक्षा उपकरण के बालकनी में काम कर रहे थे और नियंत्रण खोकर जमीन पर गिर गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

अन्नभाग्य योजना के तहत

अतिरिक्त 10 किलो की जगह 5 किलो चावल, 'इंदिरा खाद्य किट का होगा वितरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य सरकार ने कैबिनेट बैठक में अन्नभाग्य योजना के तहत बीपीएल और अंत्योदय कार्डधारकों को वर्तमान में दिए जा रहे 10 किलो चावल के स्थान पर 5 किलो चावल और अतिरिक्त खाद्यान्न उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। सरकार ने इंदिरा खाद्य किट (इंदिरा - अन्नभाग्य लाभार्थियों के पुनरुद्धार हेतु एकीकृत पोषण एवं खाद्य पहल) शुरू की है। इस योजना के तहत, लाभार्थियों को 10 किलो के स्थान पर 5 किलो चावल मिलेगा और शेष 5 किलो के स्थान पर उन्हें एक इंदिरा खाद्य किट दी जाएगी जिसमें 1-1 किलो तूर दाल, मूंग, चीनी और नमक के साथ-साथ 1 लीटर खाना पकाने का तेल भी होगा। मंत्री एच.के. पाटिल ने कहा कि यह निर्णय अन्नभाग्य चावल वितरण के दुरुपयोग को रोकने के लिए लिया गया है। इस योजना के तहत अतिरिक्त 5 किलोग्राम चावल के वितरण के लिए बजट में आवंटित 6,426 करोड़ रुपये में से अब इंदिरा खाद्य किट उपलब्ध कराने के लिए 6,119.52 करोड़ रुपये पुनः आवंटित किए गए हैं।

सड़क हादसे में युवक की मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के बालागेरे-पनाथुर रोड पर एक निजी स्कूल वैन ने एक 23 वर्षीय व्यक्ति के दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान स्थानीय निवासी चिरंजीवी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, यह घटना तब हुई जब कथित तौर पर तेज रफ्तार से आ रही स्कूल वैन ने चिरंजीवी के दोपहिया वाहन को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे वह सड़क पर गिर गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद वैन एक बिजली के खंभे से टकरा गई। पुलिस अधिकारियों ने पुष्टि की है कि दुर्घटना के समय वैन में कई स्कूली बच्चे सवार थे। हालाँकि, सभी बाल-बाल बच गए।

मलयालम अभिनेता जयकृष्णन और दो अन्य पर दुर्व्यवहार का मामला दर्ज

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केरल के तीन मूल निवासियों, मलयालम अभिनेता जयकृष्णन, संतोष अब्राहम और विमल, के खिलाफ मेंगलूरु में एक मुस्लिम कैब ड्राइवर पर कथित तौर पर सांप्रदायिक और अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में उरवा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस शिकायत के अनुसार, 9 अक्टूबर की रात को, आरोपियों ने उबर और रैपिडो कैप्टन ऐप के जरिए एक कैब बुक की और अपना पिकअप पता बेजई न्यू रोड, मेंगलूरु बताया। शिकायतकर्ता, कैब ड्राइवर अहमद शफीक ने पिकअप स्थान की पुष्टि के लिए ऐप के जरिए उनसे संपर्क किया। बातचीत के दौरान, आरोपियों ने कथित तौर पर हिंदी में बात की और उसका मजाक उड़ाते हुए उसे मुस्लिम चरमपंथी और आतंकवादी कहा। उन्होंने कथित तौर पर हिंदी में 'मुस्लिम आतंकवादी' चिल्लाया और मलयालम में उसकी माँ को निशाना बनाते हुए गालियाँ भी दीं। अहमद शफीक की शिकायत के आधार पर, उरवा पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 352 और 353(2) के तहत अपराध संख्या 103, 2025 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस सूत्रों ने पुष्टि की है कि मलयालम अभिनेता जयकृष्णन और उनके सहयोगियों विमल और संतोष से जुड़ी घटना की जाँच चल रही है, जिन्होंने कथित तौर पर कैब ड्राइवर के खिलाफ सांप्रदायिक गालियाँ दी थीं।

गदग, हावेरी जिले धानधान्य कृषि योजना में शामिल: बोम्मई

हावेरी/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने व्यापक कृषि विकास के लिए प्रधानमंत्री धनधान्य कृषि योजना (पीएमडीडीकेवाई) तैयार की है और इसे देश के 100 जिलों में लागू किया जा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद बसवराज बोम्मई ने हावेरी लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गदग और हावेरी दोनों जिलों को इसमें शामिल करने के लिए मोदी और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को बधाई दी है। इस संबंध में एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत

कृषि उत्पादन में वृद्धि, विभिन्न अनाजों की खेती और व्यापक कृषि विकास, सिंचाई सुविधाएं, किसानों को अल्पकालिक, दीर्घकालिक वित्तीय सहायता और पंचायत एवं ब्लॉक स्तर पर अनाज का फसलोत्तर भंडारण, केंद्रीय कृषि विभाग और कृषि से संबंधित विभागों का एकीकरण और व्यापक कार्यक्रमों को लागू करके केंद्र सरकार जिले को व्यापक कृषि विकास के लिए बड़ी मदद प्रदान करेगी। शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हावेरी जिले के हनुमानमट्टी स्थित कृषि विद्यालय केंद्र में इस परियोजना का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। बोम्मई ने सभी किसान मित्रों से इसमें भाग लेने का अनुरोध किया है।

लोकतंत्र और समानता की भावना का जीवंत उदाहरण है भारत : बिरला

नई दिल्ली/ब्रिजटाउन, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि भारतीय संविधान पिछले 75 वर्षों से देश के लिए पथ-प्रदर्शन का दीपस्तंभ रहा है और इसके कारण भारत ने दुनिया के समक्ष लोकतंत्र और समानता का एक जीवंत उदाहरण प्रस्तुत किया है।

श्री बिरला ने बारबाडोस की राजधानी ब्रिजटाउन में 68वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन की आम सभा में 'राष्ट्रमंडल - एक वैश्विक भागीदार' विषय पर प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए शनिवार को कहा कि लोकतंत्र भारत की आत्मा है, समानता इसका संकल्प है और न्याय इसकी पहचान है।

उन्होंने पीठासीन अधिकारियों को अगले साल जनवरी में भारत में होने वाले राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया और कहा कि राष्ट्रमंडल सांसदों के पीठासीन अधिकारी 7 से 9 जनवरी तक होने वाले सीएसपीओसी में भाग लेने के लिए आयें।

लोकसभा अध्यक्ष ने इस बात पर ज़ोर दिया कि जलवायु परिवर्तन, महामारी, खाद्य अस-ुरक्षा और असमानता जैसे वैश्विक संकट सीमाओं से परे हैं और इनके लिए सामूहिक समाधान की आवश्यकता है। श्री बिरला ने इन चुनौतियों से निपटने के लिए सामूहिक प्रयास करने का आग्रह किया और इस बात पर ज़ोर दिया कि समाधान अलग-थलग रहकर नहीं ढूँढे जा सकते।

श्री बिरला ने विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र और सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में भारत की स्थिति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत पेरिस समझौते के लक्ष्यों को समय से पहले पूरा करने वाला पहला प्रमुख देश बन गया है।

अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन और आपदा रोधी अवसंरचना गठबंधन जैसी पहलों के माध्यम से, भारत ने पृथ्वी के प्रति वैश्विक ज़िम्मेदारी पर ज़ोर दिया है।

लोकसभा अध्यक्ष ने महिला सशक्तीकरण की दिशा में भारत के प्रयासों के बारे में बताते हुए पंचायती राज संस्थाओं और शहरी स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए आरक्षण के प्रावधानों का उल्लेख किया । उन्होंने बताया कि ग्रामीण पंचायती राज संस्थाओं में 31 लाख निर्वाचित प्रतिनिधियों में से 14 लाख से अधिक महिलाएँ हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने नारी शक्ति वंदन अधिनियम का भी उल्लेख किया, जिसके अंतर्गत संसद और विधान सभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण प्रावधान किया गया है, और भारतीय लोकतांत्रिक संस्थाओं में युवाओं और महिलाओं को प्राथमिकता दिए जाने पर ज़ोर दिया।

महिला पत्रकारों को लेकर स्थिति स्पष्ट करें मोदी : प्रियंका

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी की भारत यात्रा के दौरान महिला पत्रकारों को प्रेस कॉन्फ्रेंस से बाहर रखना अत्यंत आपत्तिजनक है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस मामले पर अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री की प्रेस कॉन्फ्रेंस से महिला पत्रकारों को इजाजत नहीं देने को लेकर शुक्रवार को सियासी घमासान मचा रहा और विपक्षी दलों ने इस पर सवाल उठाये कि सरकार ने इसकी इजाजत किस स्थिति में दी। अब विपक्षी दल इस मुद्दे पर सरकार से जवाब मांग रहे हैं।

श्रीमती वाड्रा ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में शनिवार को कहा प्रधानमंत्री जी, कृपया तालिबान के प्रतिनिधि की भारत यात्रा के दौरान आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस से महिला पत्रकारों को बाहर रखने पर अपनी स्थिति स्पष्ट करें।

उन्होंने महिलाओं के अधिकारों को लेकर भी सवाल पूछा और कहा यदि महिलाओं के अधिकारों के प्रति आपकी मान्यता एक चुनाव से दूसरे चुनाव तक अपनी सुविधानुसार दिखावा मात्र नहीं है तो फिर भारत की कुछ सबसे सक्षम महिलाओं का अपमान हमारे देश में कैसे होने दिया गया, जबकि महिलाएं ही इसकी रीढ़ और गौरव हैं।

श्री मुत्तकी की शुक्रवार को यहां हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल होने की महिला पत्रकारों को इज़ाज़त नहीं दी गयी जिसके बाद राजनीति गरमा गई।

दिल्ली सरकार ने 12 साल बाद कारीगरों के लिए पुरस्कार राशि बढ़ाई

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली के उद्योग मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल', आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया के विजन के अनुरूप दिल्ली सरकार ने राज्य हस्तशिल्प पुरस्कार योजना में 12 साल बाद ऐतिहासिक सुधार लागू किया है।

श्री सिरसा ने आज कहा, 12 साल बाद यह सुधार कारीगरों की असली कदर को सबके सामने लायेगा। हमने पुरस्कार राशि तिगुनी की है और नयी श्रेणी जोड़ी हैं, ताकि अधिक से अधिक कारीगर खासकर महिलाएं, युवा और दिव्यांग भाग लें और सम्मानित हों। हमारे कारीगर भारत की आत्मा हैं और यह सम्मान उनके योगदान को समर्पित है। उन्होंने कहा कि पुरस्कार संरचना आख़िरी बार 2013-14 में बदली थी। नई रूपरेखा के तहत राज्य शिल्पकार पुरस्कार 30 हजार से बढ़ाकर एक लाख और राज्य दक्षता पुरस्कार 20 हजार से बढ़ाकर 75 हजार कर दिया गया है। इसके साथ ही पुरस्कारों की संख्या भी बढ़ाई गई है। राज्य शिल्पकार पुरस्कार 6 (एक विशेष रूप से महिलाओं के लिए) और राज्य दक्षता पुरस्कार 18 विभिन्न हस्तशिल्प क्षेत्रों में दिया जाएगा।

वैष्णव ने नई दिल्ली स्टेशन पर भीड़ को नियंत्रित करने की तैयारियों का लिया जायजा

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव दीपावली और छठ के दौरान यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने को लेकर की गयी तैयारियों का जायजा लेने शनिवार को नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचे और अधिकारियों से बात कर स्थिति का आकलन किया।

श्री वैष्णव ने स्टेशन पर होल्डिंग एरिया का निरीक्षण करने के बाद संवाददाताओं से कहा, नयी दिल्ली स्टेशन पर यात्रियों की अचानक भीड़ उमड़ पड़ती है। इसे देखते हुए दो साल पहले एक अस्थायी होल्डिंग एरिया के साथ एक प्रयोग किया गया था। उस प्रयोग से यहां आने वाले यात्रियों को बहुत लाभ हुआ। अब, एक स्थायी क्षेत्र और यात्री सुविधा केंद्र, बनाया गया है। इससे आने वाले यात्रियों, खासकर बिना आरक्षित टिकट वाले यात्रियों को सुविधा होगी।

उन्होंने बताया कि अंदर के सभी टिकट काउंटरों को स्थानांतरित किया जा रहा है... यात्रियों के आने पर उन्हें स्वागत योग्य वातावरण, बैठने के लिए एक बड़ा क्षेत्र और बड़ी संख्या में शौचालय मिलेंगे। यह नयी दिल्ली स्टेशन के लिए एक स्थायी सुविधा है। देश भर के 76 स्टेशनों पर इसी तरह की व्यवस्था लागू की जा रही है, ताकि यात्रियों को प्लेटफार्मों पर भीड़ न लगानी पड़े। इस व्यवस्था को एक नये स्तर पर लाने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा, छठ और दिवाली जैसे प्रमुख त्योहारों के दौरान अचानक भीड़ बढ़ जाती है। इस भीड़ के दौरान इस पूरी व्यवस्था का परीक्षण किया जायेगा और इससे हासिल अनुभवों के आधार पर भविष्य में अन्य स्टेशनों पर भी इसी तरह की व्यवस्था लागू करने के लिए किया जायेगा।

इस दौरान उन्होंने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष एवं सांसद अखिलेश यादव की प्रोफ़ाइल को मेटा (फेसबुक) द्वारा निलंबित (अब निरस्त) करने के मुद्दे पर कहा, यह कार्रवाई फेसबुक द्वारा की गयी है। इसमें सरकार की कोई भूमिका नहीं है। उनके अकाउंट से एक अपमानजनक पोस्ट किया गया था, जिसके कारण फेसबुक ने अपनी नीतियों के अनुसार यह निर्णय लिया है।

हिंसक और अश्लील पोस्ट पर मेटा की कार्रवाई

अखिलेश यादव का फेसबुक पेज निलंबित किया गया

लखनऊ, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव का आधिकारिक फेसबुक पेज मेटा द्वारा निलंबित कर दिया गया। अखिलेश यादव के फेसबुक पेज पर हिंसक और अश्लील सामग्रियां पाए जाने के बाद मेटा ने यह कार्रवाई की। अखिलेश यादव के फेसबुक पेज के 80 लाख से अधिक फॉलोअर्स थे।

अखिलेश यादव के फेसबुक पेज को सस्पेंड करने की कार्रवाई फेसबुक की मूल कंपनी मेटा ने की है। यह फैसला प्लेटफॉर्म की नीतियों के तहत लिया गया है। पेज को हिंसक और अश्लील पोस्ट के कारण निलंबित किया गया है। हालांकि आदतन सपा नेता इस कार्रवाई की कड़ी निंदा कर रहे हैं। उनका कहना है कि यह देश के लोकतांत्रिक सिस्टम पर प्रहार है। फिलहाल, फेसबुक की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

करूर भगदड़: मद्रास हाईकोर्ट के आदेश पर सुप्रीमकोर्ट के गंभीर सवाल

सीबीआई जांच पर फैसला 13 को

चेन्नई, 11 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तमिलनाडु के करूर में अभिनेता विजय की राजनीतिक रैली में हुई भगदड़ की केंद्रीय जाँच ब्यूरो (सीबीआई) से जाँच कराने की माँग वाली विजय की तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 13 अक्टूबर को अपना फैसला सुनाएगा।

29 सितंबर की इस घटना में 41 लोगों की मौत हो गई थी और भीड़ प्रबंधन तथा जाँच पारदर्शिता को लेकर चिंताएँ पैदा हो गई थीं। सुनवाई के दौरान, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह भगदड़ की सीबीआई जाँच की माँग वाली याचिका पर आदेश पारित करेगा। अदालत ने तमिलनाडु सरकार से भी इस पर जवाब दाखिल करने को कहा। याचिका में मद्रास उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी गई है जिसमें जाँच एजेंसी को स्थानांतरित करने से इनकार कर दिया गया था और विशेष जाँच दल (एसआईटी) से जाँच कराने का आदेश दिया गया था, जिस पर टीवीके ने आरोप लगाया था कि यह पक्षपातपूर्ण हो सकता है।

न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने सवाल उठाया कि मद्रास उच्च न्यायालय की चेन्नई पीठ की एकल पीठ ने इस मामले का संज्ञान क्यों लिया और आदेश क्यों पारित किया। हालाँकि करूर, जहाँ भगदड़ हुई थी, उसके अधिकार क्षेत्र में है, लेकिन मामले की सुनवाई उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ कर रही थी। टीवीके की ओर से अधिवक्ता गोपाल सुब्रमण्यम ने दावा किया कि उच्च न्यायालय ने पक्षकारों की राय सुने बिना ही अपना फैसला सुना दिया। उच्च न्यायालय में दायर याचिका का उद्देश्य बहुत सीमित था।

सुब्रमण्यम ने कहा सरकार को रोड शो के लिए एक प्रोटोकॉल बनाने का निर्देश दिया जाना चाहिए। उच्च न्यायालय के आदेश में कई आरोप लगाए गए हैं। मदुरै पीठ को इस मामले की सुनवाई करनी चाहिए थी क्योंकि वह इस मुद्दे पर दायर याचिकाओं पर पहले ही विचार कर चुकी है। वकील बिना कोई हलफनामा दाखिल किए पेश हुए। यह भगदड़ है। यह एक मानवीय त्रासदी है। यह आरोप कि अभिनेता विजय को पक्ष नहीं बनाया गया, पूरी तरह से झूठा है।

बंगाल भर्ती घोटाला : ईडी की 13 ठिकानों पर छापेमारी, मंत्री बोस के दफ्तर पर भी कार्रवाई

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कोलकाता जोनल कार्यालय ने पश्चिम बंगाल के बहुचर्चित नगरपालिका भर्ती घोटाले में कोलकाता और उसके आसपास के क्षेत्रों में 13 स्थानों पर व्यापक तलाशी अभियान चलाया।

ईडी की टीम ने शुक्रवार को जिन परिसरों पर छापेमारी की उनमें पश्चिम बंगाल के अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा मंत्री और तृणमूल कांग्रेस के विधायक सुजीत बोस के कार्यालय और उनकी कंपनियों के ठिकाने भी शामिल हैं। तलाशी के दौरान ईडी को कई आपत्तिजनक दस्तावेज, संपत्ति से संबंधित कागजात, डिजिटल उपकरण और 45 लाख रुपये नकद बरामद हुए हैं।

अविमुक्तेश्वरानंद सभी सीटों पर लड़ाएंगे निर्दल गौ भक्त प्रत्याशी

पटना, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने बिहार में सनातनी राजनीति का शंखनाद किया है। शेखपुरा पहुंचकर उन्होंने कहा कि बिहार की सभी विधानसभा सीटों पर वे ऐसे प्रत्याशियों को समर्थन देंगे, जो अपने घोषणा पत्र में गौ हत्या रोकने का संकल्प शामिल करेंगे। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि देश की स्वतंत्रता के 78 वर्षों बाद भी कोई राजनीतिक दल इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर गंभीरता से काम नहीं कर रहा है। केंद्र में कई दलों की सरकारें बनीं, लेकिन किसी ने गौ संरक्षण को प्राथमिकता नहीं दी। इस स्थिति को देखते हुए स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने गौ मतदाता संकल्प यात्रा शुरू की है, जिसके तहत वे बिहार के सभी जिलों में जाकर मतदाताओं को गौ-रक्षा और सनातन धर्म के महत्व के प्रति जागरूक कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गौ माता की रक्षा करना केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि यह हमारी संस्कृति और समाज की आधारशिला है। एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने लोगों से अपील की कि वे विधानसभा चुनाव में केवल उन्हीं उम्मीदवारों को वोट दें जो गौ संरक्षण को लेकर स्पष्ट और दृढ़ संकल्पित हों। स्वामी ने यह भी बताया कि उन्होंने राष्ट्रीय राजनीतिक दलों से आग्रह किया था कि वे संसद में गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने के पक्ष में मतदान करें, लेकिन किसी भी दल ने इस मुद्दे पर स्पष्ट विचार नहीं किया। इसी कारण उन्होंने स्वयं गौ भक्त उम्मीदवारों को चुनाव में उतारने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि बिहार की सभी विधानसभा क्षेत्रों में उम्मीदवार खड़े किए जाएंगे और नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद औपचारिक रूप से सूची जारी की जाएगी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु और गौ भक्त मौजूद थे।

आजम खान के बयान ने बढ़ाया यूपी का सियासी पारा

जरूरत होगी तो हम मायावती से मिल सकते हैं: आजम

लखनऊ, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात के तीसरे दिन पार्टी महासचिव आजम खान के सुर बदल गए हैं। आजम ने बसपा प्रमुख मायावती की न सिर्फ प्रशंसा की बल्कि जरूरत पड़ने पर कभी भी उनसे मिलने की बात भी कही। मायावती का इस बात को लेकर शुक्रिया भी अदा किया कि लखनऊ रैली के दौरान उन्होंने उनके लिए कुछ बुरा भला नहीं कहा।

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान ने बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती की जमकर तारीफ करते हुए बयान दिया है। उन्होंने कहा कि वह और पूरा देश मायावती का सम्मान करता है और वह एक बड़े जनसमूह की नेता हैं। आजम खां के इस बयान से उन उन चर्चाओं को एक बार फिर बल मिल गया है, जिनमें कहा जा रहा था कि आजम बसपा की तरफ रुख कर सकते हैं। मीडिया को दिए इंटरव्यू में आजम खान ने मायावती के साथ अपने पुराने रिश्ते को याद किया। आजम ने कहा, जब वह रैली में रामपुर आईं थीं, तब मेरी मेहमान थीं। मेरा उनके बड़ों से भी रिश्ता रहा है। उन्होंने एक दिलचस्प वाकया साझा करते हुए कहा, ये बात किसी को नहीं मालूम कि लखनऊ में सुबह जब मैं फज्र की नमाज पढ़ता था, तब कांशीराम जी उनसे (मायावती) मिलने आते थे और आधा-एक घंटे बात करके जाते थे।

23 सितंबर को जेल से जमानत पर छूटे आजम के बसपा में जाने के कयास भी लगाए गए। हालांकि, मायावती ने नौ अक्टूबर को लखनऊ रैली में ऐसी किसी मुलाकात को खारिज करते हुए कहा था कि वह किसी से छिपकर नहीं मिलतीं। विरोधियों ने रैली से पहले यह अफवाह फैलाई। आजम के रुख बदलने से एक बार भी उनका बसपा प्रेम सुर्खियों में आ गया है। सीतापुर जेल में 23 महीने बिताकर और अखिलेश यादव के बीच आठ अक्टूबर को करीब दो घंटे तक बंद कमरे में गुफ्तगू हुई थी। इसके बाद अखिलेश यादव ने गिले-शिकवे दूर होने का दावा किया था। हालांकि, उनके सामने आजम चुप्पी साधे रहे। बाद में उन्होंने कहा था कि गुफ्तगू के बारे में बताएंगे तो नुकसान होगा। गिला ही नहीं तो शिकवा कैसा। आजम की मंशा न होने पर रामपुर के सपा सांसद मोहिबुल्लाह नदवी को अखिलेश यादव ने लखनऊ से साथ लाकर बरेली ही रोक दिया था।

गुरुवार को सांसद ने कहा था कि आजम की अब उम्र हो चुकी है, वह हमें क्या अपने शहर इमाम तक को नहीं पहचानते। शुक्रवार को आजम खां ने पत्रकारों से बात करते हुए बसपा प्रमुख मायावती प्रशंसा की। उन्होंने कहा, वे बड़े जनसमूह की नायक हैं। उनका मैं ही नहीं, पूरा देश सम्मान करता है। उनके पास कोई ऐसी खबर पहुंची है, जिससे उन्हें दुख पहुंचा हो तो उसके लिए मुझे अफसोस है। उनकी अहमियत की मेरे दिल में कोई कमी नहीं है। जब वह रैली में रामपुर आईं थीं, तब वह मेरी मेहमान थीं।

एक देश टैरिफ लगाएगा तो हम 10 नए देशों में रास्ते खोलेंगे: योगी

भदोही में 49वें अंतरराष्ट्रीय कालीन मेला और चौथे कारपेट एक्सपो का शुभारंभ

भदोही, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को भदोही में 49वें अंतरराष्ट्रीय कालीन मेला और चौथे कारपेट एक्सपो का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने देश-विदेश से आए कालीन उद्यमियों और निर्यातकों के साथ संवाद करते हुए उन्हें भरोसा दिलाया कि प्रदेश सरकार हर स्थिति में उनके साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अमेरिकी टैरिफ से घबराने की जरूरत नहीं है, बल्कि यह हमारे लिए नए अवसरों के द्वार खोलने का समय है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जब भी चुनौतियां आती हैं, वे अपने साथ अवसर भी लाती हैं। अमेरिका ने टैरिफ लगाया है, लेकिन यह केवल एक देश का निर्णय है। हम यूएई, यूके और अन्य देशों के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। आने वाले समय में ये समझौते हमारे उद्योगों के लिए नए बाजार खोलेंगे। उन्होंने बताया कि सरकार ने इस विषय पर हाई लेवल कमेटी का गठन किया है जो टैरिफ से उत्पन्न स्थिति पर लगातार काम कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 11 वर्ष पहले कार्पेट उद्योग बंदी के कगार पर था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भदोही, मिर्जापुर और वाराणसी के कार्पेट क्लस्टर को नई ऊर्जा मिली।

भदोही को केंद्र बनाकर कार्पेट एक्सपो मार्ट की स्थापना की गई। जब पहला एक्सपो हुआ था, तब विदेशी खरीदारों की संख्या बहुत कम थी, लेकिन आज 88 देशों से तीन से चार सौ फॉरेन बायर्स यहां आ रहे हैं। यह बताता है कि ग्लोबल मार्केट में आपके कालीनों की मांग कितनी बढ़ी है। योगी आदित्यनाथ ने अपने उद्बोधन में कहा कि यूपी सरकार ने कारपेट सेक्टर सहित एमएसएमई और ओडीओपी (वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रॉडक्ट) योजना के तहत प्रत्येक जिले में विशिष्ट उद्योगों को प्रोत्साहित किया है। भदोही के कालीन, मुरादाबाद के पीतल, फिरोजाबाद के ग्लास और वाराणसी के सिल्क को नई पहचान मिली है। 2017 में जब हमने ओडीओपी योजना शुरू की थी, तब किसी ने नहीं सोचा था कि यूपी दो लाख करोड़ से अधिक का निर्यात करेगा, यह अब वास्तविकता बन चुकी है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि कारपेट उद्योग केवल व्यापार नहीं है, यह हमारे कारीगरों और हस्तशिल्पियों की जीवंत परंपरा है। आज यह उद्योग 25 से 30 लाख लोगों को रोजगार देता है और हर साल करीब 17 हजार करोड़ रुपए का निर्यात करता है।

महिला स्वावलंबन का यह सबसे बड़ा माध्यम बन चुका है। सरकार का प्रयास है कि इस उद्योग को और अधिक महिलाओं से जोड़ा जाए ताकि वे घर पर रहकर आर्थिक रूप से मजबूत बन सकें। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि भदोही को छोटा मत समझिए, यह प्रदेश और देश की आर्थिक ताकत का प्रतीक है। 2014 से पहले यह उद्योग लगभग मृतप्राय हो चुका था, लेकिन आज यह यूपी की पहचान बन चुका है। उन्होंने कहा कि दीपावली के अवसर पर प्रदेश के सभी 75 जिलों में स्वदेशी मेले का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें भदोही की कालीनों के विशेष स्टॉल लगाए गए हैं।

रवि पाटेरिया ने कहा कि कालीन उद्योग हाथों का जादू है। हमने विश्व का सबसे बड़ा कालीन बनाकर कजाकिस्तान भेजा है। इस कला को विशेष दर्जा मिलना चाहिए। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि विचार समिति के गठन पर सरकार विचार कर रही है, ताकि उद्यमियों के सुझावों को नीतिगत निर्णयों में शामिल किया जा सके। हाजी हमीद ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आपकी प्रतिबद्धता ने कालीन उद्योग को नया जीवन दिया है। भदोही और प्रदेश दोनों को इस उद्योग के माध्यम से वन ट्रिलियन इकॉनमी में सहभागी बनाया जा सकता है।

अनिल सिंह ने मिर्जापुर-विंध्य कॉरिडोर के विकास का उल्लेख करते हुए कहा कि आसपास के क्षेत्रों को भी एनसीआर की तरह विकसित किया जाए, जिस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि भदोही, वाराणसी और मिर्जापुर को जोड़कर विकास क्षेत्र के रूप में तैयार करने की दिशा में कार्य चल रहा है।

आदर्श पूर्णिमा, जो चार दशकों से इस उद्योग से जुड़ी हैं, ने कहा कि अध्यात्म और राजनीति का संगम हो तो सफलता निश्चित है। वहीं निर्यातक आलोक बरनवाल ने बुनकरों की कमी और श्रमिकों के पलायन की समस्या उठाई, जिस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हम उद्योग को महिलाओं और स्थानीय श्रमिकों से जोड़कर आत्मनिर्भरता की दिशा में काम कर रहे हैं।

इस अवसर पर सांसद डॉ विनोद बिंद, विधायकगण दीनानाथ भास्कर, विपुल दुबे, जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी, विकास आयुक्त हस्तशिल्प भारत सरकार अमृत राज, सीपीसी के चेयरमैन कुलदीप, पद्मश्री डॉ रजनीकांत, भदोही कारपेट उद्योग से जुड़े पदाधिकारीगण, स्टेक होल्डर्स सहित कई गणमान्य अतिथि मौजूद थे।

बरेली बवाल : साजिश में शामिल पाए गए मौलाना तौकीर के करीबी

सभी 10 मुकदमों में बढ़े कई नाम

बरेली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। बरेली बवाल के मामले में पुलिस की जांच जारी है। बवाल से संबंधित दर्ज मुकदमों में सात और आरोपियों के नाम बढ़ाए गए हैं। इन सभी पर साजिश रचने का आरोप लगा है। बरेली में 26 सितंबर को हुए बवाल से संबंधित सभी 10 मुकदमों में डॉ. नफीस, नदीम, मुनीर इदरीशी, पार्षद अनीस, हिस्ट्रीशीटर नायाब उर्फ मुन्ना, अफजाल बेग, मौलाना तौकीर रजा को शरण देने वाले फरहत का नाम बतौर साजिशकर्ता शामिल किया गया है। इनको षड्यंत्र रचने की धारा 61 का भी आरोपी बनाया गया है। पुलिस के मुताबिक, शहर को दंगे की आग में झोंकने के लिए मौलाना तौकीर के साथ मिलकर इन सबने साजिश रची थी। मौलाना का नाम पहले ही सभी 10 मुकदमों में साजिशकर्ता के तौर पर शामिल किया जा चुका है।

आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर के बुलावे पर जुटी भीड़ ने 26 सितंबर को पुलिस टीम पर पथराव व फायरिंग की थी। मौके से पेट्रोल से भरी बोतलें, तमंचे बरामद हुए थे। इस घटनाक्रम में 10 मुकदमे दर्ज हुए थे। कोतवाली में दर्ज पहले मुकदमे में मौलाना तौकीर को साजिशकर्ता बनाया गया है। अन्य नौ मामलों में भी मौलाना का नाम साजिशकर्ता के रूप में शामिल किया गया है। इस प्रकरण में चक महमूद निवासी फेजल नबी, मोबीन कुरैशी, साजिद सकलैनी, कोतवाली किशोर बाजार निवासी सुभान उर्फ चूरन, डॉ. नफीस का दूसरा बेटा फरहान रजा खां व किला का मोईन खां का नाम सामने आया है। पुलिस ने मुकदमे में इनके नाम खोले हैं। अब इनकी गिरफ्तारी की जाएगी।

एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि जेल गए आरोपियों का नाम सभी 10 मुकदमों में बतौर साजिशकर्ता शामिल किया गया है। बवाल के कुछ अन्य आरोपियों के नाम प्रकाश में आए हैं। उनकी गिरफ्तारी की जाएगी। शहर में 26 सितंबर को हुए बवाल की हकीकत धीरे-धीरे उजागर हो रही है। शुक्रवार को एक सीसी फुटेज सामने आया। वीडियो में उपद्रवियों की भीड़ आकाश होटल के पास डीएवी कॉलेज रोड पर पुलिस पर हमला करते हुए बैरिकेडिंग को जबरन हटा रही है। दूसरी तरफ खड़ी पुलिस टीम लोगों से घर लौटने की अपील कर रही है। इस बीच भीड़ में मौजूद अराजक तत्व हाथों में पोस्टर लेकर भड़काऊ नारेबाजी करते दिख रहे हैं।

संभल में अवैध कब्जों पर फिर होगी बुलडोजर कार्रवाई

80 अवैध मकानों पर प्रशासन ने लगाए लाल निशान

संभल, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। संभल के रायसत्ती थाना क्षेत्र के हातिम सराय में तालाब की जमीन पर बने बताए जा रहे 80 मकानों को अवैध घोषित करने की कार्रवाई पर विवाद खड़ा हो गया है। सरायतरीन निवासी ने दावा किया कि यह जमीन उनकी दादी की आठ बीघा पुश्तैनी निजी सम्पत्ति थी। जिसे 2009 के बाद लोगों को बेचा गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन ने तहसील रिकॉर्ड जांचे बिना कार्रवाई शुरू कर दी।

रायसत्ती थाना क्षेत्र के मोहल्ला हातिम सराय में जिन 80 मकानों तालाब की जमीन पर बने होने की बात कहकर अवैध घोषित किया गया है, उसमें प्रशासनिक कार्रवाई में चूक होने का दावा किया गया है। सरायतरीन निवासी पूर्वी वार्ष्णेय ने दावा किया है कि जिस जमीन पर मकान बने हैं वह उनकी आठ बीघा पुश्तैनी जमीन थी। उनकी दादी हातिम सराय निवासी राम सुनीति देवी ने लोगों को बेची थी। आरोप है कि प्रशासन ने तहसील के रिकॉर्ड चेक नहीं किए और कार्रवाई शुरू कर दी। जबकि यह जमीन निजी है इसका भी आदेश राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज है। हालांकि प्रशासन की लाल निशान वाली कार्रवाई के बाद लोगों में चिंता है।

तहसीलदार धीरेंद्र सिंह ने कहा कि सरकारी आठ बीघा तालाब को पाटकर अवैध तरीके से 80 मकानों का निर्माण किया गया है। इसके लिए नोटिस जारी कर अवैध निर्माण हटाने के लिए 15 दिन का समय भी दिया था। इसी क्रम में बुधवार को 40 मकानों पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के लिए लाल निशान लगा दिए गए। जिन लोगों के मकानों पर लाल निशान लगाए गए वह चिंतित हैं। इसी कार्रवाई के दौरान पूर्वी वार्ष्णेय का दावा सामने आया है। पूर्वी वार्ष्णेय ने बताया कि उनकी दादी के नाम 12 बीघा जमीन थी। जो 2009 के बाद लोगों को बेची गई थी। वर्षों तक इस जमीन में खेती होती रही और कुछ हिस्से को लोगों ने मिट्टी की खोदाई से तालाबनुमा बना दिया था।

जब जमीन बेची गई तो वह तालाब भी पाट दिया गया लेकिन निजी सम्पत्ति में ही तालाब था। प्रशासन ने जो कार्रवाई की है उसके रिकॉर्ड को चेक नहीं किया गया। तहसील में इस जमीन का पूरा रिकॉर्ड दर्ज है। जिन लोगों के मकान हैं उन्होंने बैनामा कराया है। प्रशासन की टीम द्वारा लाल निशान लगाने की कार्रवाई की गई तो लोगों की चिंता बढ़ गई। कई परिवार हाईकोर्ट चले गए हैं। याचिका दायर कर दी गई है। बताया गया है कि सोमवार तो सुनवाई की जा सकती है। हाईकोर्ट में बैनामे की कॉपी लेकर यह परिवार पहुंचे हैं। मकान स्वामियों का कहना है कि जो कागज हैं उनको यहां कोई देखने को तैयार नहीं है। इसलिए हाईकोर्ट में पेश किया जाएगा। वहीं से अब मकान बचाने की आस बची है।

हातिम सराय के 80 मकानों में रह रहे लोगों का सवाल है कि सोमवार को नोटिस जारी किया था कि अपना पक्ष रखें और दो दिन बाद लाल निशान लगाने की कार्रवाई को शुरू कर दी गई। प्रशासन ने जांच पड़ताल नहीं की और जो टीम मौके पर आई उन्होंने बैनामे के दस्तावेज तक नहीं देखे। इब्राहिम ने बताया कि उन्होंने पूरी जिंदगी की कमाई लगाकर 10 साल पहले मकान बनाया है। प्रशासन की टीम ने लाल निशान लगा दिया। जबकि हमने तो जमीन खरीदी है। कब्जा करते तो बैनामा कहां से हो जाता। इसी तरह अन्य लोग भी सवाल उठा रहे हैं।

हातिम सराय में स्थित इस जमीन का गाटा संख्या 84, 85 और 86 अंकित है। इस जमीन को लेकर एडीएम हरज्ञान सिंह पुंडीर की कोर्ट ने 14 सितंबर 2009 को राम सुनीति देवी की निजी सम्पत्ति होने का हवाला देते हुए पीपी एक्ट के तहत जारी किए गए 35 नोटिस वापस करने का आदेश किया था।

सपा लोकतंत्र विरोधी, अब आपातकाल वालों के साथ: ब्रजेश पाठक

सपा शासनकाल दलितों के अपमान व भ्रष्टाचार का प्रतीक: निर्मल

जेपी के नाम पर सपा नेता की मौज-मस्ती का प्रोजेक्ट था: अरुण

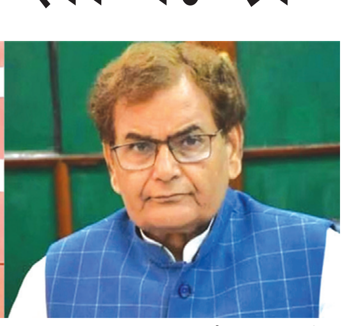

लखनऊ, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने समाजवादी पार्टी और उसके अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सपा हमेशा से लोकतंत्र के विरोध में रही है। आज वही पार्टी कांग्रेस के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सत्ता पाने की साजिश कर रही है, यह वही कांग्रेस है जिसने देश पर आपातकाल थोपकर लोकतंत्र को कुचला था। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि अखिलेश यादव जिस कांग्रेस के साथ मंच साझा कर रहे हैं, उसी कांग्रेस ने जयप्रकाश नारायण जैसे लोकतंत्र के प्रहरी को जेल में डाला था। एक तरफ आप जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हैं, दूसरी तरफ उन्हीं को जेल भेजने वालों से गठबंधन करते हैं, यह राजनीतिक पाखंड है।

ब्रजेश पाठक ने कहा कि सपा को लोकतंत्र या संविधान से कोई लेना-देना नहीं, उनका मकसद केवल सुर्खियां बटोरना और सत्ता की कुर्सी पर बैठना है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव की राजनीति परिवारवाद और स्वार्थवाद पर आधारित है, जबकि भारतीय जनता पार्टी सर्व समाज की पार्टी है, जो बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के बनाए संविधान के अनुरूप काम कर रही है। उन्होंने कहा कि जयप्रकाश नारायण की जयंती भाजपा पूरे देश और दुनिया में मना रही है, क्योंकि इमरजेंसी के दौरान सबसे अधिक जनसंघ और आरएसएस के कार्यकर्ता जेलों में बंद किए गए थे। वहीं कई समाजवादी भी जेल भेजे गए थे, लेकिन सपा आज उनका त्याग भुलाकर कांग्रेस के साथ मिलकर सत्ता की सौदेबाजी कर रही है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जनता सब जानती है। सपा अब लोकतंत्र की नहीं, केवल सत्ता की पार्टी बन चुकी है। भाजपा जनता की सेवा और संविधान की रक्षा के लिए काम करती रहेगी।

प्रदेश के समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने भी समाजवादी पार्टी पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि जेपी के नाम पर फाइव स्टार प्रोजेक्ट समाजवाद नहीं, अमीरों की मौज-मस्ती थी। खुद को समाजवादी कहने वाले अखिलेश यादव ने जयप्रकाश नारायण के नाम पर जो परियोजना बनाई थी, वह समाजवाद नहीं बल्कि विलासिता और दिखावे का प्रतीक थी। मंत्री ने कहा कि जयप्रकाश नारायण ने हमेशा सादगी और गरीबों के कल्याण का संदेश दिया, जबकि अखिलेश सरकार ने उनके नाम पर फाइव स्टार सुविधाओं वाला प्रोजेक्ट खड़ा करने की योजना बनाई थी।

असीम अरुण ने कहा कि यह बड़े अचरज की बात है जयप्रकाश नारायण जी के नाम पर लखनऊ में एक फाइव स्टार व्यवस्था बनाई जा रही थी। अखिलेश यादव जी द्वारा इस फाइव स्टार व्यवस्था में बिल्डिंग के ऊपर एक हेलीकॉप्टर उतरने की जगह बनाई गई थी। ऊंचे तल पर स्विमिंग पूल बनाया गया था। फाइव स्टार कमरे बनाए गए। इसको समाजवादी उद्देश्य की पूर्ति के लिए कहा जाए तो इससे ज्यादा हंसी की बात और क्या होगी। साथ ही साथ भ्रष्टाचार का इसमें जो आलम रहा वो तो और अनूठा था। एक समिति बनाई गई जिसे पहले 200 करोड रुपए दिए गए और बाद कुल 867 करोड रुपए प्रदान कर दिए गए। फिर भी वह प्रोजेक्ट पूरा नहीं हो पाया। अब इस पूरे प्रोजेक्ट की जांच चल रही है और सीएजी ने भी इस पर अपनी आपत्ति दर्ज कराई है। योगी सरकार इस प्रोजेक्ट को वापस ला रही है, लेकिन ध्यान रखा जा रहा है कि यह अमीर लोगों की मौज मस्ती का क्लब ना बने, बल्कि जयप्रकाश नारायण जी की स्मृति के लिए और उन्हें नमन करने के लिए इसका उपयोग किया जाए। जयप्रकाश नारायण जी की जो सीख है, उन्होंने गरीब कल्याण के लिए जो कहा था हमें उसके लिए काम करना है, इसलिए इसे एलडीए को हैंडओवर किया गया है ताकि व्यवस्थित तरीके से इस प्रोजेक्ट को पूरा किया जा सके।

असीम अरुण ने अखिलेश और कांग्रेस के बीच गलबहियों पर भी करारा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि जिस कांग्रेस के खिलाफ अत्याचार और भ्रष्टाचार के खिलाफ जयप्रकाश नारायण जी ने पूरा अपना जीवन समर्पित किया, देश को राह दिखाई, आज अखिलेश यादव उसी कांग्रेस के साथ और उसके नेता राहुल गांधी के साथ गलबहिया करते हैं। समाजवादी का उनका यह नाटक अब लोग समझ चुके हैं। समाजवाद में ऐसा कौन सा काम है, जिसके लिए फाइव स्टार स्विमिंग पूल, हेलीपैड बिल्डिंग के ऊपर चाहिए हो। अगर समाजवादी कुछ काम करना है तो भारतीय जनता पार्टी से सीखना चाहिए। 80 करोड लोगों की थाली में भोजन देना हो, लोगों को आवास देना हो या गांव का भला करना हो, यह असली समाजवाद है जो भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री मोदी जी के सबका साथ सबका विकास के मंत्र के साथ कर रही है। केवल अपने अमीर दोस्तों को फायदा पहुंचाना समाजवाद नहीं है।

उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति वित्त और विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष और एमएलसी डॉ. लालजी प्रसाद निर्मल ने कहा, अखिलेश यादव ने अपने शासनकाल में दलितों का अपमान किया, जेपी के नाम पर भी भ्रष्टाचार किया और परिवारवाद का गंदा बीज बोया। उन्होंने कहा कि जिस समय पूरे देश में मान्यवर कांशीराम जी के नाम से बने संस्थानों को सम्मान दिया जा रहा था, उसी समय अखिलेश यादव ने उनके नाम को मिटाने का काम किया। डॉ. निर्मल ने कहा कि लखनऊ का उर्दू-अरबी-फारसी विश्वविद्यालय, जो मान्यवर कांशीराम जी के नाम से था, उससे नाम हटाया गया। यही नहीं, कांशीराम जी के नाम से चलने वाली सभी सरकारी योजनाओं के नाम भी बदल दिए गए। यह कृत्य दलितों के सम्मान पर गहरी चोट थी। उन्होंने कहा कि बहन मायावती जी की रैली ने समाजवादी पार्टी के असली चरित्र का पर्दाफाश कर दिया है जो दलित विरोधी और महापुरुषों के प्रति अपमानजनक रवैया रखने वाली पार्टी है।

सपा सरकार के दौरान भ्रष्टाचार के प्रतीक बने जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर (जेपीएनआईसी) का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि इस परियोजना की शुरुआत 200 करोड़ की लागत से हुई थी, लेकिन 2017 तक इसकी लागत बढ़कर 867 करोड़ हो गई और फिर भी परियोजना अधूरी रही। ठेकेदारों और अधिकारियों की मिलीभगत से यह केंद्र कमीशनखोरी और भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया। उन्होंने बताया कि योगी आदित्यनाथ सरकार ने आते ही जेपीएनआईसी समिति को भंग कर यह परियोजना एलडीए के सुपुर्द की, ताकि इसे पारदर्शी तरीके से पूरा किया जा सके। सरकार ने 882.74 करोड़ की धनराशि ऋण के रूप में स्थानांतरित कर दी है, जिसे 30 वर्षों में लौटाया जाएगा। अब इस परियोजना के अंतर्गत आधुनिक ऑडिटोरियम, कन्वेंशन सेंटर, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, मल्टीपरपज कोर्ट और मल्टीलेवल पार्किंग (750 वाहनों की क्षमता) का निर्माण कराया जा रहा है। इसे अब इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान की तर्ज पर लर्निंग सेंटर के रूप में जनता के लिए खोला जाएगा, न कि अखिलेश यादव के शासनकाल में लूट के केंद्र के रूप में।

डॉ. निर्मल ने कहा कि अखिलेश यादव जिस कांग्रेस के साथ आज गलबहियां कर रहे हैं, उसी कांग्रेस ने देश में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का अपमान किया था। यह वही कांग्रेस है जिसने बाबा साहब को भारत रत्न देने में देरी की, उनके नाम पर कोई प्रतिमा नहीं लगवाई और प्रमोशन में आरक्षण के बिल को संसद में फाड़ दिया। उन्होंने कहा कि अब अखिलेश यादव संविधान की किताब लेकर घूम रहे हैं ताकि अपने पापों को छुपा सकें, लेकिन जनता सब जान चुकी है। उन्होंने बताया कि समाजवादी पार्टी ने न सिर्फ दलितों के आरक्षण का विरोध किया, बल्कि लाखों दलित कर्मचारियों का रिवर्जन कर दिया, उनकी जमीनों पर अवैध कब्जे कराए और उत्पीड़न किया। 2012 से 2017 के बीच डॉ. अंबेडकर स्मारक में रातभर अंधेरा रहता था, लाइटें बंद थीं, पत्थर टूटे पड़े थे, पीतल की पट्टिकाएं उखाड़ी गई थीं। सपा ने स्मारकों को नष्ट करने का काम किया। इसके विपरीत, योगी आदित्यनाथ सरकार ने बड़ी ईमानदारी से बाबा साहब अंबेडकर की धरोहरों का संरक्षण और सौंदर्यीकरण किया।

चलें

में!

आइस एज मूवीज के किरदार आप सबके फेवरिट होंगे, हैं न। पर इनमें दिखाए जा रहे जानवरों की संरचना को लेकर कई सवाल आपके जेहन में उठते होंगे। आइए खोजते हैं इन सवालों के जवाब...

आप सबने एनिमेटेड मूवी 'आइस एज' तो देखी ही होगी, है न। इसके कैरेक्टर्स हाथी मैन्नीन, हथिनी ऐल्ली, शेर डिएगो... सभी कितनी मस्ती करते नजर आते हैं। लेकिन कभी आपने गौर किया है, कितने अजीब ही दिखते हैं न ये सब। किसी की पूंछ लंबी है तो किसी के दांत जमीन तक आते हैं। चलिए हम आपको बताते हैं कि ऐसा क्यों है? दरअसल, बड़े और भयानक दिखने वाले इन जानवरों की इस बनावट की वजह उनके आसपास का तापमान और ठंड थी। 10,000 साल पहले इन जानवरों के विलुप्त होने की वजह भी मौसम में बदलाव और उनका शिकार ही माना जाता है। आइए इनके बारे में और जानकारी जुटाते हैं—

मेगाथेरियम

मेगाथेरियम (जाइंट स्लॉथ) एक ऐसा जानवर है, जो आकार में हाथी के समान था। धरती पर रह चुके जानवरों में मेगाथेरियम शायद सबसे बड़े जानवरों में से एक हो। इसका वजन करीब 4 टन और शरीर की लंबाई 6 मीटर होती थी। हालांकि यह चौपाया जानवर था, पर इसके फुटप्रिंट्स से यह अंदाजा लगाया गया कि यह दो पैरों पर भी खड़ा हो सकता था। यह 10,000 साल पहले विलुप्त हो गया था। यूं तो मेगाथेरियम घास, फल-फूल और सब्जियां खाते थे, लेकिन इनके अभाव में ये दूसरे जानवरों को अपना शिकार बना लेते थे।

केव लायन

केव लायन आइस एज का सबसे खतरनाक जानवर था। यह आज के शेर से करीब 25 प्रतिशत बड़ा और खतरनाक था। फीमेल केव लायन का वजन 175 किलोग्राम होता था, वहीं मेल लायन 350 किलो का। इनकी लम्बाई 7-8 फीट तक की होती थी। ये घोड़े, हाथियों और भालू जैसे भारी जानवरों का भी शिकार करते थे। ये भी तकरीबन 10,000 साल पहले विलुप्त हो गए।

वूली मैमथ

वूली मैमथ आइस एज का सबसे मशहूर जानवर है। इस हाथीनुमा जानवर की पहचान इसका फर वाला शरीर और लम्बे दांत हैं। इसका फर कोट एक मीटर मोटा हुआ करता था, जो ठंड से इसको बचाता था। इस वजह से ही तो यह महाशय आइस एज में बड़े मस्त तरीके से अपने आप को बचाकर रख पाए थे। आप जिन हाथियों को आजकल देखते हैं, उनके मुकाबले इनके कान छोटे होते थे। इनके दांतों की लम्बाई 5 मीटर तक होती थी। यह 9 से 11 फीट लम्बे और 3 टन के होते थे। नॉर्दर्न साइबेरिया में 20,380 साल पुराना फ्रोजन मैमथ 1999 में निकाला गया था। वैज्ञानिकों ने इस पर रिसर्च करने के दौरान यह कहा कि इसका क्लोन बनाया जा सकता है, क्योंकि इसे विलुप्त हुए ज्यादा समय नहीं हुआ है और यह वर्तमान हाथी से काफी मेल खाता है।

साइबर टूथ टाइगर

आइस एज के इस जानवर का नाम सुनकर आपको लग रहा होगा कि यह बाघ की ही एक प्रजाति होगी। पर यह सच नहीं है। यह भले ही बाघ की तरह दिखता हो, लेकिन यह साइबर टूथ टाइगर (समिलोडॉन) प्रीहॉस्टोरिक समिलोडॉन बिल्ली की एक प्रजाति थी। इनके बड़े-बड़े केनाइन इन्हें बाकी सबसे अलग बनाते हैं। आपको यह जानकर हैरत होगी कि जहां समिलोडॉन साइबर टूथ के केनाइन करीब 7 इंच लंबे होते थे, वहीं होमोथेरियम साइबर टूथ के दांत 4 इंच लंबे हुआ करते थे। साइबर टूथ टाइगर ज्यादातर उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका के घास वाले खुले इलाकों में बसते थे। इनके पैर छोटे होते थे और इनकी पूंछ कम बालों वाली हुआ करती थी। कहा जाता है कि मॉसटोडॉन्स जैसे बड़े जीवों को भी ये अपना शिकार बना लेते थे। बिल्ली की जिन प्रजातियों को हम आज देखते हैं, उनके मुकाबले साइबर टूथ टाइगर का शरीर भालू जैसा भरा होता था और इनका वजन 200 किलो के आसपास होता था। आइस एज का यह अनोखा जानवर करीब 11,000 साल पहले पाया जाता था और आज इसके जैसा कोई भी जीव हमारी धरती पर नहीं है।

फिल्मों में आइस एज

आइस एज पर मूवीज की एक पूरी सीरीज तैयार की गई है। इस एनिमेटिड मूवी सीरीज का पहला पार्ट 2002 में रिलीज किया गया था, जिसका एक और पार्ट हालिया रिलीज हुआ है। इस सीरीज की फिल्में-आइस एज (2002), आइस एज द मेल्टडाउन (2006), आइस एज डॉन ऑफ द डायनासोर्स (2009) और पैलियोलिथिक आइस एज में जिंदा बचे हुए जानवरों की कहानी है। हालिया रिलीज आइस एज 4- कॉन्टिनेंटल ड्रिफ्ट का निर्देशन किया है स्टीव मार्टिनो और माइक थर्मियर ने।

सच्चे स्वर्ग का द्वार

कविता

सच्चे स्वर्ग का द्वार है पुस्तक,
ज्ञान का भंडार है पुस्तक।
करें अंधेरे में उजाला,
ज्ञान का आधार है पुस्तक।

भटके को भी राह दिखाए,
दूर करे मन का अंधेरा।
जितनी ज्यादा हम पढ़ पाते,
जीवन में हो नया सवेरा।

मन की आंखें खोले पुस्तक,
नया राज सब खोले पुस्तक।
ज्ञान भरी बातें सिखलाती,
सबकी वाणी बोले पुस्तक।

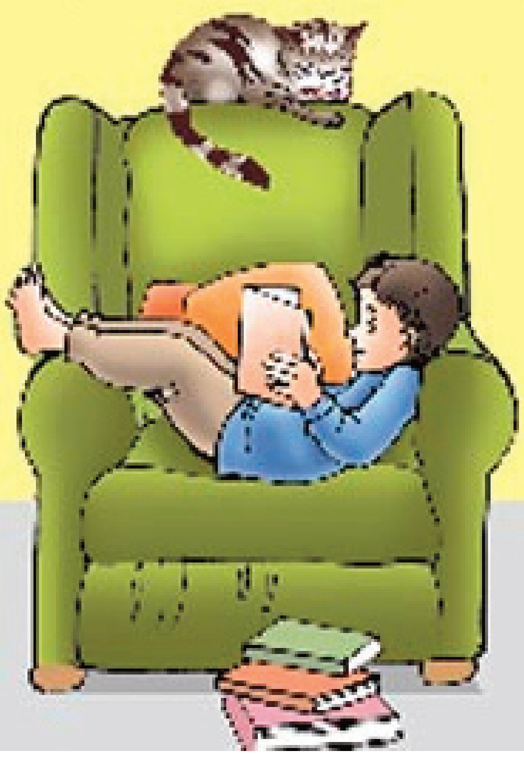

दिमाग के घोड़े दौड़ाओ!!

1. किस वजह से पृथ्वी को नीला ग्रह कहते हैं?
2. वायुमंडल में नाइट्रोजन कितने प्रतिशत मौजूद है?
3. बैरोमीटर का प्रयोग किस लिए किया जाता है?
4. कोयला जलने पर कौन सा गैस उत्सर्जित करता है?
5. ठोस कॉर्बन डाई ऑक्साइड किस रूप में मिलती है?
6. पत्तियों के सतह पर तक सांस लेने के लिए बने छिद्रों को क्या कहते हैं?
7. सूरज के सबसे नजदीक कौनसा ग्रह है?
8. सब्जियों का राजा आलू पौधे का कौन-सा हिस्सा होता है?
9. पानी का रासायनिक सूत्र क्या होता है?
10. मनुष्य शरीर में कितनी इंन्द्रियां होती हैं?
11. किस ग्रह को लाल ग्रह कहा जाता है?
12. सर्च इंजन गुगल के हेडक्वार्टर का नाम क्या है?
13. यौगिक एचसीएल अम्ल है या क्षार!
14. जल जाने या फिर छिल जाने पर कौन-सा मीठा चिपचिपा पदार्थ एंटीसेप्टिक के रूप में प्रयोग किया जाता है?
15. सूर्य और चंद्रमा के बाद आकाश में चमकने वाला ग्रह कौन-सा है?
16. ट्रैक्टर का आविष्कार किसने किया था?

उत्तर-1. 1.पानी की वजह से 2.79 3.वायुमंडलीय दबाव नापने के लिए 4.कार्बन डाई ऑक्साइड 5.ड्राई आइस 6.स्टोमेटा 7.बुध 8.तना 9.H_2O 10.पांच 11.मंगल 12.गूगलप्लेक्स 13.अम्ल है (हाइड्रोक्लोरिक एसिड) 14. ग्लिसरीन 15. शुक्र 16. बेन्जामिन होल्ट (1900)

तारागणक गोपाल भांड

एक अच्छी आदत को अपने भीतर डालने के लिए सिर्फ एक छोटा कदम उठाने भर की देर रहती है। उस छोटे कदम से होने वाले फायदे को देखकर लगता है कि वो छोटा कदम बड़ा प्रभावशाली था। ऐसा ही एक कदम उठाया था रिंकू ने...!

एक बार राजा कृष्णचन्द्र को नवाब का फरमान मिला कि वह धरती का इस छोर से उस छोर तक और ऊपर से लेकर नीचे तक लम्बाई और चौड़ाई का सही माप निकाले। साथ ही आकाश में मौजूद तारों की सही गिनती भी ज्ञात करें। फरमान सुनकर राजा के तो होश फाख्ता थे।

राजा ने नवाब को संदेश भिजवाया कि वो बेअदबी करना नहीं चाहते, पर यह तो नामुमकिन कार्य है। नवाब ने कहलवाया 'करोगे तो मुमकिन हो जाएगा।'

राजा गहरे चिंतन में डूब गए। उनकी चिन्ता बढ़ती ही जा रही थी। कुछ दिनों बाद गोपाल भांड राजा से मिलने आ पहुंचा और उनको चिन्तातुर पाकर बड़ा दुखी हुआ। राजा से उसने कहा, 'स्वामी आपको क्या हुआ है? मेरे होते हुए आपको इतनी चिन्ता करने की क्या जरूरत है। यह सेवक आपकी हर चिन्ता को पल भर में हल कर देगा।' महाराज कुछ चिन्तित स्वर में बोले, 'नहीं गोपाल तुम नहीं कर सकते।' 'अरे, ऐसा कोई कार्य नहीं जो मेरे लिए असंभव हो। आप पहले बताइए तो।' आत्मविश्वास से भरे हुए गोपाल बोला। 'मुझे नवाब हुजूर ने पृथ्वी की लम्बाई-चौड़ाई के साथ तारों का सही आंकड़ा बताने का फरमान सुनाया है।' राजा ने गोपाल की ओर देखते हुए कहा। गोपाल का उत्साह रत्तीभर भी कम नहीं हुआ। वो महाराज से बोला 'ये तो मेरे चुटकी का काम है। बस आप मुझे अपना तारागणक और पृथ्वीमापक नियुक्त कर लीजिए और बाकी की चिन्ता मुझ पर छोड़ दीजिए। जब काम पूरा हो जाएगा तो मैं नवाब हुजूर के पास पहुंच जाऊंगा। आप सिर्फ नवाब हुजूर से एक वर्ष की मोहलत ही दिलवा दीजिए। और हां काम पूरा करने के लिए दस लाख मोहरें भी दिलवा दीजिए। एक साल के बाद उनको तारों की संख्या के साथ पृथ्वी का सही माप भी मिल जाएगा।' राजा ने कहा अगर नाकामी हाथ लगी तो गोपाल का सिर कलम होगा, उसका नहीं। गोपाल के कहे अनुसार राजा ने नवाब को संदेशा भिजवाया। साल भर उन दस लाख रुपयों से गोपाल ने खूब ऐशो-आराम किया। बेहतरीन पोशाक और स्वादिष्ट भोजन का उपभोग किया। महलों, हाथी आदि जो किसी भी राजा के पास होते हैं, वह सब कुछ उसने जुटा लिया। वर्ष भर उसने बड़े ही आराम से व्यतीत किया और वर्ष के अंत में राजा के पास दो गिलट के और तांबे के सिक्के खनखनाते हुए पहुंचा और बोला,'अन्नदाता जितना मैंने सोचा था, यह काम तो उससे बहुत ही मुश्किल निकला। अभी तक का परिणाम संतोषजनक है, पर मुझे एक वर्ष का और मोहलत चाहिए। और साथ ही में दस लाख रुपए भी।'

न चाहते हुए भी मामला नवाब तक पहुंचाना पड़ा। नवाब ने भी आधे-अधूरे मन से एक साल की मोहलत दे दी। गोपाल ने दूसरा साल भी पूरे ठाट-बाट से बिताया।

अगले बरस गोपाल पांव घसीटते हुए नवाब के महल की ओर बढ़ रहा था और उसके पीछे पंद्रह बैलगाड़ियां थीं। बैलगाड़ियां कटे-फटे रेशमी धागों से भरी हुई थी। बैलगाड़ियों के पीछे पांच मोटी-ताजी भेड़ भी बंधी थीं।

नवाब से मिलने की इजा ात मिलते ही वो अपने काफिले के साथ महल में आया। और बोला,'हुजूर आपके फरमान के अनुसार मैंने धरती नाप ली और तारे भी गिन लिए।' 'शाबाश! तो बताओ मुझे सही आंकड़े।' 'आंकड़े? आंकड़ों की तो कोई बात नहीं हुई थी। मैंने तो वही किया जिसका हुक्म आपने फरमाया था। पृथ्वी की लम्बाई अगली सात बैलगाड़ियों में मौजूद धागों के बराबर हैं और उसकी चौड़ाई पिछली आठ गाड़ियों में भरे धागों के बराबर है। बैलगाड़ियों के पीछे बंधी भेडों के शरीर पर मौजूद बालों के बराबर ही आकाश में तारे हैं। बिलकुल उतने ही बालों वाली भेड़ों को खोजने में कितनी मेहनत लगी है यह तो मैं जानता हूं या फिर ऊपर वाला।' नवाब ने कहा,'नामुमकिन! न तो मैं धागे की लम्बाई की मालूम कर सकता हूं और न ही भेड़ों के बाल ही गिन सकता हूं।' काफी सोचने के बाद गोपाल की बात का कोई जवाब नहीं मिला तो उसकी बात पर यकीन कर लिया। कुछ देर नवाब बोला, 'जो भी हो, तुमने अपने काम को पूरा तो कर ही लिया है। ये रहा तुम्हारा इनाम दस लाख रुपए।'

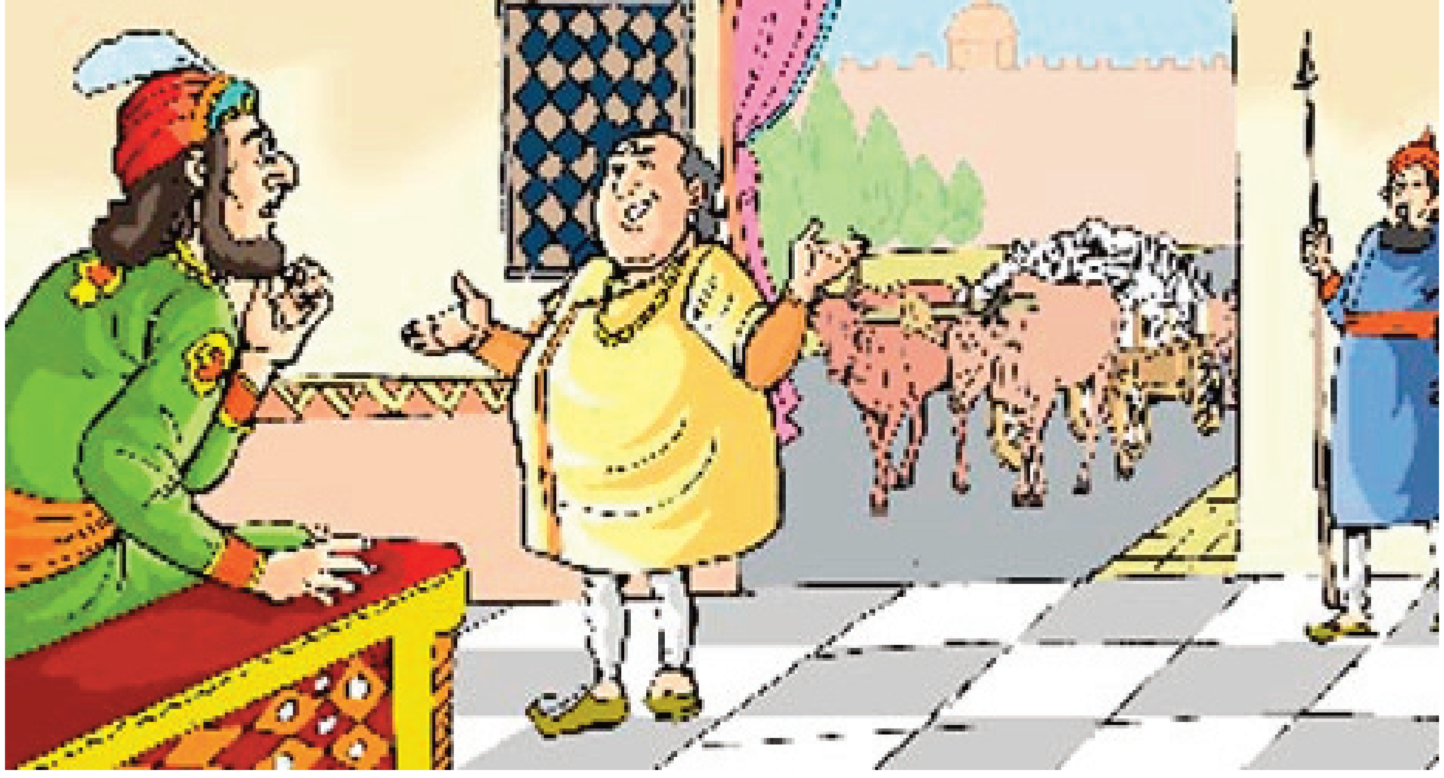

रंग भरो

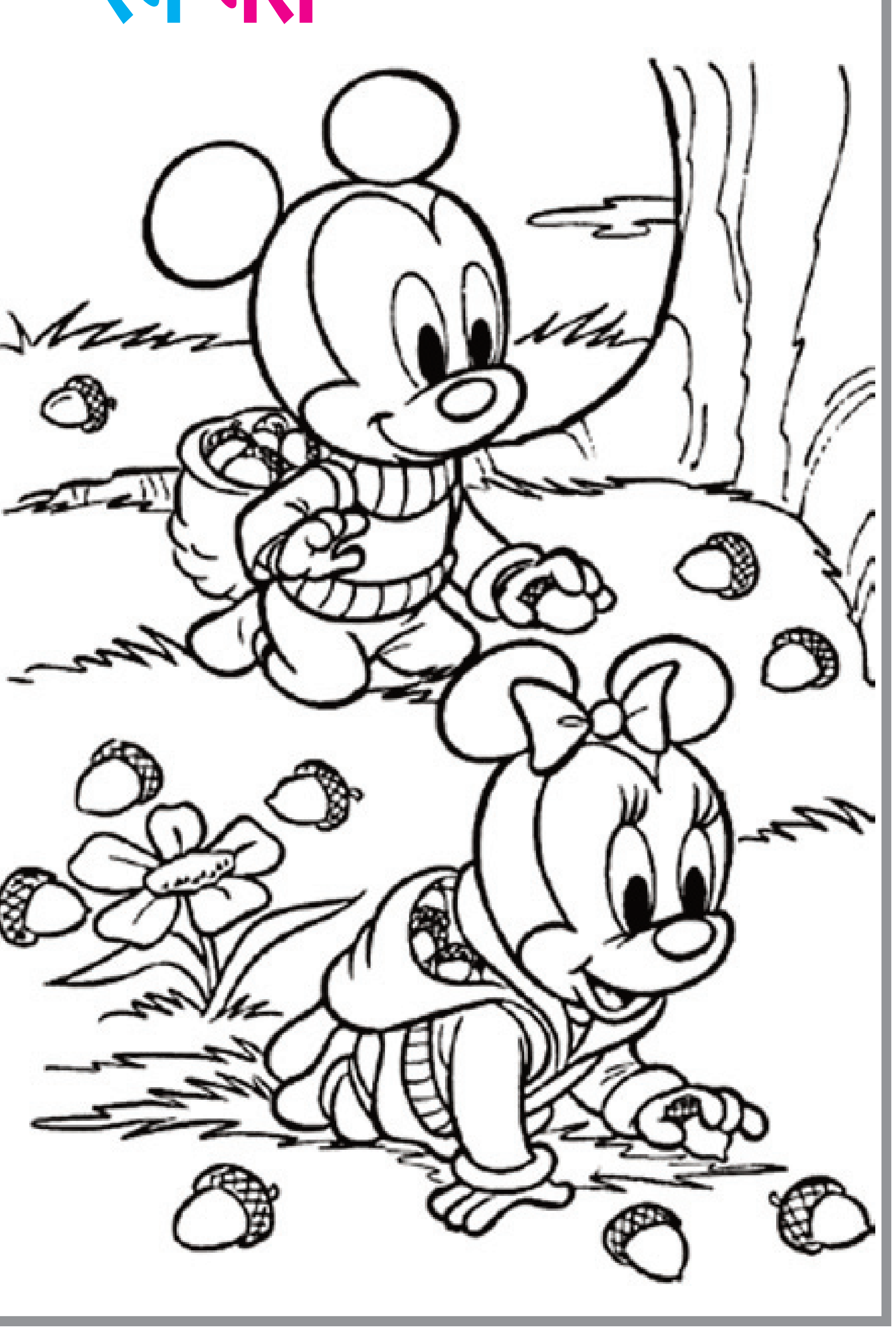

बलोच लिबरेशन आर्मी ने जामरान में पाक सेना को रसद पहुंचाने पर पाबंदी लगाई

क्वेटा,11 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान से आजादी की मांग को लेकर सशस्त्र विद्रोह कर रही बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने रणनीतिक रूप से बड़ा फैसला किया है। बीएलए ने ज़मरान को नियंत्रण में लेने के लिए पहुंची पाकिस्तानी सेना को रसद पहुंचाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। चेतावनी दी गई है कि अगर रसद पहुंचाने में कोई स्थानीय निवासी पाया जाता है कि वह अपने अंजाम के लिए खुद जिम्मेदार होगा।

रिपोर्ट के अनुसार, बलोच लिबरेशन आर्मी के प्रवक्ता जैंद बलोच ने मीडिया को जारी बयान में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उनके लड़ाकों ने कुल्लवाह, जमरान और बिलिडा में पाकिस्तानी सेना, उसके आपूर्ति वाहन और एक उपकरण को निशाना बनाया। प्रवक्ता ने बताया कि कोलवाह के दुंदर इलाके में लड़ाकों ने रिमोट कंट्रोल से आईईडी हमला करके पाकिस्तानी सेना के पैदल सैनिकों को निशाना बनाया। परिणामस्वरूप पाकिस्तानी सेना के तीन जवान मौके पर मारे गए।

उन्होंने कहा कि बिलिडा में लड़ाकों ने पाकिस्तानी सेना के तथाकथित मौत दस्ते के सदस्य दादिन पुत्र यालान को उसके घर पर हमला करके मार डाला। प्रवक्ता ने कहा कि ज़मरान के सबुनी इलाके में रिमोट कंट्रोल आईईडी हमले में पाकिस्तानी सेना के लिए सामान ले जा रहे एक वाहन को उड़ा दिया गया। प्रवक्ता ने कहा, हमने यह भी देखा है कि ज़मरान में कुछ निजी वाहन मालिक पाकिस्तानी सेना को रसद पहुंचाते हैं। बलोच लिबरेशन आर्मी स्पष्ट करती है कि ऐसा करना अपराध है। लड़ाके इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। उल्लेखनीय है कि बीएलए का संकल्प बलोच लोगों के लिए स्वतंत्र राज्य की स्थापना करना है। बीएलए ने चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे जैसे बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर काम कर रहे चीनी नागरिकों को भी निशाना बनाया है।

बीएलए का दावा है कि पाकिस्तानी सरकार बलूचिस्तान के प्राकृतिक संसाधनों (गैस, कोयला, खनिज) का शोषण करती है। बीएलए, बलोचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) और बलोचिस्तान रिपब्लिकन आर्मी (बीआरए) जैसे अन्य बलोच समूहों के साथ काम करती है। बलोचिस्तान में विद्रोह और हिंसा का इतिहास दशकों पुराना है।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका के टेनेसी सैन्य संयंत्र में विस्फोट, 19 लोग लापता, सभी की मौत होने की आशंका

वाशिंगटन। अमेरिका के टेनेसी राज्य के ग्रामीण क्षेत्र की एक पहाड़ी पर स्थित टेनेसी सैन्य गोला-बारूद संयंत्र में हुए विस्फोट के दौरान 19 लोग लापता हो गए। अधिकारियों ने सभी की मौत हो जाने की आशंका जताई है। ता हो गए और उनके मारे जाने की आशंका है। हम्फ्रीज काउंटी के शेरिफ क्रिस डेविस के अनुसार, सेना को गोला-बारूद की आपूर्ति करने वाली कंपनी एक्यूरेट एनर्जेटिक सिस्टम्स के परिसर में हुए विस्फोट की आवाज से इलाका दहल गया। रिपोर्ट के अनुसार, कोई भी अधिकारी यह बताने को तैयार नहीं है कि इस त्रासदी में कितने लोग मारे गए हैं। सभी का यही कहना है कि 19 लोग लापता हैं। इनके जीवित होने की गुंजाइश रत्ती भर नहीं है। शेरिफ ने कहा कि संयंत्र जलकर राख हो चुका है। यह विस्फोट 10 अक्टूबर को स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 7:45 बजे हुआ। लोगों ने बताया कि उन्होंने मीलों दूर से विस्फोट की आवाज सुनी। एक्यूरेट एनर्जेटिक सिस्टम्स कंपनी की वेबसाइट के अनुसार, वह नैशविले से लगभग 97 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में बक्सनॉर्ट क्षेत्र की पहाड़ियों पर फैले आठ इमारतों वाले प्रतिष्ठान में विस्फोटक बनाती और उनका परीक्षण करती है। संयुक्त राज्य अमेरिका सेना संघ के अनुसार, इस कंपनी के ग्राहकों में रक्षा विभाग और होमलैंड सुरक्षा विभाग शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट स्थानीय समयानुसार सुबह 7:45 बजे हुआ और इस सुविधा की एक इमारत नष्ट हो गई। टेनेसी के गवर्नर बिल ली ने कहा कि वह इस दुखद घटना पर नजर रख रहे हैं। हम्फ्रीज काउंटी आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी के प्रवक्ता ग्रे कोलियर के अनुसार, अब कोई और खतरा नहीं है और घटनास्थल पर स्थिति नियंत्रण में है।

पसंदीदा सेलिब्रिटी की तरह दिखने की चाहत बनी जानलेवा

बीजिंग। अपने पसंदीदा सेलिब्रिटी की तरह दिखने की चाहत चीन में एक लडकी के लिए जानलेवा साबित हो गई। 20 साल की इस लडकी को डॉक्टर ने किडनी में सूजन (नेफ्राइटिस) बताया है। जानकारी के

अनुसार, युवती ने बार-बार बालों में हेयर डाई कराई, जिसके कुछ ही महीनों में उसके पैरों पर लाल धब्बे उभर आए, जोड़ों में दर्द और पेट में ऐंठन की शिकायत होने लगी। जब लक्षण बढ़े तो उसने डॉक्टर से संपर्क किया, जहां जांच के बाद पता चला कि उसकी किडनी में सूजन (नेफ्राइटिस) हो चुकी है। यह मामला यह दर्शाता है कि ब्यूटी और ग्लैमर की चाहत में इस्तेमाल किए जाने वाले कई प्रोडक्ट्स स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकते हैं। डॉ. ताओ चेनयांग के अनुसार, युवती हर महीने सैलून जाती थी और अपने फेवरेट सेलिब्रिटी की तरह हेयर डाई करवाती थी। लगातार और जल्दी-जल्दी डाई कराने से उसके शरीर में हानिकारक केमिकल्स का जमाव हो गया, जिसने धीरे-धीरे किडनी की कार्यक्षमता को प्रभावित कर दिया। डॉक्टरों ने बताया कि हेयर डाई में मौजूद कुछ केमिकल्स शरीर के अंदर जाकर ब्लड के जरिए अंगों तक पहुंच जाते हैं और वहां सूजन, एलर्जी या टॉक्सिक रिएक्शन पैदा कर सकते हैं।

ड्रैगन ने शुरु किया ग्रिड मैनेजमेंट सिस्टम..........जाने कैसे करेगा काम

बीजिंग। चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) द्वारा समाज पर अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए एक हाईटेक प्रयोग किया जा रहा है। इस ग्रिड मैनेजमेंट सिस्टम बताया जा रहा है। इस ग्रिड मैनेजमेंट सिस्टम का मुख्य मकसद गांव से लेकर शहरों तक समाज पर पार्टी की पकड़ और निगरानी मजबूत

करना। राष्ट्रपति शी जिनपिंग का निर्देश हैं कि छोटी समस्याएं गांव से बाहर न जाएं और बड़ी समस्याएं शहर से बाहर न जाएं। पूरे चीन को 10 लाख से अधिक ग्रिडों में विभाजित किया गया है। हर ग्रिड में औसतन 1,000 नागरिक होते हैं। प्रत्येक ग्रिड की देखरेख के लिए दो अटेंडेंट नियुक्त किए जाते हैं। अटेंडेंट मोबाइल ऐप का उपयोग करके सामाजिक गतिविधियों, विवादों और ज़रूरतों की रिपोर्ट अपलोड करते हैं। इतना ही नहीं हर गली, हर नागरिक और हर छोटे विवाद पर नजर रखी जाती है। हर नागरिक की डिजिटल फ़ाइल तैयार होती है। ग्रिड स्क्रीन पर गरीब, मानसिक रूप से बीमार और नशे के आदी लोगों जैसे विशेष निगरानी की जरूरत वाले लोगों की पहचान दर्ज होती है। स्थानीय समाधान: सरकारी मीडिया के अनुसार, शेडोंग प्रांत के शियाजिन काउंटी में पिछले साल 63,000 शिकायतों में से 98 प्रतिशत मामलों का निपटारा मौके पर ही कर दिया गया।

अमेरिका में शटडाउन का 10वां दिन, चार हजार से ज्यादा संघीय कर्मचारियों को छंटनी का नोटिस

वाशिगटन,11 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अमेरिका में सरकारी शटडाउन का अब तक कोई हल नहीं निकल पाया है। 10वें दिन शुक्रवार को चार हजार से ज्यादा संघीय कर्मचारियों को छंटनी के नोटिस भेजे गए। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा कि छंटनी के नोटिस भेजने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। उधर, इस मसले पर कैपिटल हिल में गतिरोध जारी है। सरकार को उबारने के डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन प्रस्ताव गुरुवार को सीनेट में आगे नहीं बढ़ पाए।

रिपोर्ट के अनुसार, हाउस स्पीकर माइक जॉनसन ने कहा कि वह सरकारी शटडाउन के बीच सदन में कोई अलग विधेयक पारित नहीं कराएंगे। इस बीच ट्रंप प्रशासन ने माना है कि संघीय एजेंसियों ने सरकारी शटडाउन के दौरान कर्मचारियों की संख्या में कमी (आरआईएफ) के नोटिस भेजे हैं। अमेरिकन फेडरेशन ऑफ गवर्नमेंट एम्प्लॉइज और एएफएल-सीआईओ ने शटडाउन के खिलाफ दायर एक संयुक्त मुकदमे में दावा किया है कि प्रबंधन एवं बजट कार्यालय ने कहा है कि सात संघीय एजेंसियों के 4,000 से अधिक कर्मचारियों को छंटनी के नोटिस मिले हैं।

संगठन ने कहा कि शुक्रवार शाम तक, वित्त मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग और शिक्षा विभाग ने सबसे अधिक नोटिस भेजे हैं। दावे के अनुसार, निम्नलिखित प्रतिवादी एजेंसियों ने से विनियोजन में चूक से संबंधित आरआईएफ नोटिस जारी करना शुरू कर दिया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पुष्टि की कि सरकारी शटडाउन के बीच शुक्रवार को संघीय कर्मचारियों की बड़े पैमाने पर छंटनी शुरू हो गई है। इससे पहले, व्हाइट हाउस के प्रबंधन एवं बजट कार्यालय (ओएमबी) के निदेशक रस वॉट ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा था, आरआईएफ शुरू हो गए हैं।

ट्रंप ने कहा है कि इस स्थिति के लिए डेमोक्रेट्स जिम्मेदार हैं। उधर, सीनेट विनियोजन समिति की अध्यक्ष रिपब्लिकन सीनेटर सुसान कॉलिन्स ने शुक्रवार को जारी ताजा बयान में संघीय कर्मचारियों को बर्खास्त करने के ओएमबी निदेशक रस वॉट के फैसले की तीखी आलोचना की। उन्होंने कहा, मैं ओएमबी निदेशक रस वॉट के कर्मचारी विरोधी प्रयास का कड़ा विरोध करती हूं। उन्होंने कहा कि ऐसे फैसलों से पूरे देश में परिवारों को नुकसान होता है। अमेरिका के 800,000 से ज्यादा संघीय कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले अमेरिकन फेडरेशन ऑफ गवर्नमेंट एम्प्लॉइज (एएफजीई) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवरेट केली ने भी इसके लिए ट्रंप प्रशासन की कड़ी आलोचना की है। केली ने एक बयान में कहा, संघीय कर्मचारी निर्वाचित और गैर-निर्वाचित नेताओं के राजनीतिक और व्यक्तिगत लाभ के लिए मोहरे के रूप में इस्तेमाल किए जाने से थक चुके हैं। अब समय आ गया है कि कांग्रेस अपना काम करे। उन्होंने कहा, एएफजीई के 93 वर्षों के अस्तित्व में कई राष्ट्रपति आए और गए मगर किसी ने भी सरकारी शटडाउन के दौरान कर्मचारियों को नौकरी से निकालने का फैसला नहीं किया है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में पुलिस प्रशिक्षण केंद्र पर टीटीपी का हमला, भीषण गोलीबारी में कम से कम सात की मौत

इस्लामाबाद,11 अक्टूबर (एजेंसियां)।

प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने खैबर पख्तूनख्वा के डेरा इस्माइल खान में शुक्रवार रात पुलिस प्रशिक्षण केंद्र को निशाना बनाया। इस दौरान रुक-रुक कर पांच विस्फोट हुए। टीटीपी के लड़ाकों और सुरक्षाबलों के बीच करीब तीन घंटे तक भीषण गोलीबारी हुई। इस संघर्ष में सात लोगों की जान चली गई। टीटीपी ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है।

पुलिस और सुरक्षा बलों ने हमले को नाकाम करते हुए कम से कम तीन विद्रोहियों को मार गिराया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, सात-आठ हथियारबंद हमलावर रात करीब आठ बजे मुख्य द्वार से प्रशिक्षण केंद्र में घुसे। घुसते ही अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दिया। इस दौरान रॉकेट लॉन्चर और स्वचालित हथियारों का इस्तेमाल किया।

पुलिस ने बताया कि बख्तरबंद वाहन, विशेष इकाइयां और अल-बुराक बल के जवानों को तुरंत भेजा गया। सुरक्षा बलों ने परिसर के अंदर हमलावरों को घेर लिया। सदर थाना के एसएचओ आफताब ने बताया कि तीन घंटे से अधिक समय तक हुई गोलीबारी में तीन हमलावर मारे गए। आसपास के लोगों ने कहा कि उन्हें तेज धमाकों की आवाज सुनी। पहला धमाका इतना शक्तिशाली था कि आसपास की इमारतें हिल गईं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह हमला उस समय हुआ जब पूर्व मुख्यमंत्री अली अमीन खान गंडापुर पेशावर से डेरा इस्माइल खान लौट रहे थे। विस्फोटों की आवाज से उनके काफिले में दहशत फैल गई। अधिकारियों ने बताया कि कम से कम पांच पुलिस अधिकारी गोली लगने से घायल हुए हैं। उन्हें अस्पताल ले जाया गया। घायलों की हालत स्थिर है। इस बीच, जिला मुख्यालय अस्पताल के चिकित्सा अधिकारियों ने बताया कि अब तक सात शव लाए जा चुके हैं। ग्यारह अन्य का इलाज चल रहा है, जबकि एक की हालत गंभीर बनी हुई है। कार्यवाहक सीनेट अध्यक्ष सैयदाल खान ने हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है।

बैक्टीरियल इंफेक्शन भी बन सकता है दिल के दौरे का कारण

वाशिंगटन। बैक्टीरियल इंफेक्शन भी दिल के दौरे का कारण बन सकता है। यह खुलासा किया है फिनलैंड और यूनाइटेड किंगडम के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए संयुक्त अध्ययन में। इसे हृदय रोग उपचार की दिशा में एक अहम उपलब्धि माना जा रहा है। अब तक दिल के दौरे (हार्ट अटैक) को कोलेस्ट्रॉल और धमनी में ब्लॉकेज का परिणाम माना जाता था, लेकिन एक नई वैज्ञानिक खोज ने इस धारणा को बदल दिया है। शोधकर्ताओं का कहना है कि इस खोज से भविष्य में दिल की बीमारियों के इलाज, जांच और यहां तक कि वैक्सीन विकास के नए रास्ते खुल सकते हैं। अब तक यह माना जाता था कि कोरोनरी आर्टरी डिजीज केवल ऑक्सीडाइज्ड एलडीएल कोलेस्ट्रॉल के कारण होती है। शरीर इस कोलेस्ट्रॉल को बाहरी पदार्थ समझकर प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया शुरू कर देता है, जिससे धीरे-धीरे धमनी में प्लेक यानी ब्लॉकेज बनने लगता है। हालांकि वैज्ञानिकों को लंबे समय से शक था कि इस प्रक्रिया में बैक्टीरिया की भूमिका भी हो सकती है, लेकिन अब तक कोई ठोस प्रमाण नहीं मिला था।

इमरान की पत्नी और बहन की सियासी चालों से कैसे हार गए अमीन

इस तरह खैबर पख्तूनख्वा के सीएम की छिनी कुर्सी

इस्लामाबाद,11 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के पूर्व पीएम और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान अदिलाया जेल में बंद है और वहीं से उन्होंने आदेश दिया है कि पीटीआई के अकेले सीएम को पद से हटा दिया जाए। खैबर पख्तूनख्वा के सीएम, अली अमीन गंडापुर राजनीतिक रूप से ताकतवर नेता रहे हैं लेकिन वह इमरान खान की जिंदगी की दो अहम महिलाओं उनकी पत्नी बुशरा बीबी और बहन अलीमा खान से साथ ताकत की लड़ाई में हार गए और उन्हें इस्तीफा देना पड़ा।

बुशरा बीबी और अलीमा खान की आपस में कभी नहीं बनी लेकिन अमीन को हटाने के लिए दोनों साथ आ गईं जिसके बाद खैबर पख्तूनख्वा सीएम ने पद से इस्तीफा दे दिया है। अमीन गंडापुर ने बुधवार को खैबर पख्तूनख्वा का सीएम पद छोड़ने की घोषणा करते हुए एक्स पर लिखा था कि मेरे नेता इमरान खान के आदेशों का सम्मानपूर्वक पालन करते हुए, मेरे लिए यह गर्व की बात है कि मैं खैबर पख्तूनख्वा के सीएम पद से अपना इस्तीफा दे रहा हूं। अमीन गंडापुर की जगह अब केपी का सीएम 35 साल के सोहैल आफरीदी को बनाया जाएगा। आफरीदी कबायली इलाकों से आते हैं और उनके पास इकोनॉमिक्स में मास्टर्स डिग्री है। यह इस्तीफा

ऐसे वक्त में हुआ है जब पीटीआई में दरार पड़ी हुई है। इमरान खान 2023 से जेल में हैं और पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार के खिलाफ अकेले मजबूत विपक्ष बने हुए हैं। अमीन गंडापुर के इस्तीफा देने के बाद, पाकिस्तानी अखबार ने बताया कि वो अलीमा खान पर पीटीआई में दरार डालने का आरोप लगा रहे थे और शक्ति संघर्ष में उन्हें इमरान खान की बहन से हार का सामना करना पड़ा। यह भी बताया गया कि अमीन ने पिछले साल के इस्लामाबाद विरोध मार्च में बुशरा बीबी को नाराज कर दिया था। पिछले साल जब पीटीआई नेतृत्व ने 26 नवंबर को इस्लामाबाद में विरोध मार्च करने का फैसला लिया तब अमीन गंडापुर ने मार्च को एक जगह रोकने की कोशिश की थी। उन्होंने मार्च को संगजानी में रोकने की मांग की थी क्योंकि उन्हें डर था कि इससे हिंसा हो सकती है, लेकिन बुशरा बीबी ने साफ कह दिया था कि मार्च वहां से गुजरेगा।

पीटीआई के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि बुशरा बीबी ने फैसला कर लिया था कि मार्च डी-चौक तक कैसे भी पहुंचेगा और गंडापुर की आपत्तियों को नजरअंदाज कर दिया गया। यह पहली बार था जब बुशरा बीबी ने पीटीआई के इतने लोकप्रिय नेता की बात को काट दिया था। राजनीति से दूर रहने वाली बुशरा बीबी पति इमरान खान के जेल जाने के बाद से ही सक्रिय हैं। राजनीतिक मामलों में नई होने के बावजूद, इमरान खान उनपर काफी यकीन करते हैं और बुशरा इसका पूरा फायदा उठा रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक केपी के नए सीएम बनने वाले सोहैल आफरीदी बुशरा बीबी की पसंद हैं।

रिपोर्ट में कहा गया कि अमीन गंडापुर को हटाने का फैसला इमरान ने पिछले नवंबर में विरोध प्रदर्शनकारियों को छोड़ने के बाद ही कर लिया था। गंडापुर ने जेल में इमरान से मुलाकात कर उनसे वक्त मांगा लेकिन पार्टी पर उनकी पकड़ सीमित होती गई और आखिरकार उन्हें इस्तीफा देना पड़ा। हाल ही में अमीन ने इमरान की बहन अलीमा खान के साथ भी विवाद मोल ले लिया था।

एक वरिष्ठ पीटीआई नेता ने कहा कि अलीमा खान के खिलाफ बयान देने के बाद अमीन गंडापुर के पास इस्तीफे के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा था। इमरान खान की बहन पर आरोप लगाने के बाद अमीन को पार्टी में काफी फजीहत का सामना करना पड़ा था, कार्यकर्ता उनसे दूरी बनाने लगे और उनके लिए लड़ना बंद कर दिया था।

सेना के लिए गोला-बारूद बनाने वाली फैक्ट्री में ब्लास्ट, 19 लोगों की मौत की आशंका

न्यूयॉर्क,11 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका के टेनेसी में एक सैन्य विस्फोटक संयंत्र में जोरदार धमाका हुआ। इस विनाशकारी धमाके में 19 लोगों के मारे जाने या लापता होने की खबर सामने आ रही है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ ने अमेरिकी मीडिया के हवाले से बताया कि हम्फ्रीज काउंटी के शेरिफ क्रिस डेविस ने शुक्रवार दोपहर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैं आपको बता सकता हूं कि 19 लोग लापता हैं।

डेविस ने इस घटना को अब तक देखी गई सबसे विनाशकारी जगहों में से एक बताया और कहा, इसके बारे में बताने के लिए कुछ भी नहीं है, यह सब खत्म हो गया है। उन्होंने कहा कि विस्फोट का मलबा आधा वर्ग मील फैला हुआ है। पीड़ित परिवार के ऊपर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है और यह पता लगाया जा रहा है कि आखिर इस धमाके की वजह क्या है। वहीं डेविस ने बताया कि जांच में कुछ

समय लग सकता है। इस मामले से संबंधित कई एजेंसियां मिलकर यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि क्या हुआ।

डेविस ने शुक्रवार सुबह एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यह धमाका स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 7:45 बजे हुआ। कुछ लोग मारे गए हैं। हिकमैन काउंटी के मेयर जिम बेट्स ने शुक्रवार को एबीसी न्यूज को बताया कि कम से कम 13 लोगों का पता नहीं चल पाया है।

शेरिफ कार्यालय ने बताया कि कई एजेंसियां घटनास्थल पर पहुंच गई हैं और आग का आकलन करने और उसे नियंत्रित करने के लिए काम कर रही हैं। उन्होंने यह भी कहा है कि दूसरे विस्फोटों की आशंका के कारण एजेंसियां फिलहाल उस क्षेत्र में जाने से बच रही हैं। डेविस ने बताया कि धमाके के बाद घटना की जांच में अल्कोहल, तंबाकू, फायरआर्म और विस्फोटक ब्यूरो, होमलैंड सुरक्षा और टेनेसी ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलिया दौरे में संगकारा का रिकार्ड तोड़ सकते हैं विराट

नयी दिल्ली,11 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के पास ऑस्ट्रेलिया दौरे में एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम करने का अवसर है। इस दौरे में विराट अगर 54 रन बना लेते हैं तो वह एकदिवसीय में सबसे अधिक रनों के मामले में दूसरे नंबर पर चल रहे पूर्व श्रीलंकाई बल्लेबाज कुमार संगकारा का रिकॉर्ड तोड़ देंगे और इसके साथ ही शीर्ष पर कायम सचिन तेंदुलकर के रिकार्ड के भी करीब पहुंच जाएंगे। एकदिवसीय में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में दूसरे नंबर पर संगकारा हैं। संगकारा ने 404 एकदिवसीय मैचों में 41.99 की औसत से 14234 रन बनाए हैं। वहीं विराट के 302 मैचों में 14181 रन हैं। इस प्रकार विराट और संगकारा के बीच महज 54 रनों का अंतर रह गया है। विराट एकदिवसीय में सबसे अधिक शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने इस प्रारुप में अब तक उन्होंने कुल 50 शतक लगाये है वहीं सचिन के नाम 49 शतक हैं। हालांकि, रनों के मामले में फिलहाल वह सचिन से पीछे हैं। सचिन ने 463 मैचम में 18426 रन बनाये हैं । इस प्रकार दोनो के बीच का अंतर चार हजार से भी अधिक है।

कोहली का ऑस्ट्रेलिया में काफी अच्छा रिकार्ड रहा है। साल 2009 से लेकर 2025 तक उन्होंने ऑस्ट्रेलिय के खिलाफ कुल 50 एकदिवसीय मैच खेलते हुए 54.46 की औसत और 93.69 की स्ट्राइक रेट से 2451 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 8 शतक और 15 अर्धशतक लगाये हैं।

रोहित को कप्तानी से हटाया जाना बदलाव की प्रकिया : गांगुली

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि रोहित शर्मा को कप्तानी से हटाया जाना एक सामान्य प्रकिया है जिससे बेवजह मुद्दा बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ये सभी के साथ होता है पहले मेरे साथ हुआ, फिर द्रविड़ के साथ हुआ और अब रोहित के साथ हुआ है। आगे भी ये होता रहेगा। गांगुली के अनुसार इसे हटाया जाना नहीं माना जाना चाहिये है। उन्होंने कहा कि रोहित एक अच्छे नेतृत्वकर्ता रहे हैं। उनकी कप्तानी में टीम ने टी20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी जीती है। रोहित को कप्तानी न देना प्रदर्शन से जुड़ा नहीं है। ये बढ़ती उम्र का मामला है। अगले विश्वकप 2027 में वह 40 वर्ष के होगों। खेल में ये एक बड़ा नंबर है। अभी नये कप्तान बने शुभमन गिल भी भविष्य में इसी का सामना करेंगे। शुभमन को कप्तानी दिया जाना सही उन्होंने कहा कि शुभमन को टेस्ट के बाद एकदिवसीय में भी कप्तानी दिये जाने का फैसला सही है। उन्होंने इंग्लैंड में कप्तान के तौर पर अपने को साबित किया है। इसलिए भविष्य को देखते हुए एक युवा कप्तान को तैयार करना सही रणनीति है। इस दौरान टीम में उन्हें रोहित के अनुभवों का भी लाभ मिलेगा।

न्यूज़ ब्रीफ

बनारस के गौरव मौर्या आईटीबीपी ने जीता स्वर्ण पदक, पुलिस गेम्स में शानदार प्रदर्शन

वाराणसी। जूडो क्लस्टर गेम में वाराणसी के गौरव मौर्या ने शहर का मान बढ़ाया है। जम्मू एवं कश्मीर पुलिस की ओर से आयोजित 10वीं अखिल भारतीय पुलिस गेम्स (जूडो क्लस्टर) में गौरव मौर्या (आईटीबीपी) ने कराटे स्पर्धा के कुमिते 60 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर बड़ी उपलब्धि हासिल की । गौरव ने क्वार्टर फाइनल में उत्तराखंड पुलिस को 5-7 से, सेमीफाइनल में असम राइफल्स को 6-7 से, और फाइनल में सीआरपीएफ के खिलाड़ी को 6-8 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस प्रतियोगिता की तैयारी के लिए गौरव ने ओडिशा में आयोजित नेशनल कैंप में दिन-रात कठिन अभ्यास किया। गौरव ने बताया कि इस सफलता के पीछे उनके परिवार, कोच और टीम के सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान है। बता दें ,गौरव की जीत से भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) बल और वाराणसी का नाम पूरे प्रदेश में गर्व से ऊँचा हुआ है।

मेसी की गैरमौजूदगी में भी अर्जेंटीना की आसान जीत, वेनेजुएला को 1-0 से हराया

मियामी। लियोनेल मेसी की अनुपस्थिति के बावजूद अर्जेंटीना ने मियामी में खेले गए एक अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में वेनेजुएला को 1-0 से पराजित किया। विश्व चैंपियन अर्जेंटीना के लिए मैच का एकमात्र गोल 31वें मिनट में जियोवानी लो सेल्सो ने किया। यह गोल शानदार टीम संयोजन का नतीजा था, जिसमें जूलियन अल्वारेज़ और लाउटारो मार्टिनेज की बेहतरीन साझेदारी शामिल रही। लो सेल्सो ने वेनेजुएला के गोलकीपर जोसे कॉन्ट्रेरास को सटीक लेफ्ट-फुट शॉट से मात दी। मैच हार्ड रॉक स्टेडियम में खेला गया, जहां 65,000 की क्षमता वाले स्टेडियम में मात्र 15,000 दर्शक मौजूद थे। इंटर मियामी के स्टार मेसी दर्शकदीर्घा से यह मुकाबला देखते नजर आए। अर्जेंटीना की ओर से अल्वारेज़ और मार्टिनेज ने लगातार आक्रामक खेल दिखाया, जबकि फुलबैक नाहुएल मोलिना ने भी प्रभावित किया। यह मुकाबला अंतरराष्ट्रीय ब्रेक के दौरान फ्लोरिडा में अर्जेंटीना के दो अभ्यास मैचों में से पहला था। विश्व चैंपियन टीम अब अगला मैच मंगलवार को फोर्ट लॉडरडेल में प्यूर्टो रिको के खिलाफ खेलेगी। यह मैच मूल रूप से शिकागो के सोल्जर फील्ड में होना था, लेकिन अमेरिका में प्रवासियों पर सरकारी कार्रवाई के बीच इसे स्थानांतरित कर दिया गया।

नेशनल जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिपः हिमांशु जाखड़ ने नीरज चोपड़ा का रिकॉर्ड तोड़ा

भुवनेश्वर। एशियाई अंडर-18 चैंपियन हिमांशु जाखड़ ने कलिंगा स्टेडियम में चल रही नेशनल जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा का 11 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस शानदार प्रदर्शन के साथ हिमांशु ने 2026 वर्ल्ड अंडर-20 चैंपियनशिप के लिए भी क्वालिफाई कर लिया। सऊदी अरब में अप्रैल में हुई एशियाई चैंपियनशिप में 67.57 मीटर का थ्रो कर स्वर्ण पदक जीतने वाले हिमांशु ने इस बार जबरदस्त सुधार दिखाते हुए पुरुष अंडर-18 क्वालिफिकेशन राउंड में 79.96 मीटर का थ्रो दर्ज किया। यह न केवल वर्ल्ड अंडर-20 क्वालिफिकेशन मार्क (68.50 मीटर) से कहीं बेहतर था, बल्कि नीरज चोपड़ा के 2014 में विजयवाड़ा में बनाए गए 76.50 मीटर के रिकॉर्ड से भी तीन मीटर अधिक रहा। इसी प्रतियोगिता में मोहित चौधरी ने अंडर-20 पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में 14:09.71 सेकंड का समय लेकर नया रिकॉर्ड बनाया। वहीं ऐलिस विकल ने अंडर-16 लड़कियों की शॉट पुट क्वालिफिकेशन में 13.26 मीटर का थ्रो कर अलका सिंह के राष्ट्रीय रिकॉर्ड (13.10 मीटर) को पीछे छोड़ दिया।

कप्तान गिल ने विराट के रिकॉर्ड की बराबरी की सचिन को छोड़ा पीछे, टेस्ट में जलवा कायम

नयी दिल्ली,11 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

शुभमन गिल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना 10वाँ टेस्ट शतक जड़कर कई बड़े रिकॉर्ड तोड़े, जिसमें WTC इतिहास में भारत के लिए सर्वाधिक शतक (10) का कीर्तिमान भी शामिल है। उन्होंने रोहित शर्मा के नौ शतकों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए दिल्ली में यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की, जो टेस्ट क्रिकेट में उनकी कप्तानी और शानदार फॉर्म को दर्शाता है।भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने आज नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ चल रहे दूसरे टेस्ट मैच में अपना 10वाँ टेस्ट शतक जड़ा। टेस्ट क्रिकेट में कप्तान बनने के बाद से ही वह लगातार रन बना रहे हैं। उनका नवीनतम शतक रिकॉर्ड तोड़ साबित हुआ क्योंकि गिल ने टेस्ट कप्तान के रूप में कई उपलब्धियाँ हासिल कीं और साथ ही विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) के इतिहास में भारत के लिए एक नया रिकॉर्ड भी बनाया। 26 वर्षीय यह खिलाड़ी अब विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) के इतिहास में भारत के लिए सबसे ज़्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। दिल्ली में वेस्टइंडीज़ के खिलाफ़ उनका शतक 10वाँ शतक बन गया, जिससे उन्होंने इस साल की शुरुआत में संन्यास लेने वाले रोहित शर्मा के विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में नौ शतकों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। इस बीच, शुभमन गिल ने एक साल में कप्तान के तौर पर सबसे ज़्यादा शतक लगाकर भारत के लिए विराट कोहली के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। अब वह 2025 में पाँच शतक लगाएँ, जबकि कोहली ने अपने करियर में यह अद्भुत उपलब्धि दो बार हासिल की है। उन्होंने 2017 और 2018 में टेस्ट कप्तान के तौर पर पाँच-पाँच शतक लगाए और 2016 में भी चार शतक बनाए। कोहली 2016 से 2018 तक अपने बेहतरीन बल्लेबाज़ी फॉर्म में थे।गिल की बात करें तो उन्होंने इस मामले में सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने 1997 में भारत के टेस्ट कप्तान रहते हुए चार शतक लगाए थे। इस मामले में रिकी पोंटिंग सबसे ऊपर हैं, जिन्होंने 2006 में सात शतक लगाए थे। शुभमन गिल ने टेस्ट क्रिकेट में अपने 10वें शतक के साथ कई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। 26 वर्षीय इस खिलाड़ी ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में कप्तान के रूप में अपना पाँचवाँ शतक जड़ा और पाकिस्तान के बाबर आज़म को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने टेस्ट क्रिकेट में अपने देश की कप्तानी करते हुए चार शतक बनाए थे। कुल मिलाकर, इंग्लैंड के कप्तान के रूप में 100 से अधिक के आठ स्कोर के साथ जो रूट इस सूची में शीर्ष पर हैं।

वैगनर जैसे गेंदबाज हैं सिराज : विलियमसन

मुम्बई। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने भारतीय टीम के युवा तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की जमकर प्रशंसा की है। विलियमसन ने कहा कि जिस प्रतिबद्धता और जुनून से वह खेलते हैं। वह उन्हें दूसरों से अलग बनाता है। टीम को जब भी उनकी जरुरत हुई उन्होंने उसके अनुरुप काम किया। इसी को देखते हुए विलियमसन ने सिराज की तुलना न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज नील वैगनर से की। वैगनर को टेस्ट में लंबे स्पैल के लिए जाना जाता था। वह अक्सर प्रतिद्वंद्वी टीम के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों की कड़ी परीक्षा लेते थे। विलियमसन ने कहा, ''न्यूजीलैंड में हमारे पास नील वैगनर जैसा ही एक खिलाड़ी था, जो हमेशा चुनौती स्वीकार करता था और कभी पीछे नहीं हटता था। सिराज उसी जज्बे को दर्शाते हैं।'' जसप्रीत विलियमसन ने कहा, ''मैं उन्हें उनके करियर के शुरुआती दौर से ही जानता हूं। मैंने उन्हें आईपीएल में सनराइजर्स के लिए खेलते हुए देखा था।'' उन्होंने कहा, ''जो चीज उन्हें सबसे अलग बनाती है, वह है टीम को पहले रखने की उनकी प्रतिबद्धता और वह जज्बा जिससे वह हर बार गेंदबाजी करना चाहते हैं। वह हमेशा लंबे स्पैल डालकर मैच का रुख बदलना चाहते है। उनका यह रवैया टीम में भी असर करता है और यह उनके मजबूत नेतृत्व गुणों को दर्शाता है।

संन्यास की घोषणा के बाद जोर्डी आल्बा ने कहा- मेरे लिए अब पीछे हटना ही सही है

फोर्ट लॉडरडेल,11 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

स्पेन और बार्सिलोना के दिग्गज डिफेंडर जोर्डी आल्बा ने फुटबॉल को अलविदा कहने का फैसला ले लिया है। इंटर मियामी के लिए खेल रहे आल्बा ने कहा कि उन्होंने दो साल और खेलने का सोचा था, लेकिन अंततः उन्होंने संन्यास लेना ही सही समझा।

आल्बा ने स्पेनिश में इंटर मियामी के ट्रेनिंग बेस पर पत्रकारों से कहा, मुझे लगता है कि यह सबसे सही फैसला है, शारीरिक रूप से मैं अभी भी अच्छा महसूस करता हूं, लेकिन ईमानदारी और निष्पक्षता इसी में है कि अब पीछे हट जाऊं। यह मेरा निजी फैसला है और मुझे पूरा विश्वास है कि यह सही है।

आल्बा इस सीज़न के अंत तक मेजर लीग सॉकर में इंटर मियामी के लिए खेलेंगे और फिर शानदार करियर को अलविदा कह देंगे। वह स्पेन की ओर से तीन फीफा विश्व कप (2014, 2018, 2022) में खेले और बार्सिलोना को छह ला लिगा खिताब, पांच कोपा डेल रे ट्रॉफियां और 2015 में चैंपियंस लीग जिताने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, मेरे लिए अब पीछे हटना ही सही है। मुझे अपने करियर पर गर्व है।

इंटर मियामी शनिवार को अटलांटा यूनाइटेड के खिलाफ मुकाबले के बाद आल्बा को विशेष विदाई देगा। क्लब में कुछ ही समय पहले सर्जियो बुस्केट्स ने भी सीज़न के अंत में संन्यास लेने की घोषणा की थी।

आल्बा ने इंटर मियामी के लिए अब तक सभी प्रतियोगिताओं में 95 मैच खेले हैं, जिनमें 14 गोल और 38 असिस्ट शामिल हैं। आल्बा, बुस्केट्स और लुईस सुआरेज़ ने लियोनेल मेसी के साथ बार्सिलोना में सुनहरा दौर जिया था और 2023 में मेसी के मेजर लीग सॉकर में आने के बाद तीनों ने इंटर मियामी जॉइन किया था।

मेसी ने इंस्टाग्राम पर लिखा, धन्यवाद जोर्डी। मैं तुम्हें बहुत मिस करूंगा। इतने सालों तक साथ खेलने के बाद अब मैदान पर बाईं ओर तुम्हें न देख पाना अजीब लगेगा। मेसी और आल्बा की जोड़ी फुटबॉल में अपनी अद्भुत समझ के लिए जानी जाती है।

सूर्यकुमार बोले मुम्बई इंडियंस में तैयार होते हैं तिलक जैसे खिलाड़ी

नई दिल्ली। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने आईपीएल फ्रेंचाइजी मुम्बई इंडियंस की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उससे मैच विजेता खिलाड़ी निकलते हैं। सूर्यकुमार ने कहा कि एशिया कप में शानदार पारी खेलने वाले तिलक वर्मा भी मुम्बई से ही निकले हैं। सूर्या के अनुसार मुम्बई इंडियंस किसी गुरुकुल की तरह है जो बेहतरीन खिलाड़ियों को तैयार करता है। मुम्बई से खेलने वाले तिलक ने एशिया कप के फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ 53 गेंदों में 69 रनों की नाबाद पारी खेलकर भारतीय टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस मैच में जब तिलक बल्लेबाजी के लिए आये तब भारतीय टीम परेशानी में थी और उसने 20 रनों पर ही तीन विकेट खो दिये थे। इसके बाद तिलक ने जबरदस्त पारी खेली। आईपीएल में मुम्बई की ओर से भी इसी प्रकार तिलक के कई बेहतरीन पारियां खेली हैं और उस अनुभवी का लाभ उन्हें एशिया कप में मिला। सूर्यकुमार ने तिलक की तारीफ करते हुए उनके शानदार प्रदर्शन का श्रेय मुंबई इंडियंस को दिया है। मुम्बई ने इसका एक वीडियो भी साझा किया है।

2026 फुटबॉल विश्वकप के लिए अर्जेंटीना की टीम को तैयार कर रहे कोच स्कालोनी

ब्यूनस आयर्स,11 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

अर्जेंटीना फुटबॉल टीम के कोच लियोनेल स्कालोनी ने कहा है कि वह 2026 में होने वाले विश्वकप के लिए टीम तैयार कर रहे हैं। इस के देखते हुए वह वेनेजुएला और प्यूर्टो रिको के खिलाफ आगामी मैत्री मुकाबलों में खिलाड़ियों को परखेंगे। स्कालोनी ने कहा कि अभी भी टीम में कुछ अच्छे खिलाड़यियों के लिए जगह है। स्कालोनी ने बताया है कि वह मैत्री मैचों का इस्तेमाल अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में संयुक्त रुप से होने वाले विश्व कप से पहले नए खिलाड़ियों को परखने के लिए करेंगे। स्कालोनी ने कहा, जाहिर है कि हम नए खिलाड़ियों को मौका देने की कोशिश करेंगे, यह देखने के लिए कि क्या वे टीम में शामिल किये जा सकते हैं। इन मुकाबलों में अलग-अलग खिलाड़ियों को आजमाया जाएगा। स्कालोनी ने स्वीकारा है कि अधिकांश विश्व कप टीम पहले ही तय हो चुकी है, लेकिन उन्होंने बताया कि अंतिम समय में कुछ बदलाव हो सकते हैं। उन्होंने कहा, आप नहीं कहा सकते कि कब बदलाव हो सकते हैं। भले ही हमारे पास एक मजबूत टीम है पर हमें नहीं पता आगे क्या हो सकता है। पिछले विश्व कप का अनुभव हमारे पास है, जब कुछ खिलाड़ी चोटिल होने के कारण अंतिक समय में बाहर हो गए थे। यह सही है कि टीम का अधिकांश हिस्सा तय है, लेकिन हम आने वाली किसी भी तरह के हालात के लिए तैयार रहना चाहते हैं। नए खिलाड़ी अब टीम में शामिल हुए हैं। अगर हमें लगेगा कि जरूरत है, तो आगे भी नए खिलाड़ियों को मौका दिया जाएगा।अर्जेंटीना ने साउथ अमेरिकन क्वालीफाइंग ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल करने के साथ ही पहले ही विश्वकप के लिए अपनी जगह बना ली है। स्कालोनी ने कहा कि उनकी टीम विश्व कप से पहले होने वाले सभी मुकाबलों को गंभीरता से लेगी।

1948 लंदन ओलंपिक का गोल्ड मेडल भारतीय हॉकी के लिए हमेशा खास रहेगा : हरमनप्रीत सिंह

नई दिल्ली,11 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

भारतीय खेल जगत में हॉकी का स्थान हमेशा ही बेहद खास रहा है। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह को आधुनिक युग के महान खिलाड़ियों में गिना जाता है, और वे प्रेरणा लेते हैं बीते दौर के उन गौरवशाली क्षणों से, जब 1948 लंदन ओलंपिक में भारत ने आज़ादी के एक वर्ष बाद ग्रेट ब्रिटेन को 4-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता था। यह वही ऐतिहासिक अवसर था जब ओलंपिक खेलों में पहली बार तिरंगा फहराया गया था।

उस स्वर्णिम पल को याद करते हुए हरमनप्रीत सिंह ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, 1948 लंदन ओलंपिक में जब भारत ने गोल्ड मेडल जीता, तो वह पूरे देश के लिए गर्व और भावनाओं से भरा क्षण था। खासकर इसलिए क्योंकि जीत ग्रेट ब्रिटेन के मैदान पर मिली थी। हमने अपने वरिष्ठों से उस दिन की कहानियाँ सुनी हैं, और मेरे लिए वह क्षण बेहद प्रेरणादायक है।

हरमनप्रीत सिंह, जिन्होंने भारतीय टीम को टोक्यो और पेरिस ओलंपिक में लगातार दो कांस्य पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई, ने उस युग के महान खिलाड़ी बलबीर सिंह सीनियर से मुलाकात को भी याद किया।

उन्होंने कहा, बलबीर सिंह सीनियर सर से मिलना और उनके मुख से लंदन ओलंपिक की कहानियाँ सुनना मेरे जीवन के सबसे विशेष क्षणों में से एक रहा। उन्होंने बताया कि कैसे उस समय लंदन की भीड़ भारतीय टीम के लिए तालियां बजा रही थी — यह सुनकर आज भी रोंगटे खड़े हो जाते हैं। कल्पना कीजिए, खिलाड़ियों ने उस पल कैसी खुशी महसूस की होगी। 1948 ओलंपिक में भारत ने समूह चरण में ऑस्ट्रिया, अर्जेंटीना और स्पेन को हराया था, फिर सेमीफाइनल में नीदरलैंड्स को पराजित कर, फाइनल में ग्रेट ब्रिटेन को 4-0 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। अब हरमनप्रीत और उनकी टीम की नज़रें 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक पर हैं। कप्तान ने कहा, हमने लगातार दो बार ओलंपिक में पदक जीते हैं और तिरंगे को ऊंचा होते देखा है, लेकिन अब हमारा सपना एक कदम आगे बढ़ने का है। हम चाहते हैं कि एक बार फिर ओलंपिक में राष्ट्रीय गान बजे, जैसा 1948 में किशन लाल और बलबीर सिंह सीनियर की टीम ने अनुभव किया था। इसके लिए हम कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

ईपीएफओ के निवेश में कमियां, आरबीआई ने फंड मैनेजमेंट सुधारने के दिए सुझाव

30 करोड़ कर्मचारियों की रिटायरमेंट बचत पर खतरा

नई दिल्ली,11 अक्टूबर (एजेंसियां)।

देश के सबसे बड़े रिटायरमेंट फंड संगठन ईपीएफओ (कर्मचारी भविष्य निधि संगठन) की निवेश और फंड मैनेजमेंट प्रक्रिया पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सवाल उठाए हैं। करीब 30 करोड़ कर्मचारियों की 25 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बचत का प्रबंधन करने वाले ईपीएफओ को आरबीआई ने कई अहम सुझाव दिए हैं।

वर्तमान में ईपीएफओ अपने फंड का 45-65 फीसदी सरकारी बॉन्ड्स, 20-45 फीसदी डेट इंस्ट्रूमेंट्स और 5-15 फीसदी शेयर बाजार में निवेश करता है। वर्ष 2025 में ईपीएफओ ने 8.25 फीसदी ब्याज देने का वादा किया है, जबकि सरकारी बॉन्ड्स से औसतन 6.86 फीसदी और निफ्टी व सेंसेक्स से केवल 5 फीसदी से कम रिटर्न मिला। आरबीआई का कहना है कि ईपीएफओ को सिर्फ शेयर नहीं, बल्कि हर निवेश पर बिक्री रणनीति लागू करनी चाहिए।

फिलहाल ईपीएफओ चार साल पुराने मुनाफे वाले शेयरों को बेचता है, लेकिन बाजार की मौजूदा स्थिति नहीं देखता। इसके अलावा आरबीआई ने फंड मैनेजमेंट में खराब निवेश की पहचान, नुकसान दर्ज करने और जोखिम प्रबंधन की कमी को भी उजागर किया। पुराने घाटे वाले निवेश अभी भी पोर्टफोलियो में हैं। सबसे बड़ी चिंता यह है कि ईपीएफओ फंड मैनेजर और नियामक दोनों की भूमिका निभा रहा है, जिससे हितों का टकराव पैदा हो सकता है। आरबीआई ने सुझाव दिया कि तीनों फंड—प्रोविडेंट, पेंशन और इंश्योरेंस—के लिए अलग निवेश रणनीति अपनाई जाए। आरबीआई के ये सुझाव दीवाली 2025 से पहले लागू किए जाएं ताकि रिटायरमेंट फंड और सुरक्षित और लाभदायक हो सके।

न्यूज़ ब्रीफ

दिवाली पर ऑनलाइन धोखाधड़ी का बढ़ता खतरा, हर तीसरे भारतीय को नुकसान

नई दिल्ली। जैसे-जैसे भारत में दीवाली नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे ऑनलाइन खरीदारी भी बढ़ रही है। लेकिन इस दौरान साइबर अपराधी भी सक्रिय हो जाते हैं और उपभोक्ताओं को ठगने की कोशिश करते हैं। एक साइबर सुरक्षा फर्म के शोध के अनुसार, हर तीन में से एक भारतीय ग्राहक छुट्टियों से जुड़ी ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार हो चुका है। इनमें से 37 प्रतिशत लोगों ने आर्थिक नुकसान होने की बात कही है। साइबर अपराधी डीपफेक तकनीक का इस्तेमाल करके हस्तियों के नकली विज्ञापन बनाते हैं। इसके अलावा, फर्जी ईमेल, मैसेज और वन टाइम पासवर्ड (ओटीपी) का उपयोग कर धोखाधड़ी की जाती है। फर्जी गिफ्ट कार्ड, सीमित समय की छूट, और नकली रिफंड ऑफर उपभोक्ताओं को भ्रमित करते हैं। रोजाना औसतन एक भारतीय को 12 बार धोखाधड़ी के प्रयास का सामना करना पड़ता है। त्योहारी सीजन में 64 प्रतिशत लोग बेहतर छूट के कारण ऑनलाइन खरीदारी को प्राथमिकता देते हैं। 77 प्रतिशत ग्राहक मोबाइल के जरिए खरीदारी करते हैं। 25 से 44 वर्ष की आयु वाले युवा सबसे ज्यादा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हैं, जिससे डिजिटल खरीदारी में तेजी आई है। 91 प्रतिशत धोखाधड़ी का शिकार हुए लोग मानसिक तनाव और शर्मिंदगी महसूस करते हैं। 28 प्रतिशत लोग अपने अनुभव साझा करने से कतराते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि उपभोक्ताओं को जागरूक होकर सावधानी बरतनी होगी और सुरक्षा उपाय अपनाने होंगे, ताकि वे साइबर अपराध से बच सकें।

उबर ने पूरे देश में लागू किया सबस्क्रिप्शन मॉडल, ड्राइवरों की कमाई में बढ़ोतरी की उम्मीद

नई दिल्ली। ऑनलाइन कैब सेवा प्रदाता कंपनी उबर ने अब अपने प्लेटफॉर्म से जुड़े सभी कार, ऑटो और बाइक चालकों के लिए सबस्क्रिप्शन मॉडल शुरू कर दिया है। यह मॉडल दो हफ्ते पहले पायलट रूप में शुरू किया गया था, जिसे अब पूरे देश में लागू कर दिया गया है। इस कदम से ड्राइवरों को अपनी कमाई पर ज्यादा नियंत्रण मिलेगा और उन्हें अब हर राइड पर कंपनी को कमीशन नहीं देना पड़ेगा। पहले उबर प्रत्येक राइड से ड्राइवर की कमाई का 15-20 फीसदी कमीशन लेती थी, जिससे ड्राइवरों को आय में कटौती की शिकायत रहती थी। लेकिन अब सबस्क्रिप्शन मॉडल के तहत ड्राइवर एक दैनिक या मासिक शुल्क चुकाएंगे और इसके बाद की सारी कमाई उनके पास रहेगी। इससे ड्राइवरों को अधिक पारदर्शिता और लाभ मिलने की उम्मीद है। उबर के इस बदलाव के पीछे दो प्रमुख कारण हैं पहला, रैपिडो जैसी कंपनियों से मिल रही तेज प्रतिस्पर्धा, जो पहले से ही सबस्क्रिप्शन मॉडल अपना चुकी हैं। दूसरा, जीएसटी की जटिलता, जहां कमीशन आधारित मॉडल और एसएएएस मॉडल पर अलग-अलग टैक्स दरें लागू होती हैं। सबस्क्रिप्शन मॉडल अपनाकर कंपनी खुद को एसएएएस सेवा के रूप में दिखा सकती है, जिससे टैक्स की स्थिति स्पष्ट हो जाती है।

सितंबर में ऑटोमोबाइल रिटेल सेल्स में हुई बढोत्तरी

नई दिल्ली। भारत में सेप्टेम्बर 2025 में व्हीकल रिटेल सेल्स सालाना 5.22प्रतिशत बढ़कर 18,27,337 यूनिट पर पहुंच गई। यह पिछले साल की समान अवधि में 17,36,760 यूनिट से इजाफा दर्शाता है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (एफएडीए) के लेटेस्ट आंकड़ों के अनुसार, जीएसटी सुधारों और पहले तीन हफ्तों में थोड़ी सुस्ती के बावजूद, नवरात्रि की शुरुआत (22 सितंबर) के बाद बिक्री में तेजी आई। फाडा के उपाध्यक्ष साईं गिरिधर ने बताया कि सितंबर 2025 ऑटोमोबाइल रिटेल इंडस्ट्री के लिए एक अनोखा और सकारात्मक महीना रहा। पैसेंजर वाहनों की इन्वेंट्री लगभग 60 दिनों तक बढ़ गई, जो फेस्टिव सीजन की तैयारी का संकेत है। कैटेगरी के अनुसार टू-व्हीलर (2वॉट) की बिक्री 6.5प्रतिशत बढ़कर 12,87,735 यूनिट रही, जबकि पैसेंजर व्हीकल (पीवी) की बिक्री 5.8प्रतिशत बढ़कर 2,99,369 यूनिट हुई।

एशियन पेंट्स की मोनोपोली का रंग हुआ फीका बिरला ओपस और बर्जर ने दिखाई नई चमक

नई दिल्ली,11 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत के रंग-बिरंगे पेंट बाजार में अब एशियन पेंट्स का नीला रंग फीका पड़ने लगा है। कभी 90 हिस्सेदारी के साथ 'पेंट की बादशाह' कही जाने वाली यह कंपनी अब 52 पर सिमट गई है। तीन सालों में 17 शेयर वैल्यू गिरने के बाद कंपनी की दीवारों पर अब दरारें साफ दिखने लगी हैं। जहाँ पहले एशियन पेंट्स का मतलब ही पेंट होता था, वहीं अब बाजार में कई नए रंग चढ़ चुके हैं और हर रंग के पीछे एक नया खिलाड़ी खड़ा है।

बाजार विश्लेषकों के मुताबिक, एशियन पेंट्स के ताज को चुनौती देने में सबसे आगे है बर्जर पेंट्स, जिसने 18 हिस्सेदारी के साथ खुद को दूसरी सबसे बड़ी ताकत के रूप में स्थापित कर लिया है। कंसाई नेरोलैक पेंट्स 15 बाजार पर कब्जा जमाकर जापानी गुणवत्ता के साथ मजबूती से खड़ी है। वहीं, ग्रासिम इंडस्ट्रीज के तहत लॉन्च हुआ बिरला ओपस पेंट्स ने तो कुछ ही महीनों में धमाल मचा दिया है। 7 बाजार हिस्सेदारी हासिल कर उसने साबित कर दिया कि ओपस अब सिर्फ नाम नहीं, बल्कि एशियन पेंट्स के लिए एक ओपसिट खतरा है।

बाजार में प्रतिस्पर्धा अब इतनी बढ़ गई है कि उपभोक्ताओं के पास पहले से कहीं अधिक विकल्प हैं। अक्ज़ो नोबेल (डुलक्स) जैसे वैश्विक खिलाड़ी 7 हिस्सेदारी के साथ प्रीमियम सेगमेंट में मजबूती से डटे हैं। वहीं इंडिगो, शालीमार, निप्पॉन, ब्रिटिश पेंट्स जैसे ब्रांड्स किफायती विकल्पों के साथ तेजी से पैर पसार रहे हैं। अब यह साफ है कि भारत का पेंट बाजार मोनोपोली से निकलकर मल्टीकलर कॉम्पिटिशन में बदल चुका है।

एशियन पेंट्स को न केवल बाजार में प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है, बल्कि कंपनी की छवि पर कानूनी विवादों और खराब तिमाही प्रदर्शन ने भी असर डाला है। वित्तीय रिपोर्टों के अनुसार, पिछले कुछ तिमाहियों में मुनाफा घटने से निवेशकों की चिंता बढ़ी है।

बिरला ओपस ने इस मौके का भरपूर फायदा उठाया है। बिड़ला समूह ने इस ब्रांड में करीब 10,000 करोड़ रुपए का निवेश किया है। बताया जा रहा है कि ओपस की कीमत एशियन पेंट्स से 7 सस्ती है, जबकि सामग्री की मात्रा 10 अधिक है। यानी उपभोक्ताओं को कम दाम में ज़्यादा रंग मिल रहा है, और यही बात बाजार में उसके लिए सबसे बड़ी पूंजी साबित हो रही है।

बाजार विशेषज्ञ के मुताबिक आने वाले वर्षों में यह प्रतिस्पर्धा और भी तीव्र होगी। एशियन पेंट्स को अपनी रणनीति, उत्पाद गुणवत्ता और मूल्य निर्धारण पर फिर से काम करना होगा, नहीं तो 90 का युग अब बीती कहानी बन जाएगा। संक्षेप में कहें तो अब दीवारों पर सिर्फ एशियन का नहीं, बिरला और बर्जर का भी रंग चढ़ने लगा है। मोनोपोली की दीवार दरक चुकी है, और अब हर कंपनी अपनी ब्रश स्ट्रोक से भारतीय बाजार को रंगने की होड़ में है।

भारतीय पेंट बाजार का परिदृश्य-

एशियन पेंट्स: 52 (पहले 90), चुनौती: बिरला ओपस और बर्जर पेंट्स

बर्जर पेंट्स: 18, चुनौती: शीर्ष स्थान की दौड़

कंसाई नेरोलैक: 15, जापानी तकनीक से मजबूती

बिरला ओपस (ग्रासिम): 7, तेजी से उभरता ब्रांड

अक्ज़ो नोबेल (डुलक्स): 7, प्रीमियम सेगमेंट की पहचान

अन्य ब्रांड्स: 1, लेकिन तेजी से बढ़ती हिस्सेदारी।

महिंद्रा बोलेरो फेसलिफ्ट वर्जन लॉन्च, कीमत है रुपए 7.99 लाख

नई दिल्ली,11 अक्टूबर (एजेंसियां)।

महिंद्रा ने महिंद्रा बोलेरो का फेसलिफ्ट वर्जन 2025 लॉन्च किया है, जिसकी शुरुआती कीमत रुपए 7.99 लाख रखी गई है। नए मॉडल में एक्सटीरियर, इंटीरियर और राइड कम्फर्ट को लेकर कई अहम अपडेट किए गए हैं। बोलेरो के नए फेसलिफ्ट में कंपनी ने इसके सिग्नेचर बॉक्सी स्टांस और सीधे आकार को बरकरार रखा है। एक्सटीरियर में नया 5-स्लैट क्रोम-एक्सेंटेड ग्रिल, टॉप-स्पेक बी 8 ट्रिम पर 16-इंच के नए एलॉय व्हील और बी6 वैरिएंट से शुरू होने वाले फॉग लैंप शामिल किए गए हैं। इसके अलावा, स्टील्थ ब्लैक पेंट का नया विकल्प भी पेश किया गया है।

हालांकि, बोलेरो की मजबूत और सिंपल डिजाइन इसकी पहचान बनाए रखती है। इंटीरियर में सबसे बड़ा बदलाव टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम है। हालांकि, एंड्रॉयड ऑटो और एपल कारप्ले की कनेक्टिविटी अभी नहीं दी गई है। इसके अलावा स्टीयरिंग-माउंटेड कंट्रोल,यूएसबी टाइप-सी चार्जिंग पोर्ट, डोर बॉटल होल्डर और टॉप ट्रिम्स पर लेदरेट अपहोल्स्ट्री भी नई है। सुरक्षा के लिहाज से सभी वैरिएंट में डुअल एयरबैग स्टैंडर्ड हैं। हूड के नीचे बदलाव नहीं किया गया है। इसमें भरोसेमंद 1.5-लीटर, 3-सिलेंडर डीजल इंजन मिलता है, जो 76एचपी पावर और 210 एनएम टॉर्क जनरेट करता है। यह 5-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के जरिए पिछले पहियों को पावर देता है। एसयूवी का लैडर-फ्रेम चेसिस अब भी बरकरार है, लेकिन पीछे पुराने लीफ स्प्रिंग की जगह नया डैम्पर सिस्टम लगाया गया है। यह एडवांस्ड सेटअप उबड़-खाबड़ रास्तों पर सवारी के आराम और स्थिरता को बेहतर बनाता है। महिंद्रा बोलेरो फेसलिफ्ट अपने नए डिज़ाइन और फीचर्स के साथ पुराने ग्राहकों और नए खरीदारों दोनों के लिए एक आकर्षक विकल्प बन गई है, जो मॉडर्न और प्रैक्टिकल एसयूवी अनुभव प्रदान करती है। बता दें कि महिंद्रा की लोकप्रिय एसयूवी बोलेरो ने सालों से कंपनी के एसयूवी पोर्टफोलियो में दबदबा बनाया हुआ है। 2000 से बाजार में उपलब्ध यह दमदार एसयूवी अब भी ग्राहकों की पसंद बनी हुई है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

एक फैसले से...

अल्लाह के नाम कर दे, ताकि उस सम्पत्ति का उपयोग केवल मजहबी, पाक या परोपकारी उद्देश्यों के लिए ही हो। हाईकोर्ट ने पाया कि सिद्दीक सैट द्वारा फारूक कॉलेज को दी गई सम्पत्ति में कॉलेज को यह अधिकार दिया गया था कि वह जमीन को बेच सकता है, लीज पर दे सकता है या अन्य किसी तरह उपयोग में ला सकता है। जब किसी सम्पत्ति को बेचने या ट्रांसफर करने की अनुमति दी जाती है, तो वह सम्पत्ति वक्फ नहीं रह जाती, बल्कि वह सार्वजनिक चैरिटेबल सम्पत्ति के रूप में मानी जाती है।हाईकोर्ट ने कहा कि 1950 का यह दस्तावेज स्थाई समर्पण की भावना को प्रदर्शित नहीं करता, बल्कि इसमें सम्पत्ति के पुनः वापसी का प्रावधान था। इसमें लिखा था कि अगर सम्पत्ति का कोई हिस्सा बचा रह जाता है तो वह वापस दाता या उसके वारिसों को लौटाया जा सकता है। कोर्ट ने इसे वक्फ की मूल भावना के विपरीत बताया और कहा कि यह सिर्फ एक साधारण उपहार था, जिसे फारूक कॉलेज के प्रबंधन के लिए दिया गया था। इस फैसले में हाईकोर्ट ने केरल वक्फ बोर्ड की 2019 की कार्रवाई को भी कठोर शब्दों में फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि लगभग 69 साल तक न तो सिद्दीक सैट के वारिसों ने और न ही फारूक कॉलेज ने इस सम्पत्ति को वक्फ माना था। इसके बावजूद वक्फ बोर्ड ने 2019 में एकतरफा तरीके से इसे वक्फ सम्पत्ति घोषित कर दिया, जो पूरी तरह मनमानी और अवैध कार्रवाई थी। कोर्ट ने इसे भूमि हड़पने की कोशिश बताया। जजों ने टिप्पणी की कि वक्फ बोर्ड ने बिना किसी विधिक जांच या सभी हितधारकों को शामिल किए बिना यह कदम उठाया, जो न केवल अव्यवहारिक बल्कि असंवैधानिक भी है। हाईकोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार को मुनम्बम भूमि विवाद की जांच के लिए आयोग गठित करने का पूरा अधिकार है। यह आयोग एक तथ्य खोजने वाली संस्था होगी, जिसका मकसद विवाद का समाधान निकालना है, न कि स्वामित्व या टाइटल पर फैसला देना। राज्य सरकार ने 27 नवंबर 2024 को रिटायर्ड जस्टिस सी एन रामचंद्रन नायर की अध्यक्षता में यह आयोग गठित किया था, ताकि इस लंबे समय से चल रहे विवाद का स्थायी समाधान निकाला जा सके।मुनंबम भूमि विवाद केरल के एर्नाकुलम जिले में करीब 404 एकड़ जमीन से जुड़ा है। इस इलाके में लगभग 600 हिंदू और ईसाई परिवार दशकों से रह रहे हैं। वक्फ बोर्ड का दावा है कि यह जमीन 1950 में वक्फ सम्पत्ति के रूप में दर्ज की गई थी, जबकि स्थानीय निवासियों का कहना है कि उन्होंने यह जमीन फारूक कॉलेज से कानूनी रूप से खरीदी थी। यह विवाद अब एक राजनीतिक मुद्दे में बदल गया है। भाजपा नेताओं ने वक्फ बोर्ड पर सार्वजनिक और निजी जमीनों पर कब्जा करने का आरोप लगाया है। केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने इसे बर्बरता कहा और कहा कि संसद में ऐसे कदमों को रोकने के लिए नया कानून लाया जाएगा। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने भाजपा के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उनकी सरकार मुनम्बम के लंबे समय से रह रहे लोगों के साथ है और उनकी सम्पत्ति की सुरक्षा के लिए काम कर रही है।

दरअसल, वक्फ विवाद कोई नया विषय नहीं है। देशभर में ऐसे कई मामले सामने आए हैं जहां वक्फ बोर्ड ने निजी या सरकारी सम्पत्तियों पर दावा ठोका है। इसमें तमिलनाडु के कुछ गांव, सूरत की सरकारी इमारतें, बेंगलुरु का ईदगाह मैदान, हरियाणा का जठलाना गांव और हैदराबाद का एक पांच सितारा होटल तक शामिल हैं। वक्फ द्वारा जमीनों पर कब्जा करने के तीन सामान्य तरीके हैं। किसी जमीन को कब्रिस्तान बताना, उस पर मजार या दरगाह बनाना और सार्वजनिक भूमि पर नमाज पढ़ना शुरू करना। जब किसी स्थान पर लगातार मजहबी गतिविधियां होने लगती हैं, तो वक्फ बोर्ड उस जगह को वक्फ सम्पत्ति के रूप में पंजीकृत करने की मांग कर देता है।

यह मेरे...

नई परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी। इन प्रोजेक्ट्स से किसानों को नई कमाई के अवसर मिलेंगे और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। सरकार का उद्देश्य है कि किसानों की आय में वृद्धि हो, वे टिकाऊ और आधुनिक कृषि तकनीक अपना सकें और देश कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सके।केंद्र सरकार किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें आर्थिक सहायता देने के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना चला रही है। इस योजना के तहत देश के छोटे और सीमांत किसानों को हर साल 6,000 रुपए की आर्थिक मदद दी जाती है। यह रकम सीधे किसानों के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से भेजी जाती है। इस 6,000 रुपए की राशि को तीन किस्तों में बांटा गया है, यानि हर चार महीने के अंतराल पर 2,000 रुपए किसानों के खाते में आते हैं। अब तक 20 किस्तें किसानों को मिल चुकी हैं और किसान 21वीं किस्त का इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में केंद्र सरकार ने 21वीं किस्त जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। फिलहाल पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर के किसानों को 21वीं किस्त का लाभ मिल चुका है। बाकी राज्यों के किसानों को अभी इंतजार करना पड़ रहा है। ऐसे में किसानों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उन्होंने सरकार द्वारा बताई गई सभी जरूरी प्रक्रियाएं पूरी कर ली हों, वरना उनकी किस्त रुक सकती है।

घुसपैठियों को ...

उन्होंने चुनाव आयोग की मतदाता की पहचान के लिए चलाई गई एसआईआर प्रक्रिया का समर्थन किया और इसके खिलाफ कांग्रेस के विरोध को गलत बताया। उन्होंने कहा कि देश की संस्कृति और पहचान की रक्षा के लिए डिटेक्ट, डिलीट और डिपोर्ट के सिद्धांत पर चल रही है। गृह मंत्री ने स्पष्ट किया कि धार्मिक प्रताड़ना से भागकर आने वाले शरणार्थियों और आर्थिक कारणों से अवैध प्रवेश करने वाले घुसपैठियों में फर्क है। शाह ने कहा कि भारत धर्मशाला नहीं बन सकता, लेकिन जितना मेरा अधिकार इस देश की मिट्टी पर है, उतना ही पाकिस्तान और बांग्लादेश के हिंदुओं का भी है। अमित शाह ने कहा कि उनका व्यक्तिगत तौर पर मानना है कि देश को धर्म के आधार पर बांटना ग़लत था। अंग्रेजों को खुश करने के लिए भारत माता की दोनों भुजाएं काट दी गईं। धर्म और राष्ट्रीयता अलग-अलग होनी चाहिए। इसी वजह से आज हम समस्याओं का सामना कर रहे हैं।

ममता राज में...

जहां उसके साथ ज्यादती की। उसे धमकी दी गई कि अगर उसने किसी को घटना के बारे में बताया तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने छात्रा से उसका मोबाइल फोन वापस करने के लिए पैसे भी मांगे। पुलिस ने छात्रा के बयान दर्ज कर लिए हैं। पुलिस अधिकारी ने कहा, हमने कल रात पीड़िता की सहेली से बात की। हम सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहे हैं। सबूत इकट्ठा करने के लिए एक फोरेंसिक टीम घटनास्थल का दौरा करेगी।छात्रा के माता-पिता ने कहा कि वे अपनी बेटी के दोस्तों का फोन आने के बाद आज सुबह दुर्गापुर पहुंचे। छात्रा के पिता ने कहा हमें उसके दोस्तों का फोन आया और हमने घटना के बारे में बताया। हम आज सुबह यहां आए और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। छात्रा की मां ने आरोप लगाया कि शुक्रवार रात लगभग 10 बजे उनकी बेटी के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया, जब वह अपनी एक सहेली के साथ रात के खाने के लिए कॉलेज परिसर से बाहर गई थी।इधर, राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्लू) की एक टीम पीड़िता और उसके माता-पिता से मिलने दुर्गापुर जा रही है। एनसीडब्ल्यू सदस्य अर्चना मजूमदार ने कहा, बंगाल में महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं। पुलिस ऐसे मामलों में कोई सक्रिय कदम नहीं उठा रही है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। मैं मुख्यमंत्री से अनुरोध करूंगी कि वे आगे आएं और ऐसे अपराधों में वृद्धि को रोकने के लिए मिलकर काम करें। इस बीच एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने शनिवार को दुर्गापुर स्थित निजी मेडिकल कॉलेज से रिपोर्ट मांगी है। उन्होंने कहा, हमने इस संबंध में कॉलेज प्रशासन से तुरंत रिपोर्ट मांगी है। उसके अनुसार हम कदम उठाएंगे।

ट्रिपल टेस्ट ढांचे...

एक आयोग का गठन करना होता है, साथ ही आयोग की रिपोर्ट के आधार पर आनुपातिक आरक्षण तय करना होता है और ये भी सुनिश्चित करना होता है कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग का कुल आरक्षण 50 प्रतिशत से ज्यादा नहीं होना चाहिए।

अदालत के स्थगन आदेश के बाद, तेलंगाना राज्य चुनाव आयोग ने गुरुवार को एक बयान जारी कर कहा कि चुनाव अधिसूचना 29 सितंबर को जारी कर दी गई है और अगली अधिसूचना तक आगे की गतिविधियों को स्थगित किया जा रहा है। तेलंगाना राज्य चुनाव आयोग ने 29 सितंबर को ग्रामीण स्थानीय निकायों के चुनावों के लिए पांच चरणों की घोषणा की, जो अक्टूबर और नवंबर के बीच होंगे। उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अपरेश कुमार सिंह और जस्टिस जीएम मोहिउद्दीन की खंडपीठ ने, कांग्रेस सरकार के पिछड़ा वर्ग कोटा बढ़ाने के आदेश को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए, सरकार को चार सप्ताह में अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया।

26 साल बाद भी...

भारतीय सेना ने लद्दाख के करगिल जिले में वर्ष 2024 में 103 विस्फोटकों को नष्ट किया था। सेना भी मानती है कि 1999 में पाकिस्तान के साथ हुए करगिल युद्ध के दौरान पाकिस्तान से फेंके गए बम बड़ी मात्रा में अनफटे रह गए थे।

मिथुन,तुला सहित अन्य राशियों को भास्कर योग बनाएगा धनवान

आज 12 अक्टूबर 2025 को ग्रहों का अनोखा संयोग देखने को मिल रहा है। सूर्य से दूसरे भाव में बुध होने से भास्कर योग का निर्माण हो रहा है। पंचांग के अनुसार, भास्कर योग आर्थिक दृष्टि से अत्यंत शुभ फल देने वाला रहेगा। इसके प्रभाव से आज के दिन किए गए नए कार्य, निवेश और व्यावसायिक निर्णय दीर्घकालिक लाभ देंगे। मेष से लेकर मीन तक सभी राशियों के लिए यह दिन आर्थिक दृष्टि से लाभकारी रहने वाला है। भास्कर योग के प्रभाव से व्यापार में गति आएगी, अटके कार्यों पूरे होंगे और समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। विद्यार्थियों और नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन भाग्यशाली रहेगा। धार्मिक कार्यों में भाग लेने से मानसिक शांति मिलेगी। शाम का समय परिवार और प्रियजनों के साथ आनंदमय बीतेगा।

मेष : परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा

आज का दिन मेष राशि के जातकों के लिए सौभाग्य लेकर आया है। इस दौरान पुराने मित्रों का सहयोग मिलेगा और अच्छे मित्रों की संख्या में इजाफा होगा। आज के दिन आपको परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा। आपकी मधुर वाणी संबंधों में मिठास घोलेगी। किसी संस्था के द्वारा आपके अच्छे कार्यों को लेकर आपको सम्मानित किया जा सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी और आर्थिक लाभ के संकेत भी मिल रहे हैं। शाम का समय परिवारजनों के साथ हंसी-खुशी में बीतेगा। इस दौरान यात्रा से जुड़ा कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

वृष : पैरों में चोट लगने की संभावना

वृष राशि वालों का आज का दिन आर्थिक दृष्टि से अत्यधिक व्यस्त रहने वाला है। भागदौड़ के बीच आपको अपनी सेहत का अधिक ख्याल रखना होगा। आज के दिन पैरों में चोट लगने की संभावना है। आपकी निर्णय लेने की क्षमता आज लाभदायक सिद्ध होगी। लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे होने से कार्य स्थल पर आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। किसी कार्य में दिल खोलकर लेनदेन करने से भविष्य में आपको लाभ होगा। इस दौरान पारिवारिक वातावरण सौहार्दपूर्ण रहेगा। शाम के समय किसी शुभ समारोह में शामिल होने का अवसर मिलेगा।

मिथुन : आकस्मिक धन लाभ होगा

मिथुन राशि वालों को आज फिजूलखर्ची से बचकर रहना होगा। किसी रोग से पीड़ित लोगों को आज अपने स्वास्थ्य का अधिक ख्याल रखना होगा। सामाजिक कार्यों के दौरान कुछ व्यवधान उत्पन्न हो सकते हैं। हालांकि, दोपहर बाद किसी आकस्मिक लाभ से मन प्रसन्न रहेगा और धर्म के प्रति रुचि बढ़ेगी। इस दौरान संतान पक्ष से शुभ समाचार मिलने से परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। शाम का समय संगीत और मनोरंजन के कार्यक्रमों में व्यतीत होगा।

कर्क : कार्यक्षेत्र में तरक्की होगी

कर्क राशि वालों को आज के दिन भाग्य का पूरा साथ मिलता हुआ नजर आ रहा है। इस दौरान आपके परिश्रम का उचित फल मिलेगा और समाज में सम्मान बढ़ेगा। संतान के प्रति विश्वास और प्रेम और भी गहरा होगा। ननिहाल पक्ष से आपको विशेष सहयोग मिलने की संभावना दिख रही है। आज के दिन शान-शौकत पर खर्चे बढ़ सकते हैं। वहीं, कार्यक्षेत्र में आपको सफलता मिलती हुई दिख रही है। अधिकारियों के सहयोग से कई काम बनेंगे। आज के दिन माता-पिता का आशीर्वाद आपके लिए आज संजीवनी साबित हो सकता है।

सिंह : जुबान पर आज के दिन कंट्रोल रखें

सिंह राशि के जातकों के लिए आज का दिन मिश्रित फल देने वाला रहेगा। मानसिक अशांति के कारण आपको परेशानी झेलनी पड़ सकती है। ऐसे में आपके लिए बेहतर होगा कि अनावश्यक बातों में न उलझें। माता-पिता के सहयोग और आशीर्वाद से दोपहर का समय अच्छा रहेगा। हालांकि, ससुराल पक्ष से किसी विषय पर मतभेद हो सकता है। अपनी जबान पर आज के दिन कंट्रोल रखें। आंखों से संबंधित कोई समस्या में आज सुधार होता दिख रहा है। नौकरीपेशा लोगों के लिए आज का दिन संयम बरतने वाला रहेगा। व्यापारी वर्ग के लोगों को धैर्य बनाए रखना चाहिए। खर्चो पर नियंत्रण रखने की कोशिश करें।

कन्या : कठिन से कठिन कार्य आसानी से पूरे होंगे

कन्या राशि वाले आज आत्मविश्वास से भरे रहेंगे। कठिन से कठिन कार्य भी आज के दिन आसानी से पूरे हो जाएंगे। माता-पिता का सहयोग प्राप्त होगा। हालांकि, इस दौरान पत्नी को शारीरिक कष्ट हो सकता है। आज के दिन फालतू के खर्चो से बचने की कोशिश करें। आज के दिन कुछ लोग आपकी मजबूरी का फायदा उठा सकते हैं। कार्यक्षेत्र में धन लाभ के अवसर बनेंगे। भाग्य आज आपका साथ देगा। विरोधियों पर विजय मिलेगी। व्यापारियों को लाभ के नए साधन प्राप्त होंगे।

तुला : संपत्ति में वृद्धि की संभावना

तुला राशि के जातकों के लिए आज का दिन शुभ रहेगा। संपत्ति में वृद्धि की संभावना बन रही है। आपका दिन आज दूसरों की मदद करने में बीतेगा। नवम भाव में गुरु का शुभ प्रभाव आपके लिए अनुकूल परिणाम लेकर आएगा। गुरु या वरिष्ठ जनों से मार्गदर्शन प्राप्त होगा। नए कार्य की शुरुआत करने के लिए दिन शुभ रहने वाला है। ऐसे में मौका न बर्बाद करें। पारिवारिक वातावरण भी आज सौहार्दपूर्ण रहेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और यात्राओं से लाभ मिलने की संभावना दिख रही है।

वृश्चिक : कानूनी मामले में सफलता मिलेगी

आज वृश्चिक राशि वालों का मन थोड़ा अशांत रह सकता है। व्यापारिक कार्यों में अड़चनें आएंगी, जिससे निराशा हो सकती है। लेकिन शाम तक परिस्थिति आपके पक्ष में बदल जाएगी। धैर्य और बुद्धिमानी से आप शत्रु पक्ष पर विजय प्राप्त करेंगे। राज्य से जुड़े किसी वाद-विवाद या कानूनी मामले में सफलता मिलने की संभावना है। पारिवारिक सहयोग से मानसिक संतुलन बना रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको वरिष्ठ लोगों का विश्वास प्राप्त होगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

धनु : शिक्षा में सफलता प्राप्त होगी

धनु राशि के जातकों के लिए आज का दिन धार्मिक कार्यों में बीतेगा। किसी धार्मिक अनुष्ठान या सामाजिक कार्य में भाग लेने का अवसर मिलेगा। भाग्य का पूरा सहयोग रहेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। व्यवसाय में भी आज के दिन स्थिरता रहेगी। छात्रों के लिए दिन शुभ रहेगी। शिक्षा में सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। दोपहर के बाद पाचन या पेट संबंधी कोई समस्या परेशान कर सकती है। आज के दिन आपका पारिवारिक जीवन भी सुखद रहेगा।

मकर : नए कार्यों में निवेश से लाभ होगा

मकर राशि के लोगों के लिए आज का दिन आर्थिक दृष्टि से मिलाजुला रहने वाला है। नए सप्ताह की शुरुआत से पहले ही दिन आपको बहुमूल्य वस्तुओं की प्राप्ति हो सकती है। इसके साथ ही कुछ अनचाहे खर्चे भी सामने आएंगे। ससुराल पक्ष से मान-सम्मान में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में मन लगेगा और लंबे समय से रुके कार्य पूरे होंगे। नए कार्यों में निवेश करना शुभ साबित होगा, जिससे भविष्य में अच्छा लाभ मिलेगा। पारिवारिक जीवन में मधुरता देखने को मिलेगी। यात्रा आज के दिन आपके लिए लाभदायक सिद्ध होगी।

कुंभ : सांसारिक सुख-सुविधाओं का आनंद मिलेगा

आज कुंभ राशि के जातकों का दिन आर्थिक दृष्टि से सावधानी रखने वाला होगा। कोशिश करें की आज सिर्फ जरूरी चीजों पर ही खर्च करें। परिवार के किसी सदस्य से आपको विश्वासघात की संभावना दिख रही है। इस दौरान आपको सांसारिक सुख-सुविधाओं का आनंद मिलेगा। वहीं, नौकरीपेशा जातकों के लिए प्रमोशन योग बन रहा है। शाम से रात तक नजदीकी यात्रा लाभकारी सिद्ध होगी। मित्रों से मेलजोल बढ़ेगा।

मीन : सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी

मीन राशि वालों के लिए आज का दिन सफलता दिलाने वाला रहेगा। चतुर्थ भाव में गुरु की स्थिति से लंबे समय से अटकी संतान संबंधी समस्या का समाधान करेगी। खुशमिजाज स्वभाव के कारण नए लोग आपसे जुड़ना चाहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में आपके सुझावों को सराहा जाएगा। आर्थिक स्थिति सुदृढ़ बनेगी। पारिवारिक जीवन में आनंद रहेगा। शाम से रात तक का समय प्रियजनों के साथ बीतेगा। दिन के उत्तरार्ध में कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

बृहस्पति के राशि परिवर्तन से कैसे सामान्य व्यक्ति भी बन सकता है अमीर

ज्योतिष शास्त्र के गोचरीय सिद्धांत के अनुसार देवगुरु बृहस्पति किसी भी व्यक्ति की जन्म राशि से जब द्वितीय, पंचम, सप्तम, नवम और एकादश स्थान पर भ्रमण करते हैं, तो उस व्यक्ति को कार्यों में सफलता, धन लाभ आदि की प्राप्ति होती है। गोचर से मिलने वाले लाभ का अनुपात जन्मकुण्डली के ग्रह योग एवं दशा-अन्तर्दशा आदि की शुभाशुभ स्थिति पर निर्भर है। जन्मराशि से जब देवगुरु बृहस्पति प्रथम, तृतीय, चतुर्थ, षष्ठ,

अष्टम, दशम अथवा द्वादश स्थान पर हों तो व्याधि यानि रोग, भय, मान-सम्मान में कमी, सामान्य कार्यों में असफलता, धन हानि, परदेश गमन, मित्रों से विरोध रहता है। द्वादश दशम चतुर्थे जन्मनि षष्ठाष्टगे, तृतीये च। व्याधिर्विदेशगमन धन हानि, मित्रविरोधं सुरगुरुः कुरुते।।

18 अक्टूबर 2025 से 5 दिसम्बर 2025 तक देवगुरु बृहस्पति का कर्क राशि में गमन पांच राशियों के लिए बेहद शुभप्रद रहने वाला है। तीन राशियों को विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता रहेगी तथा चार राशियों को मिश्रित शुभाशुभ फल प्राप्त होगा।

मिथुन राशि, मीन राशि, मकर राशि, वृश्चिक राशि एवं कन्या राशि वालों के लिए देवगुरु बृहस्पति का गोचर शुभ फलदायक है।

मेष राशि, सिंह राशि, धनु राशि वालों को इस गोचर अवधि के दौरान विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है।

वृष राशि, कर्क राशि, तुला राशि, कुम्भ राशि वालों को मिश्रित शुभाशुभ फल प्राप्त होगा, लेकिन उपाय द्वारा शुभ फल की वृद्धि एवं अशुभ फल की शांति की जा सकती है। जन्म राशि न पता होने पर नाम राशि से भी अपरिहार्य परिस्थिति में राशिफल देखा जा सकता है, परन्तु सटीक गोचर फल जन्म राशि से ही देखना चाहिए, साथ ही मूर्ति निर्णय पद्धति एवं ग्रहों का वेध विचार भी अवश्य करना चाहिए। जन्मपत्री में बनने वाले शुभाशुभ योग, महादशा, अन्तर्दशा एवं अन्य ग्रहों का गोचर देवगुरु बृहस्पति के कर्क राशि में गोचर के शुभाशुभ परिणाम को कम या ज्यादा कर सकते हैं। इसलिए ज्योतिष शास्त्र में वर्णित सभी सिद्धांतों को एक साथ गणना करने पर जो अंतिम निर्णय आता है, वही सर्वमान्य होता है। जन्मपत्री में बनने वाले शुभाशुभ योग ग्रहों के गोचरीय परिवर्तन से जागृत हो जाते हैं।

घर के मंदिर से जुड़े इन वास्तु टिप्स से दूर होगा दुर्भाग्य और खुलने लगेंगे तरक्की के नए रास्ते

हर मनुष्य के घर में मंदिर सबसे पवित्र स्थान होता है, जहां से सकारात्मक ऊर्जा चारों ओर फैलती है। शास्त्रों में घर के मंदिर में दिन में दो बार पूजा करने का नियम बताया गया है। ऐसा करने से मन को शांति महसूस होती है और जीवन में सकारात्मकता आने लगती है। लेकिन अगर वास्तु के अनुसार, घर का मंदिर सही दिशा में न हो या इससे जुड़ी कुछ गलतियां की गई हों, तो इससे विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। ऐसे में पूजा घर बनवाते और पूजा करते समय वास्तु के कुछ विशेष नियमों का ख्याल जरूर रखना चाहिए। इससे घर की परेशानियां दूर हो सकती हैं और परिवार के सदस्यों को जीवन में तरक्की मिल सकती है।

इस दिशा में होना चाहिए घर का मंदिर

वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर में मंदिर बनवाते या रखते समय दिशा का ध्यान रखना सबसे जरूरी होता है। इसके लिए सबसे अच्छी दिशा उत्तर-पूर्व मानी गई है। अगर ऐसा संभव न हो तो आप घर के पूर्व या उत्तर दिशा में भी मंदिर रख सकते हैं। लेकिन कभी भी मंदिर को दक्षिण दिशा में स्थान नहीं देना चाहिए। वास्तु के अनुसार, ऐसा करने से घर में नकारात्मक ऊर्जा आकर्षित होती है और परिवार के सदस्यों को समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

मंदिर में मूर्तियां रखते समय इन बातों का रखें ध्यान

पूजा घर में भगवान की प्रतिमा या मूर्तियों को पूर्व या पश्चिम दिशा में रखना चाहिए। साथ ही, इन

मूर्तियों को मंदिर की दीवार से कुछ दूरी पर रखना चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करने से धूप की सुगंध और सकारात्मकता मंदिर में चारों ओर फैलती है। वास्तु के नियमों का ख्याल रखकर पूजा घर बनाने से जातक को वास्तु दोष से भी छुटकारा मिल सकता है और घर में खुशनुमा माहौल बना रहता है। वहीं, मंदिर में कभी भी देवी-देवताओं की प्रतिमा को आमने-सामने नहीं रखना चाहिए। ऐसा करना शुभ नहीं माना जाता है।

मंदिर में भूलकर भी न कराएं ऐसे रंग

अपने पूजा घर में पेंट कराते समय या मंदिर घर लाते समय रंग का विशेष ध्यान जरूर देना चाहिए। वास्तु के अनुसार, कभी भी मंदिर में तेज और काले, नीले आदि जैसे डार्क पेंट नहीं करवाना चाहिए। ऐसा करने से घर में नकारात्मकता फैल सकती है। इसकी बजाए आप मंदिर में सफेद, हल्का पीला, आदि कलर करा सकते हैं। इन रंगों से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है परिवार के बीच शांतिपूर्ण माहौल बना रहता है।

इस स्थान पर रखें पूजा का सामान

घर के मंदिर में पूजा का सामान रखने के लिए भी वास्तु में सही दिशा और स्थान बताया गया है। इसका ख्याल जरूर रखना चाहिए। मान्यता है कि धूप, दीपक, तेल, धार्मिक किताबें आदि को मंदिर में पश्चिम दीवार की ओर रखना चाहिए। लेकिन भूलकर भी कोई भी सामान मूर्तियों के ऊपर वाले स्थान पर नहीं रखना चाहिए। साथ ही, मंदिर को ऐसे स्थान पर रखना चाहिए जहां से पर्याप्त मात्रा में धूप की रोशनी अंदर पड़ती हो। इस प्रकार घर में मंदिर रखने से आपके जीवन से दुर्भाग्य दूर हो सकता है और कार्यों में आ रही बाधाएं भी धीरे-धीरे नष्ट हो सकती हैं।

पूजा घर की नियमित सफाई है बेहद जरूरी

वास्तु के अनुसार, कभी भी पूजा घर में गंदगी नहीं जमा होनी चाहिए। इससे जातक को विपरीत प्रभावों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में मंदिर और भगवान की प्रतिमा को नियमित रूप से साफ करना चाहिए। साथ ही, पूजा घर में गलती से भी खंडित मूर्तियों को नहीं रखना चाहिए। ऐसा करना शुभ नहीं माना जाता है। अगर आप घर के मंदिर से जुड़े इन वास्तु नियमों का ख्याल रखते हैं, तो इससे गृह क्लेश से मुक्ति मिलती है, परिवार के बीच प्रेम बना रहता है और जीवन में तरक्की के नए रास्ते भी खुल सकते हैं।

सपने में दिख रही सुंदर महिला तो पलटने वाली है आपकी किस्मत, जानें शुभ होगा या अशुभ?

रात के वक्त सोते समय नींद में लोगों को अकसर कई तरह के सपने आते हैं। सुबह उठने के बाद कुछ लोगों को सपने याद रहते हैं और कुछ लोग इसे भूल जाते हैं। स्वप्न शास्त्र के अनुसार नींद में आने वाले हर सपने का कुछ न कुछ अर्थ जरूर होता है। ये सपने सिर्फ हमारी कल्पना भर नहीं होते, बल्कि हमारे भविष्य से जुड़े गहरे संकेत भी होते हैं। वहीं, इनमें से कुछ सपने किसी के लिए शुभ तो किसी के लिए अशुभ हो सकते हैं। सपनों में दिखाई देने वाले व्यक्ति और घटनाएं हमारे भविष्य और वर्तमान से गहराई से जुड़ी होती हैं। कुछ सपने शुभ फल देने वाले होते हैं, जो आने वाले समय में सफलता और धन लाभ का संकेत देते हैं, जबकि कुछ सपने विपरीत परिस्थितियों और संकट की ओर इशारा करते हैं। जैसे सपने में खुद को दुल्हे के रूप में देखना आने वाली किसी बड़ी विपत्ति की ओर इशारा करता है। यह भविष्य में मृत्यु के समान किसी बड़े कष्ट का संकेत हो सकता है।

रात को आने वाले सपने शुभ या अशुभ?

स्वप्न शास्त्र कहता है कि सपनों में दिखाई देने वाली चीजें हमारे वर्तमान और आने वाले समय से जुड़ी होती हैं। इसलिए सपनों को कभी भी हल्के में नहीं लेना

चाहिए। ये सपने हमारे जीवन में घटने वाली घटनाओं के पूर्व संकेत हो सकते हैं। वहीं, इनमें से कुछ सपने किसी के लिए शुभ तो किसी के लिए अशुभ हो सकते हैं। कुछ सपने सीधे तौर पर भविष्य से जुड़े होते हैं, जबकि ज्यादातर सपने आपकी दिनचर्या या तनाव का प्रतिबिंब हो सकते हैं।

सुबह आने वाले सपनों का मतलब?

सपनों के माध्यम से जीवन में आने वाली खुशियों या परेशानियों का पहले से ही अंदाजा लगाया जा सकता है। यदि इन संकेतों को समय रहते समझ लिया जाए तो कई तरह की कठिनाइयों से बचा जा सकता है। माना जाता है कि सुबह 4 बजे से 6 बजे के बीच आने वाले सपने सच होते हैं और उनका आपके जीवन पर अच्छा या बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

सपने में सुंदर महिला को देखना?

स्वप्न शास्त्र के अनुसार, सपने में सुंदर और सजी-धजी महिला का दिखना शुभता और समृद्धि का संकेत माना जाता है। यह संकेत देता है कि आपके जीवन में जल्द ही धन, सुख और समृद्धि आने वाली है। माना जाता है कि आपके घर पर जल्द ही मां लक्ष्मी का आगमन होने वाला है।

सपने में आभूषण धारण किए महिला को देखना?

अगर सपने में कोई महिला आभूषण धारण किए हुए दिखती है, तो इसका अर्थ है कि आपके रुके हुए काम पूरे होने वाले हैं। स्वप्न शास्त्र के अनुसार यह सपना बताता है कि आपको जल्द ही सफलता मिलने वाली है। अगर दीवाली के आसपास आप ये सपना देखते हैं तो ये आपके लिए सोने पर सुहागा होने वाला है।

सपने में महिला से बातचीत करने का मतलब?

वहीं, किसी सुंदर महिला से बातचीत करते हुए सपना देखना शुभ माना जाता है। स्वप्न शास्त्र कहता हे कि ये सपना समाज में मान-सम्मान और पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि का संकेत देता है। साथ ही यह सपना बताता है कि जल्द ही आपकी मन की इच्छाएं पूरी होने वाली हैं।

देव उठनी एकादशी से शुरू होंगे शुभ कार्य

देव उठनी एकादशी को देवोत्थान एकादशी या प्रबोधिनी एकादशी के नाम से भी जाना जाता है। हिंदू धर्म में इस पर्व का काफी महत्व है। यह पर्व कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को मनाई जाती है। इसी दिन तुलसी विवाह भी मनाया जाता है।

मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु चार माह की निद्रा से जगते हैं। भारतीय पंचांग के अनुसार इस दिन से सभी शुभ मांगलिक कार्य शुरू हो जाते हैं। इस दिन को विशेष पूजा-अर्चना के साथ मनाया जाता है। इस दिन से विवाह के अतिरिक्त उपनयन, गृह प्रवेश आदि अनेक मांगलिक कार्य शुरू हो जाते हैं।

वैदिक पंचांग के अनुसार, इस साल कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 01 नवंबर की सुबह 09: 11 मिनट पर शुरू होगी। 02 नवंबर को सुबह 07: 31 मिनट पर एकादशी तिथि समाप्त होगी। इस तरह 01 नवंबर को देवउठनी एकादशी मनाई जाएगी।

देवउठनी एकादशी चातुर्मास के अंत का प्रतीक है। मान्यता है कि हिंदू धर्म में इन चार माह में

हर तरह के मांगलिक कार्य पर प्रतिबंध रहता है। देव उठनी एकादशी से सभी शुभ कार्य शुरू हो जाते हैं।

कार्तिक शुक्ल एकादशी का यह दिन तुलसी विवाह के रूप में भी मनाया जाता है। मान्यता है कि तुलसी को घर में रखने पर धन और सुख-समृद्धि की वृद्धि होती है। तुलसी विवाह के बाद ही कन्यादान करने की परंपरा है।

इस दिन निर्जला उपवास रखने की परंपरा है। अगर आप निर्जला व्रत नहीं रख रहे हैं तो इस दिन चावल, प्याज, लहसुन, मांस, मदिरा, बासी भोजन नहीं खाएं।

दूसरी ही फिल्म से लगा खलनायिका का टैग, असल जिंदगी में भी बिंदू देसाई को निगेटिव समझते थे लोग

बॉलीवुड सिनेमा के 70 के दशक में एक ऐसी वैम्प अदाकारा थी, जिनको लेकर जिज्ञासा सेट पर लोगों में लीड रोल करने वाली एक्ट्रेसेस से ज्यादा होती है। हम बात कर रहे हैं फिल्म इंडस्ट्री की मोना डार्लिंग यानी बिंदू देसाई की। उन्होंने कभी पर्दे पर लड़ाकू सास बनकर बहूओं की नाक में दम किया तो कभी गैंगस्टर की गर्लफ्रेंड बनकर भी सिनेमा के पर्दे पर राज किया, लेकिन क्या आप जानते हैं कि बिंदू को पहली फिल्म से नहीं बल्कि दूसरी फिल्म से सफलता हासिल हुई? बिंदू देसाई के पिता नानूभाई देसाई चाहते थे कि वो डॉक्टर या इंजीनियर बने, लेकिन बिंदू को सिनेमा से लगाव था और वो बहुत खूबसूरत भी थी। लेकिन विटी फेस होने की वजह से उन्हें बतौर लीड एक्ट्रेस रोल ऑफर नहीं हुआ। अपने पिता की मौत के बाद परिवार की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई। अब परिवार की जिम्मेदारी उठाने के लिए उन्होंने फिल्मों का रुख किया और उनके जीजा लक्ष्मीकांत प्यारेलाल ने इसमें उनकी मदद की।

बिंदू ने सबसे पहले 1962 में आई फिल्म 'अनपढ़' में साइड रोल किया, और वो उस वक्त 21 साल की थी। फिल्मी पर्दे

पर वह फ्लॉप रहीं, लेकिन दूसरी फिल्म 'दो रास्ते' उनके लिए लकी साबित हुई। इस फिल्म में बिंदू ने निगेटिव रोल प्ले किया। एक इंटरव्यू में बिंदू ने खुलासा किया था कि पहले वो तो निगेटिव रोल करने से कतरा रही थीं, लेकिन परिवार वालों ने कहा कि तुक्का मारने में क्या जाता है। फिल्म बनी और रिलीज हुई और फिर हिट साबित हुई। इस फिल्म ने बिंदू की जिंदगी बदल दी। इसके बाद एक्ट्रेस ने 'इत्तफाक', 'आया सावन झूम के', 'डोली', 'कटी पतंग', और 'जंजीर' जैसी फिल्में की।

बिंदू को लगातार फिल्मों में निगेटिव रोल मिलने लगे और उनकी इमेज पूरी तरह निगेटिव हो गई। असल जिंदगी में भी लोग उन्हें पर्दे की खलनायिका की तरह हीं देखते थे। एक्ट्रेस ने खुद इस बात का जिक्र करते हुए बताया था कि महिलाओं को लगता था कि मैं उनके पतियों को हड़प लूंगी। बिंदू ने बताया कि मेरे पति के एक करीबी दोस्त थे और कभी-कभी उनसे बातचीत हो जाती थी, लेकिन उनकी पत्नी को ऐसा लगता था कि मैं उनके पति पर डोरे डाल रही हूंजबकि असल में ऐसा कुछ था ही नहीं।

आज बिंदू अपने परिवार और पति के साथ मुंबई में रहती हैं और इंटरव्यू और शो में दिखती रहती हैं। एक्ट्रेस को आखिरी बार फिल्म 'महबूबा' में देखा गया था, जो कि 2008 में आई थी।

कृति सेनन अपनी खास परफॉर्मेंस से एक मशहूर एक्ट्रेस को देंगी सलामी

गुजरात के अहमदाबाद में 70वें फिल्मफेयर अवार्ड्स 2025 का आयोजन 11 अक्टूबर को होगा। शहर की कांकरिया झील स्थित ईकेए एरिना में होने वाले इस कार्यक्रम में बॉलीवुड के कई सेलेब्स स्टेज पर परफॉर्म करते दिखाई देंगे। इसमें बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन का नाम भी शामिल है। उन्होंने आईएएनएस को दिए स्पेशल इंटरव्यू में बताया कि इस बार वह अपनी परफॉर्मेंस के जरिए एक महान अदाकारा को ट्रिब्यूट देती दिखाई देंगी। आईएएनएस से अपनी परफॉर्मेंस की डिटेल शेयर करते हुए कृति सेनन ने कहा, फिल्मफेयर मेरे दिल के बहुत करीब है, जहां हम सिनेमा, उसकी कहानियों और उन्हें साकार करने वालों के प्रति अपने प्यार का उत्सव मनाते हैं। 70वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में इस साल परफॉर्म करना मेरे लिए जादुई अनुभव है। मैं एक प्रेरणादायक महिला को अपनी प्रस्तुति से सलामी दूंगी और दर्शकों के साथ इस पल को जीने के लिए उत्साहित हूं।

कृति सेनन के अलावा अक्षय कुमार भी इस बार फिल्मफेयर के लिए स्टेज पर परफॉर्म करते दिखाई देंगे। बताया जा रहा है कि वे स्टेज पर कुछ हैरतअंगेज स्टंट भी परफॉर्म करते दिखाई देंगे।

इस बार के अवॉर्ड शो में अभिषेक बच्चन भी स्टेज पर परफॉर्म करते दिखाई देंगे। अभिषेक बच्चन ने अवॉर्ड शो को लेकर अपनी खुशी जाहिर करते हुए एक इंटरव्यू में कहा था, फिल्मफेयर ने हमेशा मेरे दिल में एक खास जगह बनाई है। मैंने ब्लैक लेडी को देखते हुए बचपन का वक्त बिताया और यही मंच मुझे सम्मानित भी कर चुका है। 70वें संस्करण का हिस्सा बनना बेहद खास अनुभव है। इस साल की मेरी परफॉर्मेंस मेरे लिए बेहद अहम है, ज्यादा खुलासा नहीं कर सकता, लेकिन मैं यकीन दिलाता हूं कि यह यादगार होगी।

70वें फिल्मफेयर अवार्ड्स 2025 को इस बार शाहरुख खान, मनीष पॉल और करण जौहर मिलकर होस्ट करेंगे। शाहरुख खान ने एक बयान जारी करते हुए इस बात की खुशी जाहिर की थी कि वह फिर से फिल्मफेयर के अवॉर्ड शो को होस्ट करने जा रहे हैं। शाहरुख खान ने वादा किया था कि वह इस शो को इतना यादगार और हंसी से भरी रात बनाएंगे कि दर्शकों को यह हमेशा याद रहेगा।

पलक परस्वानी ने साझा की अपनी लव स्टोरी, डायरी में लिखा था रोहन के बारे में

टेलीविजन इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री पलक परस्वानी ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर अपने बॉयफ्रेंड के साथ कुछ तस्वीरें शेयर कर अपने मन की बात प्रशंसकों को बताई। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपने बॉयफ्रेंड रोहन के साथ तस्वीरें पोस्ट कीं और बताया कि कैसे उनकी डायरी की ख्वाहिशें सच हुईं। पलक ने अपने कैप्शन में लिखा कि कई साल पहले वह हर रात अपनी डायरी में रोहन के बारे में लिखती थीं और भगवान से सच्चे प्यार की दुआ मांगती थीं। पलक ने बताया कि उन्हें कई बार लगा कि शायद कोई ऐसा इंसान नहीं है जो उनके प्यार को समझ सके। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी इंस्टाग्राम पर नजर आए, और यहीं से उनकी प्रेम कहानी शुरू हुई। पलक ने लिखा कि इसके बाद मानो किस्मत ने कई संकेत दिए। दोनों की आध्यात्मिक सोच, घूमने का शौक और एक-दूसरे को प्रेरित करने की आदत इतनी मेल खाती थी कि यह रिश्ता जैसे ऊपर वाले ने बनाकर भेजा है। तस्वीर में पलक सफेद गाउन और रोहन काले टक्सीडो में नजर आ रहे हैं, जहां रोहन उन्हें होटल की लॉबी में उठाकर ले जा रहे हैं। पलक ने बताया कि रोहन ने उन्हें हील्स पहनने में मदद की थी, जो उनकी जिंदगी की छोटी-छोटी खुशियों की झलक है।

पलक ने रोहन को अपना सुकून और हमेशा

और विश्वास रखा कि नियति कुछ खास प्लान कर रही है। फिर एक दिन, एक रेस्टोरेंट में उनकी मुलाकात रोहन से हुई। पास की टेबल पर बैठे रोहन से उनकी नजरें मिलीं, थोड़ी बात हुई, लेकिन इसके बाद दो महीने तक कोई संपर्क नहीं रहा। पलक को लगा कि शायद यह किस्मत का मजाक है। लेकिन अचानक रोहन उनके का साथी बताया। वह कहती हैं कि रोहन उनकी जरूरतों को समझते हैं और उनके परिवार को अपना मानते हैं। पलक ने लिखा, इंतजार लंबा था, लेकिन अगर रोहन जैसा प्यार है, तो हर पल की कीमत थी। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि अभी शादी नहीं हुई है, लेकिन रोहन के साथ हर दिन किसी खूबसूरत सपने जैसा है।

सोनम बाजवा का एक दीवाने की दीवानियत ट्रेलर रिलीज

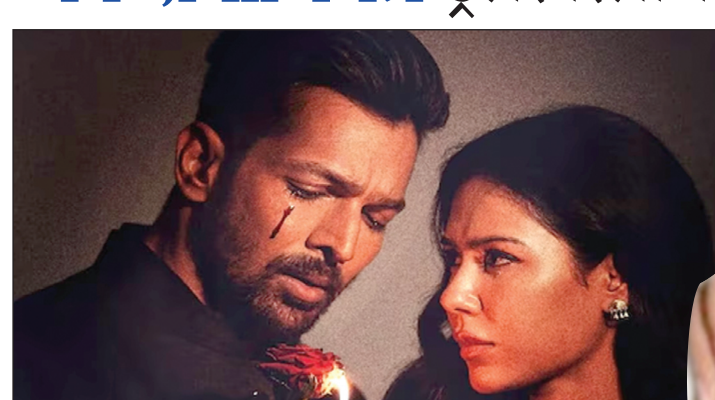

रोमांटिक ड्रामा एक दीवाने की दीवानियत का ट्रेलर जैसे ही 8 अक्टूबर 2025 को रिलीज़ हुआ, सोशल मीडिया पर बस एक ही नाम गूंज उठा सोनम बाजवा। फिल्म में सोनम के साथ हैं हैंडसम हंक हर्षवर्धन राणे, और इसे डायरेक्ट किया है मिलाप ज़वेरी ने। कहानी भले ही मेकर्स ने अभी तक छुपाकर रखी है, लेकिन ट्रेलर से साफ है कि इस बार लव स्टोरी में इमोशन, जुनून और हार्टब्रेक का तड़का तिहरे डोज़ में मिलेगा! फिल्म 21 अक्टूबर को दिवाली रिलीज के लिए तैयार है, और इसका टैगलाइन ही बता देता है कि ये कोई आम लव स्टोरी नहीं इस दिवाली, इतिहास में पहली बार रावण खुद सीता को घर छोड़ने आएगा! रिलीज़ के कुछ ही घंटों में ट्रेलर ने 70 हज़ार से ज़्यादा व्यूज़ पार कर लिए फैन्स बोले, यही तो है असली दिवाली धमाका! पर असली शोस्टॉपर हैं हमारी सोनम बाजवा, जो इस बार अपने अब तक के सबसे इंटेंस अवतार में नज़र आ रही हैं। अब तक क्यूट, ग्लैमरस और एक्शन से भरे किरदार निभाने वाली सोनम ने इस बार दिल और दिमाग दोनों जीत लिए हैं।

ट्रेलर में उनके चेहरे के एक्सप्रेशन, डायलॉग डिलीवरी और इमोशनल सीन देखकर फैन्स बोले, सोनम की आंखों में आग भी है, आंसू भी! एक यूज़र ने लिखा, डेपरा Bajwa looks breathtaking this might just be her most powerful role yet! दूसरे ने जोड़ा, इंतज़ार नहीं हो रहा इस दिवाली का सोनम आग लगा देंगी! कह सकते हैं कि एक दीवाने की दीवानियत के साथ सोनम ने अपने करियर का सबसे रॉ, पैशनेट और इमोशनल रूप दिखाया है। इस बार वो सिर्फ दीवाने की दीवानियत नहीं, बल्कि हर दर्शक के दिल की दीवानियत बनने वाली है।

कृति शेट्टी ने लेटेस्ट गाने अब्दी-अब्दी के लिए सीखा बेली डांस

अभिनेत्री कृति शेट्टी बहुत जल्द दक्षिण भारतीय फिल्मों के अभिनेता के साथ फिल्म 'जीनी' में दिखाई देंगी। इसका गाना 'अब्दी अब्दी' बहुत जल्द रिलीज होगा। इस गाने के लिए खासतौर पर उन्होंने बेली डांस सीखा। कृति शेट्टी ने बताया कि इस गाने की तैयारी के लिए उन्हें अपने बिजी शेड्यूल से वक्त निकालना काफी मुश्किल रहा, फिर भी वह इसकी प्रैक्टिस के लिए जाती थीं। इस गाने में कल्याणी भी हैं, दोनों फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। गाने के रिलीज होने से पहले इनका बेली डांस करते हुए एक वीडियो हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

इस गाने के बारे में बात करते हुए कृति ने कहा, जब मुझे फिल्म में बेली डांस के बारे में पता चला, तो मैं बेहद खुश हुई, क्योंकि जैसा कि हम जानते हैं, 'जीनी' एक मध्य पूर्व का विचार है, जो अरेबियन नाइट्स की कहानियों में देखा गया है। इसलिए फिल्म में बेली डांस का होना पूरी तरह से फिट बैठता है। यह मुझे बेली डांस की दुनिया तक ले गया, और मैं व्यक्तिगत रूप से बहुत उत्साहित थी, क्योंकि मुझे डांस करना पसंद है और इसने मुझे एक नया डांस फॉर्म सीखने का शानदार मौका दिया। उन्होंने बताया, मेरे लिए यह सीखना थोड़ा मुश्किल हो गया क्योंकि मैं चेन्नई में अपनी तीन तमिल फिल्मों की लगातार शूटिंग कर रही थी। मुझे अभ्यास करने का मौका केवल तभी मिलता था जब मैं मुंबई वापस आती थी और डांस क्लासेज में जाकर इसे सीखती थी। मैं वास्तव में वहां कुछ घंटे बिताती थी और इसमें काफी समय लगता था। खैर, मुझे नई चीजें सीखना बहुत पसंद है।

आकांक्षा पुरी का नया गाना जन्नतां नसीब रिलीज

अभिनेत्री आकांक्षा पुरी इन दिनों अपनी फिल्मों और गानों को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। गुरुवार को उनका नया गाना 'जन्नतां नसीब' रिलीज हो गया है। आकांक्षा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर गाने का एक क्लिप शेयर किया। उन्होंने कैप्शन में लिखा, इंतजार खत्म हुआ! 'जन्नतां नसीब' अब आ गया है! आवाज बढ़ाओ और बीट्स का मजा लो। उनके इस पोस्ट को फैंस ने खूब पसंद किया और कमेंट्स में तारीफों भरी प्रतिक्रियाएं दीं। 'जन्नतां नसीब' को मशहूर सिंगर रुपाली जग्गा ने अपनी मधुर आवाज में गाया है। गाने के बोल मशहूर गीतकार नूर ने लिखे हैं और म्यूजिक अनमोल डेनियल ने दिया है, जबकि म्यूजिक प्रोडक्शन का जिम्मा अनमोल डेनियल और मैग ने संभाला है। इस जोड़ी ने गाने को एक ताजगी भरा अंदाज दिया है, जो सुनने वालों को झूमने पर मजबूर कर देता है।गाने में आकांक्षा पुरी के शानदार डांस मूव्स और ग्लैमरस लुक ने गाने को और भी आकर्षक बना दिया है। वीडियो में उनके डांस स्टेप्स फैंस को दीवाना बना रहे हैं।अभिनेत्री आकांक्षा पुरी ने 2015 में मधुर भंडारकर की फिल्म 'कैलेंडर गर्ल्स' से बॉलीवुड में कदम रखा और 2017 में 'विघ्नहर्ता गणेश' टीवी शो में देवी पार्वती का किरदार निभाया। उन्होंने 'बिग बॉस ओटीटी 2' में भी भाग लिया है।

अभिनेत्री की अपकमिंग फिल्म की बात करें तो वह जल्द ही खेसारी लाल यादव के साथ भोजपुरी फिल्म 'अग्निपरीक्षा' में नजर आएंगी। फिल्म में अभिनेत्री और खेसारी लाल यादव के अलावा नीलम गिरी भी मुख्य भूमिका में हैं और सुशील सिंह, प्रकाश जैश, और विनोद मिश्रा जैसे प्रतिभाशाली कलाकार सहायक भूमिका में नजर आएंगे।

फिल्म का पोस्टर और लाल घघरी गाना पहले ही रिलीज हो चुके हैं। हालांकि फिल्म की रिलीज डेट के बारे में अभी कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। 'अग्निपरीक्षा' भोजपुरी सिनेमा के लिए एक बड़ी पेशकश मानी जा रही है, जिसमें ड्रामा, रोमांस, और मनोरंजन का जबरदस्त मिश्रण देखने को मिलेगा।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आप को धन की आवश्यकता कभी भी पड़ सकती है इसलिए आज जितना हो अपने पैसे की बचत करने का विचार बनाएं। नाती–पोतों से आज काफ़ी ख़ुशी मिल सकती है। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। आने वाले समय में दफ़्तर में आपका आज का काम कई तरीक़े से असर दिखाएगा। अपनी कमियों पर आपको काम करने की जरुरत है इसके लिए आपको अपने लिए समय निकालना चाहिए। आप अपने जीवन की कुछ यादगार शामों में से एक आज अपने जीवनसाथी के साथ बिता सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपनी शारीरिक सेहत सुधारने के लिए संतुलित आहर लें आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। पुराने परिचितों से मिलने–जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है। अपने साथी के साथ बाहर जाते वक़्त ठीक तरह से व्यवहार करें। अगर परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक़ न आए, तो निराश न हों। आप चाहें तो परेशानियों को मुस्कुराकर दरकिनार कर सकते हैं या उनमें फँसकर परेशान हो सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आप कुछ समय अपने शौक़ और अपने परिवार वालों की मदद में भी ख़र्च कर सकते हैं। जो लोग विदेश व्यापार से जुड़े हैं उन्हें आज मनमाफिक फल मिलने की पूरी उम्मीद है। इसके साथ ही नौकरी पेशा से जुड़े इस राशि के जातक आज अपनी प्रतिभा का पूर्ण इस्तेमाल कार्यक्षेत्र में कर सकते हैं। वक्त से बढ़कर कुछ नहीं होता। इसलिए आप वक्त का सदुपयोग करते हैं लेकिन कई बार आपको जीवन को लचीला बनाने की जरुरत भी होती है और अपने घर परिवार के साथ समय बिताने की जरुरत होती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। आर्थिक जीवन में आज खुशहाली रहेगी। इसके साथ ही आप कर्जों से भी आज मुक्त हो सकते हैं। घर वालों के साथ समय बिताना ख़ुशनुमा अनुभव रहेगा। आपकी शोहरत बढ़ेगी और आप आसानी से दूसरे लिंग के लोगों को अपनी तरफ़ आकर्षित करेंगे। आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं। टीवी, मोबाईल का इस्तेमाल गलत नहीं है लेकिन आवश्यकता से अधिक इनका उपयोग आपके जरुरी समय को खराब कर सकता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपका धन बेवजह की चीजों पर खर्च हो सकता है। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। एक बेहतरीन शाम के लिए रिश्तेदार/दोस्त घर आ सकते हैं। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। व्यवसाय के लिए अचानक की गयी कोई यात्रा सकारात्मक परिणाम देगी। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी – जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। जीवनसाथी के साथ वाद–विवाद होने की काफ़ी संभावना है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

सेहत बढ़िया रहेगी। दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। प्यार–मोहब्बत की नज़रिए से बेहतरीन दिन है। काम में मन लगाएँ और जज़्बाती बातों से बचें। अगर आपके पास हालात से उबरने के लिए दृढ़ इच्छा–शक्ति है, तो कुछ भी असंभव नहीं है। आज आपका जीवनसाथी आपको प्यार और सुख के लोक की सैर करा सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आपको पैसों से जुड़ी कोई समस्या आ सकती है जिसे सुलझाने के लिए आप अपने पिता या पितातुल्य किसी आदमी से सलाह ले सकते हैं। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। अपने प्रिय को नज़रअंदाज़ करना घर पर तनाव का कारण बन सकता है। अहम लोगों से बातचीत करते वक़्त अपने आँख–कान खुले रखिए, हो सकता है आपके हाथ कोई क़ीमती बात या विचार लग जाए । इस लिहाज से आज का दिन आपके लिए बहुत उम्दा रहने वाला है। जी–वनसाथी का स्वास्थ्य कुछ गड़बड़ हो सकता है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

जीवनसाथी की खराब तबीयत के कारण आज आपका धन खर्च हो सकता है लेकिन आपको इसको लेकर चिंता करने की जरुरत नहीं है क्योंकि धन इसीलिये बचाया जाता है कि बुरे समय में वो आपके काम आ सके। किसी ऐसे नए उद्योग से जुड़ने से बचें जिसमें कई भगीदार हों– और अगर ज़रूर पड़े तो उन लोगों की राय लेने से न कतराएँ, जो आपके क़रीबी है। आपके हँसने–हँसाने का अन्दाज़ आपकी सबसे बड़ी पूंजी साबित होगा। जीवनसाथी के रिश्तेदारों का दख़ल वैवाहिक जीवन का सन्तुल बिगाड़ सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज नए क़रार फ़ायदेमंद दिख सकते हैं, लेकिन वे उम्मीद के मुताबिक़ लाभ नहीं पहुँचाएंगे। निवेश करते समय जल्दबाज़ी में निर्णय न लें। लेकिन आस–पास के लोगों से झगड़ा न करें नहीं तो आप अकेले रह जाएंगे। करिअर के नज़रिए से शुरू किया सफ़र कारगर रहेगा। लेकिन ऐसा करने से पहले अपने माता–पिता से इजाज़ता ज़रूर ले लें, नहीं तो बाद में वे आपत्ति कर सकते हैं। चंद्रमा की स्थिति को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि आज आपके पास काफी खाली वक्त होगा लेकिन बावजूद इसके भी आप वो काम नहीं कर पाएंगे जो आपको करना था।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपका धन कहां खर्च हो रहा है इसपर आपको नजर बनाए रखने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में आपको परेशानी हो सकती है। अपने परिवार के साथ रुखा व्यवहार न करें। यह पारिवारिक शान्ति को भंग कर सकता है। महत्वपूर्ण व्यापारिक सौदे करते समय दूसरों के दबाव में न आएँ। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ आज समय गुजारेंगे लेकिन किसी पुरानी बात के फिर से सामने आने की वजह से आप दोनों के बीच कहासुनी होने की आशंका है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा–ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। शाम का वक़्त दोस्तों के साथ बिताना दिलचस्प तो रहेगा ही, साथ ही छुट्टी साथ बिताने की योजनाओं पर भी चर्चा हो सकेगी। कार्यक्षेत्र में लोगों का नेतृत्व करें, क्योंकि आपकी निष्ठा आगे बढ़ने में मददगार सिद्ध होगी। आज कुछ नया और सृजनात्मक करने के लिए अच्छा दिन है। अगर आपके जीवनसाथी की सेहत कर चलते किसी से मिलने की योजना रद्द हो जाए तो चिंता न करें, आप साथ में अधिक समय व्यतीत कर सकेंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख्स से हो सकती है जो आर्थिक पक्ष को मजबूत करने के लिए आपको अहम सलाह दे सकता है। अपना क़ीमती वक़्त अपने बच्चों के साथ गुज़ारें। आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं। छात्र–छात्राओं को आज अपने काम को कल पर नहीं टालना चाहिए, आपको जब भी खाली समय मिले अपने काम को पूरा कर लें। ऐसा करना आपके लिए हितकारी है। वैवाहिक जीवन के दृष्टिकोण से देखें तो चीज़ें आपके पक्ष में जाती हुई नज़र आ रही हैं

आज का पंचांग

दिनांक : 12 अक्टूबर 2025 , रविवार
विक्रम संवत : 2082
मास : कार्तिक ,कृष्ण पक्ष
तिथि : षष्ठी दोपहर 02:18 तक
नक्षत्र : मृगशिरा दोपहर 01:37 तक
योग : वरियान प्रातः 10:54 तक
करण : वणिज दोपहर 02:18 तक
चन्द्रराशि : मिथुन
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 05:56 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:09 , सूर्यास्त 06:02 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:02, सूर्यास्त 05:54 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:59, सूर्यास्त 05:48 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा दोपहर 02:17 से रात्रि 01:17 तक, कार्तिक मासे दीप–दानम् विशेष:

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

किसान को अच्छा बीज, तकनीक और सलाह मिलने से कृषि में बढ़ेगी उत्पादकता : भजनलाल

जयपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली के भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में आयोजित विशेष कृषि कार्यक्रम में प्रधानमंत्री धन–धान्य कृषि योजना और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन की शुरूआत की। उन्होंने देश को 24 हजार करोड़ रुपये के परिव्यय वाली प्रधानमंत्री धन–धान्य कृषि योजना एवं 11 हजार 440 करोड़ रुपये के परिव्यय वाली दलहन आत्मनिर्भरता मिशन की सौगात दी। इस अवसर पर उन्होंने कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रों में विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये जुड़े तथा प्रधानमंत्री के संबोधन का श्रवण किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान दुर्गापुरा में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने धन–धान्य कृषि योजना, दलहन मिशन और अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं का शुभारंभ कर देश की कृषि व्यवस्था में एक नए युग का आरंभ किया हैं। ये योजनाएं उत्पादन बढ़ाने के साथ ही खेती को अधिक आत्मनिर्भर और टिकाऊ बनाने का काम करेंगी। प्रधानमंत्री की इस दूरदर्शी पहल से किसान भाई–बहन अब केवल पारंपरिक खेती तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक तरीकों और बाजार से बेहतर जुड़ाव के माध्यम से समृद्धि और प्रगति का नया अध्याय रचेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का स्पष्ट मानना है कि यदि देश को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाना है, तो हमें अपने अन्नदाताओं को सशक्त बनाना होगा। प्रधानमंत्री ने किसानों की आय दोगुनी करने की दिशा में उठाए ठोस कदम

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों की आय दोगुनी करने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। पीएम किसान सम्मान निधि के माध्यम से करोड़ो किसानों को आर्थिक सहायता पहुंचाई जा रही है। मजबूत डिजिटल व्यवस्था से यह धनराशि बिना किसी बिचौलिए के समय पर सही लोगों तक पहुंच रही है। उन्होंने कहा कि फसल बीमा योजना के तहत प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान से किसानों को सुरक्षा प्रदान की जा रही है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड, नीम कोटेड यूरिया, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना जैसी अनेक योजनाओं से कृषि क्षेत्र को नई दिशा मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना के तहत देश के ऐसे 100 कृषि जिलों को चुना गया है। कम उत्पादकता, मध्यम फसल तीव्रता एवं औसत से कम ऋण उपलब्धता इन जिलों के चयन का मुख्य आधार है। देश से 100 जिलों में से राज्य के आठ जिलों बाड़मेर, जैसलमेर, नागौर, जोधपुर, बीकानेर, पाली, जालोर और चूरू को इस योजना में शामिल किया गया हैं। उन्होंने कहा कि इस योजना का उद्देश्य उत्पादकता बढ़ाने के साथ ही फसल विविधीकरण, सिंचाई सुविधाओं में सुधार, भंडारण क्षमता में वृद्धि और किसानों को आसान ऋण उपलब्ध कराना है। इसके लिए कृषि, पशुपालन, डेयरी, मत्स्य, सहकारिता, खाद्य प्रसंस्करण, ग्रामीण विकास एवं जलसंसाधन सहित 11 विभागों को जोड़ा गया है।

शर्मा ने कहा कि इस योजना का पहला लक्ष्य सिंचाई का विस्तार करना है। यह योजना प्रधानमंत्री के हर खेत को पानी के सपने को साकार करने की दिशा में काम करेगी। छोटे किसानों को सूक्ष्म सिंचाई यानी ड्रिप और स्प्रिंकलर की सुविधा मिलेगी तथा परंपरागत जलाशयों का पुनर्जीवन एवं सिंचित क्षेत्र का विकास होगा। उन्होंने कहा कि हमारे प्रदेश में अब तक लगभग 23 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सूक्ष्म सिंचाई संयत्र स्थापित किए जा चुके हैं और आने वाले वर्षों में संपूर्ण सिंचित क्षेत्र में ड्रिप और स्प्रिंकलर संयत्र स्थापित करना हमारा लक्ष्य है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों के खेतों में वर्षा जल का संचयन सुनिश्चित करने के लिए अब तक 35 हजार 368 फार्म पौंड बनाए जा चुके हैं, जिन पर करीब 307 करोड़ रुपये का अनुदान दिया गया है। राज्य के विभिन्न जिलों में 7 हजार 903 डिग्गियां और 98 हजार 753 पाइपलाइन इकाइयां स्थापित की गई हैं, जिन पर 400 करोड़ रुपये से अधिक का व्यय हुआ है। उन्होंने कहा कि रामजल सेतु लिंक परियोजना के तहत पार्वती, काली सिंध, इस्टर्न राजस्थान केनाल प्रोजेक्ट जैसी परियोजनाओं पर तेजी से काम किया जा रहा है, जिनसे किसानों को खेती के लिए भरपूर पानी मिल सकेगा।

शर्मा ने कहा कि किसान को सही बीज, सही तकनीक और सही सलाह मिलने से ही कृषि में उत्पादकता बढ़ेगी। इस योजना के माध्यम से हर जिले में मिट्टी की जांच कर सॉयल हेल्थ कार्ड बनाकर किसानों को वैज्ञानिक सलाह दी जाएगी। प्रधानमंत्री की पहल से पंचायत और ब्लॉक स्तर पर गोदाम, कोल्ड स्टोरेज, साइलो और पैकिंग यूनिट बनाए जाएंगे।

नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन का एक वर्ष पूरा

सीएस पंत बोले दंड से न्याय की ओर बढ़े

जयपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश की आपराधिक न्याय प्रणाली में क्रान्तिकारी बदलाव लाने वाली तीन नवीन आपराधिक संहिताओं को लागू हुए एक वर्ष पूरा हो चुका है। 1 जुलाई 2024 से लागू हुए इन ऐतिहासिक कानूनों की पहली वर्षगांठ के उपलक्ष्य में केंद्र सरकार दंड के स्थान पर न्याय की अपनी अवधारणा को प्रदर्शित करने के लिए जयपुर में एक आयोजन करने जा रही है। नए आपराधिक कानूनों के एक वर्ष के सकारात्मक बदलाव के लिए जयपुर एग्जिबीशन एवं कन्वेंशन सेंटर (गएउउ), सीतापुरा में 13 से 18 अक्टूबर, 2025 तक एक भव्य प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण प्रदर्शनी का उद्घाटन 13 अक्टूबर, 2025 को केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के कर कमलों द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार भजनलाल शर्मा और कार्यवाहक मुख्य न्यायाधिपति, राजस्थान उच्च न्यायालय संजीव प्रकाश शर्मा सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहेंगे। नये अपराधी कानून पर आयोजित होने जा रही प्रदर्शनी के शनिवार को पुलिस मुख्यालय के ऑडिटोरियम में मुख्य सचिव राजस्थान सरकार सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह भास्कर ए सावंत और महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा की मौजूदगी में कर्टन रेजर कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य सचिव पंत ने इस मौके पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अनुसार नए आपराधिक कानून जनता का, जनता द्वारा, जनता के लिए की भावना को मजबूत करते हैं जो लोकतंत्र की नींव है। उन्होंने कहा कि बरसों बाद औपनिवेशिक कानूनों में व्यापक बदलाव हुए हैं, जिसने देश को दंड की पुरानी अवधारणा से हटाकर न्याय की ओर प्रवृत्त किया है।

भरतपुर रेलवे स्टेशन पर अमेरिकी पर्यटक की मौत

भरतपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के भरतपुर रेलवे स्टेशन पर 9 अक्टूबर को अमेरिकी पर्यटक डोरोथी ली की मौत के दो दिन बाद शनिवार को जीआरपी थाना पुलिस की निगरानी में पोस्टमॉर्टम किया गया। मृतका की बेटी नोरा ब्लू नोएल इस दौरान मौजूद रही। कानूनी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद शव बेटी को सौंप दिया गया, जिसे अब दिल्ली ले जाकर अमेरिका भेजा जाएगा। सीआईडी इंस्पेक्टर मोहन बंसल ने बताया कि चूंकि मृतका अमेरिकी नागरिक थीं, इसलिए अमेरिकी दूतावास से अनुमति मिलने के बाद ही मेडिकल बोर्ड की देखरेख में पोस्टमॉर्टम कराया गया। जांच प्रक्रिया के दौरान सभी आवश्यक कागजी कार्य पूरे किए गए, जिसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। जीआरपी थाना अधिकारी हजारी लाल मीणा के अनुसार, 9 अक्टूबर को अमेरिकी नागरिक डोरोथी ली अपनी बेटी और टूर गाइड प्रशांत चौधरी के साथ भरतपुर रेलवे स्टेशन से रणथंभौर के लिए रवाना हो रही थीं। इस दौरान प्लेटफॉर्म पर अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। पहले उन्हें एक निजी अस्पताल और फिर आरबीएम हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

एसएमएस अस्पताल और मेडिकल कॉलेज में डॉ. मनीष अग्रवाल के कार्यकाल से जुड़ा रिकॉर्ड जब्त

जयपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने आज जयपुर स्थित एसएमएस अस्पताल और एसएमएस मेडिकल कॉलेज में बड़ी कार्रवाई करते हुए डॉ. मनीष अग्रवाल, एचओडी (न्यूरो सर्जरी) एवं एडिशनल प्रिंसिपल के कार्यकाल से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए। डॉ. मनीष अग्रवाल को एक लाख रुपए रिश्वत लेने के आरोप में गत दिनों पकड़ा था। यह कार्रवाई डीजी एसीबी श्रीमती स्मिता श्रीवास्तव के निर्देश पर, डीआईजी अनिल कयाल के सुपरविजन में तथा एएसपी संदीप सारस्वत के नेतृत्व में की गई। सूत्रों के अनुसार, एसीबी की टीम ने शनिवार सुबह एसएमएस मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के विभिन्न विभागों में सर्च ऑपरेशन शुरू किया, जो देर शाम तक जारी रहा। इस दौरान डॉ. मनीष अग्रवाल के कार्यकाल के दौरान हुए सभी उपकरणों (इक्विपमेंट्स) की खरीद (प्रोक्योरमेंट), स्टोर से जारी किए गए इंडेंट्स, तथा उनके हस्ताक्षर से स्वीकृत भुगतानों से जुड़े दस्तावेजों की जांच की गई।एसीबी अधिकारियों ने संबंधित फाइलों और रिकॉर्ड्स की बारीकी से पड़ताल करते हुए महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए।

एसीबी सूत्रों के अनुसार, रिकॉर्ड की मात्रा अधिक होने के कारण कार्रवाई को दो चरणों में पूरा किया जा रहा है। शनिवार को हुई जब्ती के बाद शेष दस्तावेजों को सोमवार को जब्त किया जाएगा। एसएमएस अस्पताल प्रशासन ने जांच के लिए रिकॉर्ड की उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु एडिशनल सुपरिंटेंडेंट डॉ. राजेश शर्मा को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। वे एसीबी टीम के साथ समन्वय कर सभी संबंधित रिकॉर्ड उपलब्ध करवा रहे हैं। एसीबी अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई प्रारंभिक जांच का हिस्सा है। ब्यूरो ने डॉ. मनीष अग्रवाल के कार्यकाल के दौरान हुए वित्तीय लेन–देन, खरीद प्रक्रिया और स्वीकृत भुगतानों से संबंधित सभी पहलुओं की विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

आईपीएस वाई पूरन कुमार सुसाइड मामले में एक्शन शुरू रोहतक एसपी तत्काल प्रभाव से हटाए गए

चंडीगढ़, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा पुलिस के सीनियर आईपीएस अधिकारी, वाई पूरन कुमार के सुसाइड केस में नायब सिंह सैनी सरकार ने बड़ा एक्शन लेना शुरू कर दिया है। इस मामले में मुख्य आरोपियों में शामिल माने जा रहे रोहतक के एसपी नरेंद्र बिजारणियां को तत्काल प्रभाव से उनके पद से हटा दिया गया है। बिजारणियां 2015 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। यह मामला कुछ दिन पहले तब सामने आया, जब एडीजीपी रैंक के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। आत्महत्या से पहले उन्होंने हरियाणा पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) शत्रुजीत कपूर, रोहतक एसपी नरेंद्र बिजारणियां समेत कई अन्य अफसरों पर जातिगत भेदभाव और मानसिक प्रताड़ना जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए, नायब सिंह सैनी सरकार ने शनिवार को तत्काल प्रभाव से कार्रवाई शुरू कर दी। गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव सुमिता मिश्रा द्वारा जारी आदेश के अनुसार, रोहतक के एसपी के पद से नरेंद्र बिजारणियां को हटा दिया गया है। उनकी जगह 2014 बैच के आईपीएस अधिकारी सुरेंद्र सिंह भोरिया को रोहतक का नया पुलिस अधीक्षक (एसपी) नियुक्त किया गया है।

सुरेंद्र सिंह भोरिया इससे पहले 5वीं बटालियन में कमांडेंट के पद पर कार्यरत थे। इस कार्रवाई को सरकार द्वारा मामले की गंभीरता को स्वीकार करने और जांच में पारदर्शिता लाने के पहले कदम के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि, डीजीपी शत्रुजीत कपूर पर लगे आरोपों को लेकर अभी कोई बड़ी कार्रवाई सामने नहीं आई है। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी द्वारा आत्महत्या और शीर्ष अधिकारियों पर लगाए गए इस तरह के गंभीर आरोप हरियाणा पुलिस प्रशासन और कानून–व्यवस्था के भीतर चल रही समस्याओं की ओर इशारा करते हैं, जिस पर विपक्ष भी लगातार सरकार को घेरने की तैयारी में है।

हरियाणा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह पूरन कुमार के परिवार से मिले

चंडीगढ़, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह आज चंडीगढ़ में दिवंगत आईपीएस अधिकारी वाई. पूरन कुमार सिंह के परिवार से मिले और गहरी संवेदना व्यक्त की। राव नरेंद्र सिंह ने कहाकि एक ईमानदार और निडर अधिकारी को मजबूर होकर आत्महत्या करनी पड़ी। यह पूरे सिस्टम की विफलता और दलित अधिकारियों के साथ हो रहे अन्याय की दर्दनाक मिसाल है। उन्होंने कहा कि यह मामला पूरे देश में चिंता का विषय है और न्यायप्रिय लोगों के मन में गहरा आक्रोश है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जी से मुलाकात के बाद उन्हें व्यक्तिगत रूप से इस मामले की जांच करने और परिवार को यह भरोसा दिलाने के निर्देश दिए गए हैं कि कांग्रेस पार्टी उनके साथ खड़ी है और न्याय तक संघर्ष जारी रहेगा। राव नरेंद्र सिंह ने हरियाणा सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि सरकार की चुप्पी और कार्रवाई न होना यह दिखाता है कि सत्ता अन्याय के साथ खड़ी है। अगर तुरंत निष्पक्ष जांच और कार्रवाई नहीं हुई, तो कांग्रेस पूरे प्रदेश में बड़ा आंदोलन खड़ा करेगी जो सरकार के काबू से बाहर होगा।

पूरन कुमार सुसाइड केस

दोषी कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, बख्शा नहीं जाएगा : सैनी

पंचकूला, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के पंचकूला में शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक हुई, जहां आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार के निधन पर शोक जताया गया। भाजपा के नेताओं ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। हरियाणा के आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार सुसाइड मामले पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि दोषी कितना भी प्रभावशाली व्यक्ति क्यों न हो, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि जैसे ही जापान में आईपीएस अधिकारी वाई पूरन सिंह के निधन की सूचना मिली, हमने उनकी पत्नी का ढांढस बंधाया और अधिकारियों को उनके साथ घर भेजा। सीएम सैनी ने कहा कि हमारी सरकार इस मामले की पूरी जांच कराएगी। अगर किसी व्यक्ति को कोई तंग करेगा तो हम उसे नहीं बख्सेंगे। विपक्ष को ऐसे मुद्दे पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। परिवार के साथ अन्याय हुआ है तो न्याय देने का काम हमारी सरकार करेगी।

वहीं, इस मामले में हरियाणा सरकार ने रोहतक के एसपी नरेंद्र बिजारणिया को उनके पद से हटा दिया। अब उनकी जगह पर इस पद की जिम्मेदारी सुरेंद्र सिंह भौरिया को सौंपी गई है। हरियाणा सरकार के गृह विभाग ने यह जानकारी अधिसूचना जारी करके दी है। अधिकारी वाई पूरन कुमार की पत्नी अमनीत पी. कुमार ने अपनी शिकायत में हरियाणा के डीजीपी शत्रुजीत कपूर और रोहतक के एसपी नरेंद्र बिजारनिया पर आरोप लगाया था कि दोनों उनके पति का मानसिक उत्पीड़न कर रहे थे। इसी के चलते उनके पति ने आत्महत्या कर ली। अमनीत ने दोनों अधिकारियों पर एससी–एसटी एक्ट के तहत कार्रवाई की मांग की।

अमनीत ने कहा था कि उनके पति पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ काम करते थे। यह मेरे लिए बहुत ही दुर्भाग्य की बात है कि वे अपने घर में मृत पाए गए। इसे आत्महत्या का नाम दिया जा रहा है, लेकिन मेरी आत्मा कहती है कि यह लगातार उनके मानसिक उत्पीड़न का परिणाम है। उन्होंने कहा कि मेरे पति मुझे बताते थे कि उनके साथ जाति के आधार पर भेदभाव होता था। उनके वरिष्ठ अधिकारी लगातार उनका मानसिक शोषण करते थे। उन्होंने यह भी कहा था कि मेरे खिलाफ साजिश हो रही है और मुझे फंसाने की कोशिश की जा रही है और यह सब डीजीपी के इशारे पर हो रहा है।

विधायक मिश्रीलाल यादव ने किया भाजपा छोड़ने का एलान, बोले–

पार्टी में मुझे प्रताड़ित किया गया

पटना **(एजेंसियां)।**

जनता दल यूनाइटेड के बाद भारतीय जनता पार्टी को बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। दरभंगा जिले की अलीनगर विधानसभा सीट से भाजपा विधायक मिश्रीलाल यादव ने पार्टी से इस्तीफा देने का एलान कर दिया है। उन्होंने पार्टी नेतृत्व पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा अब पिछड़ों का सम्मान नहीं करती। पार्टी का शीर्ष नेतृत्व घमंड में चूर हो गया है। इस बात जनता इन्हें सबक सिखाकर रहेगी। मिश्रीलाल यादव ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि अलीनगर में पिछले 30 वर्षों से एनडीए का विधायक नहीं रहा। लेकिन, 2020 में मैंने वहां भाजपा का परचम लहराया। इसके बावजूद पार्टी ने मेरा अपमान किया है। भाजपा में मेरे स्वाभिमान की कोई कद्र नहीं है। मुझे लगातार प्रताड़ित किया गया। अब ऐसे दल में रहना मेरे जैसे स्वाभिमानी व्यक्ति के लिए संभव नहीं है।

उन्होंने यह भी कहा कि वे पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष को अपना इस्तीफा पत्र सौंपने जा रहे हैं। मिश्रीलाल यादव ने साफ कर दिया कि वह अलीनगर से चुनाव जरूर लड़ेंगे, चाहे किसी भी दल से लड़ना पड़े। हालांकि उन्होंने अभी तक यह नहीं बताया कि वे किस पार्टी में शामिल होंगे। कहा कि मैं एक सेकुलर सोच रखने वाला व्यक्ति हूं, इसलिए संभव है कि मैं किसी सेकुलर पार्टी में जाऊं। लेकिन फिलहाल यह तय नहीं है कि किस पार्टी से जुड़ूंगा। उन्होंने कहा कि एक बात तय है कि मैं चुनाव लड़ूंगा और जीतूंगा भी।

बता दें कि दरभंगा के अलीनगर विधानसभा से भाजपा विधायक मिश्रिलाल यादव की विधानसभा की सदस्यता 23 जुलाई को बहाल कर दी गई है। विधायक मिश्रिलाल यादव को दरभंगा के एमपी एमएलए की विशेष न्यायालय ने एक पुराने मारपीट के मामले सुनवाई करते हुए 27 मई को दो साल की सजा सुनाई थी। इसके बाद मिश्रीलाल को जेल हो गई थी, जिस वजह से 20 जून को भाजपा विधायक मिश्रिलाल यादव की विधानसभा की सदस्यता समाप्त कर दी गई थी। हालांकि इस मामले में विधायक को हाईकोर्ट से पहले ही जमानत मिल चुकी है, जबकि हाईकोर्ट ने सुनवाई करते हुए 18 जुलाई को विधानसभा सदस्यता रद्द करने के मामले को निरस्त कर दिया था।

भाजपा विधायक मिश्रिलाल यादव की विधानसभा सदस्यता फिर से हुई बहाल, कोर्ट ने दो साल की सुनाई थी सजा

बता दें कि मिश्रीलाल यादव ने 2020 के विधानसभा चुनाव में मुकेश सहनी की पार्टी विकाससील इंसान पार्टी (वीआईपी) के टिकट पर चुनाव लड़ा था। उस समय वीआईपी एनडीए का हिस्सा थी। लेकिन, 2022 में पार्टी टूट गई थी और चार में से तीन विधायक भाजपा में शामिल हो गए थे, जिनमें मिश्रीलाल यादव भी शामिल थे। इधर, हाल में ही वह राष्ट्रीय जनता दल के कुछ नेताओं के साथ देखे गए थे, लेकिन उन्होंने इन खबरों का खंडन करते हुए कहा था कि मैं बीजेपी में हूं और बीजेपी में ही रहूंगा।

दो बार भाजपा सांसद रहे अजय निषाद का कांग्रेस से मोह भंग, दोबारा बीजेपी में हुए शामिल

पटना **(एजेंसियां)।**

पूर्व सांसद और पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के प्रत्याशी अजय निषाद आज भाजपा में शामिल हो गए। पूर्व सांसद ने आज अपनी पत्नी रमा निषाद के साथ भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित एक समारोह में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की और पार्टी में विश्वास व्यक्त किया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने पूर्व सांसद अजय निषाद और उनकी पत्नी रमा देवी को पार्टी की सदस्यता दिलाई और पार्टी में स्वागत किया।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने इस समारोह को संबोधित करते हुए विश्वास जताया कि निषाद दंपति के भाजपा में आने से पार्टी न केवल मुजफ्फरपुर जिले में बल्कि पूरे प्रदेश में और मजबूत होगी। भाजपा अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने दावा किया कि अगले चार– पांच दिनों में राजद और कांग्रेस के कई विधायक भाजपा में शामिल होने वाले हैं।

उन्होंने कहा कि विपक्ष हताशा में है इस कारण कुछ लोग बिहार के हर परिवार में सरकारी नौकरी देने की बात कर रहे हैं। बिहार में दो करोड़ 70 लाख परिवार हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि ऐसी बातें कोई हताशा में ही कर सकता है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास अब कोई मुद्दा नहीं है।

उन्होंने कहा कि पूर्व सांसद भले ही कुछ दिनों के लिए शारीरिक रूप से भाजपा से अलग हुए थे लेकिन वे सही रुप से कभी भी भाजपा से अलग नही हुए। उनके दिल मे भाजपा बसती है। वे ज्यादा दिनों तक भाजपा से अलग रह ही नहीं सकते हैं। उन्होंने बिहार विधानसभा चुनाव की चर्चा करते हुए कहा कि इस चुनाव में एनडीए कार्यकर्ताओं के जोश और उत्साह से साफ है कि इस चुनाव में एनडीए न केवल बहुमत से सरकार बनाएगी बल्कि रिकॉर्ड और ऐतिहासिक जीत दर्ज करेगी।

बिहार में डबल इंजन की सरकार बनेगी और बिहार विकसित बिहार बनने की ओर छलांग लगाएगी।

होमगार्ड प्रशिक्षण के दौरान कई महिला जवानों की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

वैशाली **(एजेंसियां)।**

वैशाली जिले के जढुआ स्थित होमगार्ड प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण के दौरान करीब डेढ़ दर्जन महिला जवानों की अचानक तबीयत बिगड़ गई। इससे प्रशिक्षण केंद्र में अफरातफरी मच गई। सभी महिला जवानों को आनन–फानन में इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने उनका प्राथमिक उपचार किया।

जानकारी के अनुसार, प्रशिक्षण के बाद सभी महिला जवान अपने आवास पर लौट गई थीं। इसके कुछ देर बाद एक–एक कर कई जवानों की तबीयत खराब होने लगी। पहले आधा दर्जन से अधिक जवानों को अस्पताल लाया गया, फिर धीरे–धीरे अन्य को भी भर्ती कराया गया।

अस्पताल में भर्ती महिला जवानों में छाया कुमारी, नेहा कुमारी, संजू कुमारी, छोटी कुमारी, सिमरन कुमारी, माफिया कुमारी, निधि कुमारी, सुप्रिया कुमारी, चंदा कुमारी, मीनू मिश्रा, खुशी कुमारी, पूजा कुमारी, उजाला कुमारी, अंजली कुमारी, मधु कुमारी और शिविनी कुमारी शामिल हैं। इस संबंध में होमगार्ड कमांडेंट प्रेमचंद ने बताया कि कुछ महिला जवानों की तबीयत उपवास के कारण बिगड़ी है। सभी को तुरंत सदर अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी स्थिति सामान्य बताई है।

पुलिस के चंगुल में फंसे सोना लूट कांड के दो आरोपी जमुई पुलिस ने 500 ग्राम गोल्ड के साथ पकड़ा

जमुई **(एजेंसियां)।**

जमुई एसपी विश्वजीत दयाल ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी जमुई और पुलिस उपाधीक्षक (विशेष कार्यबल–एसटीएफ) के नेतृत्व में जिला आसूचना इकाई जमुई और एसटीएफ पटना की संयुक्त टीम ने मलयपुर थाना क्षेत्र के स्टेशन रोड इलाके में छापेमारी कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान टाउन थाना क्षेत्र के निमारंग निवासी पीयूष दास (पिता रंजीत दास) और उसके पिता रंजीत दास (पिता नौरंगी दास) के रूप में हुई है।

एसपी ने बताया कि 5 अक्टूबर को पश्चिम बंगाल के बड़नगर थाना क्षेत्र स्थित एक बड़ी ज्वेलरी दुकान में 15 किलो 500 ग्राम सोने की लूट की गई थी और दुकान मालिक शंकर नेगन की हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद से ही पुलिस मुख्य आरोपियों की तलाश में थी।

इसी दौरान जमुई पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि फरार आरोपी पीयूष दास अपने घर में छिपा हुआ है। सूचना के आधार पर संयुक्त टीम ने छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशानदेही पर तलाशी के दौरान उसके पिता रंजीत दास को भी गिरफ्तार किया गया।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने 550.49 ग्राम लूटा गया सोना और दो मोबाइल फोन बरामद किए। कार्रवाई में मलयपुर थानाध्यक्ष विकास कुमार, उपनिरीक्षक आलोक कुमार (जिला आसूचना इकाई), उपनिरीक्षक महेश प्रसाद सिंह, मलयपुर थाना सशस्त्र बल, जिला आसूचना इकाई जमुई, विशेष कार्यबल पटना और पश्चिम बंगाल पुलिस की टीम शामिल रही।

गिरफ्तार दोनों आरोपियों से पुलिस गहन पूछताछ कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि दोनों को विधिसम्मत प्रक्रिया पूरी करने के बाद पश्चिम बंगाल पुलिस को सुपुर्द किया जाएगा ताकि आगे की कानूनी कार्रवाई की जा सके। इस कार्रवाई से पुलिस को अंतरराज्यीय अपराधियों के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है।

सीपीआई ने बिहार चुनाव के लिए 24 उम्मीदवारों की सूची तेजस्वी को सौंपी

पटना **(एजेंसियां)।**

सीपीआई के महासचिव डी. राजा ने शुक्रवार को कहा कि पार्टी ने बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर 24 संभावित उम्मीदवारों की सूची तेजस्वी यादव को सौंप दी है। फिलहाल सीट बंटवारे पर बातचीत जारी है।

पटना में आयोजित सीपीआई राज्य परिषद की बैठक को संबोधित करते हुए राजा ने कहा कि सीपीआई इंडिया ब्लॉक का एक घटक दल होने के नाते एनडीए सरकार को हराने और जनता की भलाई के लिए काम करने वाली सरकार बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। हमने 24 उम्मीदवारों की सूची खछऊखअ ब्लॉक के संयोजक तेजस्वी यादव को सौंपी है। वर्ष 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में सीपीआई ने 6 सीटों पर चुनाव लड़ा था और 2 सीटों पर जीत हासिल की थी।

हालांकि महागठबंधन की सीट शेयरिंग घोषणा से पहले सीपीआई एम ने दो उम्मीदवार उतारने की घोषणा कर दी है।

इधर, राजा ने आरोप लगाया कि पिछले 20 वर्षों में एनडीए के शासन में बिहार ने भारी नुकसान झेला है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार और अपराध खतरनाक स्तर पर पहुंच गए हैं। साथ ही केंद्र सरकार पर कॉरपोरेट समर्थक और जनविरोधी नीतियां अपनाने का आरोप लगाया, जिनकी वजह से महंगाई बढ़ी है और रोजगार के अवसर घटे हैं।

उन्होंने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और पूरे देश की निगाहें इस चुनाव पर टिकी हैं।

हमें एनडीए सरकार को हटाकर इंडिया ब्लॉक की सरकार बनानी होगी ताकि एक समृद्ध और प्रगतिशील बिहार का निर्माण किया जा सके। बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी, महंगाई, भूमि सुधार और पलायन जैसे जन–हित के मुद्दों पर चुनाव लड़ने का संकल्प लिया गया।

राजा ने कहा कि भाजपा राज्य की राजनीति पर वर्चस्व जमाने की कोशिश कर रही है। अगर ऐसा हुआ तो बिहार ङ्गसांप्रदायिक और फासीवादी ताकतों के खतरेङ्ग का सामना करेगा। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से पूरी निष्ठा, अनुशासन और एकजुटता के साथ इंडिया ब्लॉक की जीत सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

प्रेम–प्रसंग को लेकर कॉलेज छात्र की हत्या

बेगूसराय **(एजेंसियां)।**

बिहार के बेगूसराय में बेखौफ बदमाशों ने एक युवक की हत्या कर दी। उक्त घटना बछवाड़ा थाना क्षेत्र के कादराबाद बहियार में घटी।

घटना के बाद से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। सूचना पाकर पहुंची पुलिस सभी पहलुओं पर जांच–पड़ताल कर रही है। इस घटना में मृतक की पहचान बछवाड़ा थाना क्षेत्र के कादराबाद गांव के वार्ड नंबर–3 के रहने वाले परमानंद पासवान उर्फ पारो पासवान के पुत्र सचिन कुमार (22 वर्ष) के रूप में की गई है। चल रही चर्चा के अनुसार अविवाहित सचिन की हत्या प्रेम प्रसंग को लेकर गांव के ही कुछ युवकों द्वारा कर दी गई है। फिलहाल घटना का कारण अस्पष्ट है। बछवाड़ा थाना की पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच और आगे की कार्रवाई में जुटी है। एफएसएल टीम ने भी घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए। वह दलसिंहसराय कॉलेज में ग्रेजुएशन में पढ़ने वाला सचिन रात में घर के बगल स्थित चौपाल पर सोने गया था। मृतक के पिता परमानंद पासवान ने बताया कि सचिन बराबर चौपाल पर जाकर सोता था। बीती रात भी वह करीब 12 बजे हरिजन चौपाल पर सोने के लिए गया हुआ था। लेकिन सुबह में काफी देर तक घर वापस नहीं आया तो उसके बाद सुबह काफी खोजबीन की गई, जिसमें कोई अता–पता नहीं चल सका था। गांव के लोग जब बहियार गए तो एक मकई के खेत में सचिन की लाश देखी गई। स्थानीय लोगों द्वारा जानकारी मिलने पर बहियार गए तो खेत में सचिन की लाश पड़ी हुई थी। उसके सिर में छेद है, बदमाशों ने सिर में पीछे से गोली मारकर हत्या की है। मेरा किसी से कोई दुश्मनी नहीं है, पता नहीं है किसने हत्या की।

दो ट्रकों के आमने–सामने की जोरदार टक्कर में एक चालक की मौत दो घायल

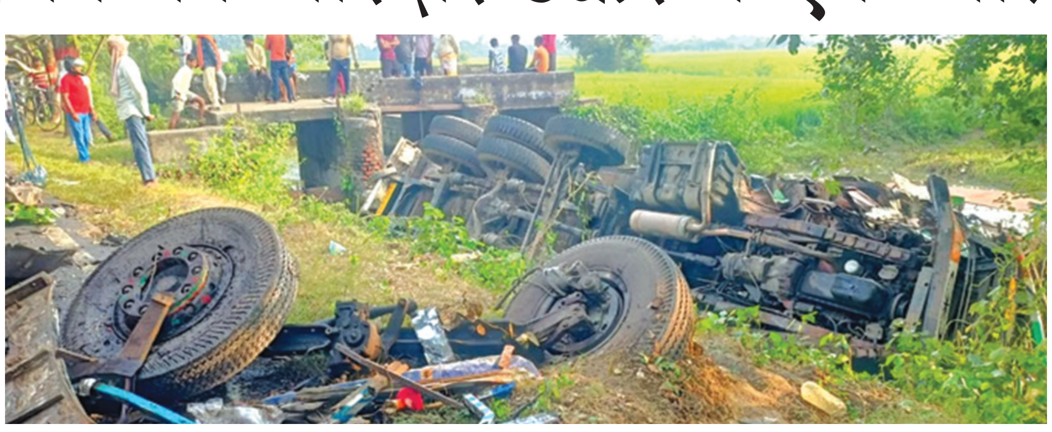

सासाराम **(एजेंसियां)।**

जिले के सासाराम–चौसा पथ पर शनिवार की अहले सुबह दो ट्रैकों की भिड़ंत में एक चालक की मौत हो गई। इस घटना में एक अन्य चालक और सह चालक भी गंभीर रूप से घायल हैं, जिनका इलाज नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है। घटना रोहतास जिले के करगहर थाना क्षेत्र अंतर्गत सहुआर अमवलिया गांव के समीप की बताई जा रही है।

घटना के संदर्भ में बताया गया कि शनिवार की सुबह करीब 5 बजे सासाराम–चौसा पथ पर दो ट्रैकों की आमने–सामने टक्कर हो गई। इसमें अशोका लिमिटेड कंपनी के ट्रक चालक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान झारखंड के लातेहार जिला अंतर्गत बालूमाथ गांव निवासी बलराम शाह के 36 वर्षीय पुत्र ज्ञानेश्वर कुमार के रूप में हुई है।

टक्कर इतनी जोरदार हुई कि एक ट्रक सड़क किनारे चाट में पलट गया, जबकि दूसरे ट्रक का केबिन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और इसमें दबने से एक चालक की मौत हो गई। टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण दौड़े और दोनों घायलों को बाहर निकाल कर पुलिस को सूचना दी। वहीं, ग्रामीणों की मदद से दोनों घायलों को करगहर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है, जहां चिकित्सक के अनुसार दोनों घायल खतरे से बाहर हैं।

इधर, सड़क हादसे की सूचना पर पहुंची करगहर थाने की पुलिस ने शव को अपनी कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया है। पुलिस ने बताया कि घटना की सूचना मृतक के परिजनों को दे दी गई है और शव का पोस्टमार्टम करा कर उन्हें सौंप दिया जाएगा। साथ ही पुलिस ने दोनों ट्रक को जप्त कर लिया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com